{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
बुधवार 22 अप्रैल 2026
वैशाख शुक्ल 05 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 207
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	79,273.33
निफ्टी	-	24,576.60
सोना	-	1,55,290
चांदी	-	2,65,000
डॉलर	-	93.58

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट, 13 की मौत

त्रिशूर। केरल के त्रिशूर जिले के मुंडथिकोडु इलाके में मंगलवार को एक पटाखा निर्माण यूनिट में भीषण विस्फोट गया। इस विस्फोट में 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब शहर में आयोजित होने वाले वार्षिक हिंदु मंदिर उत्सव त्रिशूर पूरम की तैयारियां चल रही थीं। इस घटना पर पीएम मोदी ने दुख जताया है। घटनास्थल पर पहुंचे राज्य सरकार के एक अधिकारी ने बताया कि विस्फोट के समय यूनिट में करीब 40 लोग काम कर रहे थे, क्योंकि आयोजकों द्वारा कर्मचारियों के लिए दोपहर का भोजन लाया गया था। अधिकारी ने कहा, हमें सूचना मिली है कि सात लोग वहां से भागने में सफल रहे। बताया जा रहा है कि यह विस्फोट उस पटाखा इकाई में हुआ, जहां त्रिशूर पूरम के थिरुवंबाडी गुट के लिए आतिशबाजी के सैंपल तैयार किए जा रहे थे।

शरद पवार अस्पताल में भर्ती

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूत्रों के हवाले से आई जानकारी के मुताबिक उन्हें स्वास्थ्य जांच के लिए मुंबई के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि 85 वर्षीय पूर्व केंद्रीय मंत्री को दो दिन पहले ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सूत्रों के हवाले से बताया कि उन्हें नियमित जांच के सिलसिले में अस्पताल लाया गया। उनकी हालत गंभीर नहीं है। गौरतलब है कि वयोवृद्ध राजनेता शरद पवार हाल ही में व्हीलचेयर पर बैठकर संसद पहुंचे थे। राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने के लिए पहुंचे पवार ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में मीडिया के सवालों के जवाब भी दिए थे। इससे पहले पवार को इसी वर्ष फरवरी में पुणे के एक अस्पताल में दो बार भर्ती कराया गया था।

केजरीवाल ने तमिलनाडु में स्टालिन के समर्थन में किया प्रचार

चेन्नई। दिल्ली के पूर्व सीएम और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल तमिलनाडु में हैं। वहां विधानसभा चुनाव में तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन के समर्थन करने गए हैं। चेन्नई में प्रेसवार्ता के दौरान उन्होंने बिहार के पूर्व सीएम नीतीश कुमार का जिक्र कर बीजेपी पर निशाना साधा। तमिलनाडु में बीजेपी और एआईएडीएमके मिलकर चुनाव लड़ रहे हैं। इस लेकर जब मीडिया ने केजरीवाल ने सवाल किया, तब उन्होंने कहा, तमिलनाडु के लोग बीजेपी से नफरत करते हैं। तमिलनाडु के लोग बीजेपी की विभाजनकारी राजनीति से नफरत करते हैं। इसकारण कई सालों तक बीजेपी यहां नहीं जीत सकी है। सभी लोग जानते हैं कि एआईएडीएमके बीजेपी के सहारे है। अगर बीजेपी एक ही सीट जीतती है फिर भी वहां अपना सीएम बनाएगी, जैसा उन्होंने बिहार में नीतीश कुमार के साथ किया।

कुछ ना कहना

खड़गे बोले-मोदी आतंकवादी

बाद में कहा- ऐसा नहीं बोला-मेरा मतलब था मोदी लोगों और विपक्षी पार्टियों को डराते-धमकाते हैं

चेन्नई। एजेंसी।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने चेन्नई में मंगलवार को पीएम मोदी को आतंकवादी कह दिया। हालांकि, कुछ देर बाद इस पर सफाई भी दी। उधर, भाजपा ने कहा कि खड़गे को अपने विवादित बयान पर माफी मांगनी चाहिए। खड़गे पहले भी मोदी पर विवादित बयान दे चुके हैं। 2024 में पीएम की तुलना आक्रमणकारी तैमूर लंग से की थी। 2023 में 'जहरीला सांप' और 'झूठों का सरदार' कहा था। बाद में कांग्रेस अध्यक्ष ने सफाई भी थी।

> ये AIADMK के लोग, जो खुद अन्नादुरई की फोटो लगाते हैं, वे मोदी के साथ कैसे जुड़ सकते हैं? वह (मोदी) एक आतंकवादी हैं।
>
> **मल्लिकार्जुन खड़गे**
> कांग्रेस अध्यक्ष

> ED, IT, CBI जैसी संस्थाएं उनके हाथ में हैं। वह अपने हाथ में डिलिमिटेशन भी लेना चाहते हैं। इसलिए मैं कह रहा था कि मोदी लोगों और विपक्ष को आतंकित कर रहे हैं। न कि मोदी आतंकी हैं।
>
> **मल्लिकार्जुन खड़गे**
> कांग्रेस अध्यक्ष

कुछ मिनट बाद सफाई भी दी, कहा

खड़गे ने कहा- PM मोदी लोगों और राजनीतिक पार्टियों को डरा रहे हैं। मैंने कभी नहीं कहा कि वह आतंकवादी हैं। मेरा मतलब है कि मोदी हमेशा धमकी देते हैं।

बीजेपी ने कहा- सार्वजिनक माफी मांगें

इस बयान के बाद भारतीय जनता पार्टी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। बीजेपी ने खड़गे के बयान की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि कांग्रेस नेतृत्व लगातार प्रधानमंत्री का अपमान कर रहा है। पार्टी का दावा है कि अब तक प्रधानमंत्री के खिलाफ कई बार आपत्तिजनक टिप्पणियां की जा चुकी हैं और खड़गे को तुरंत सार्वजनिक तौर पर माफी मांगनी चाहिए। इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर राजनीतिक बयानबाजी और आरोप-प्रत्यारोप का दौर प्रारंभ करवा दिया है।

केजरीवाल समेत आप नेताओं पर अवमानना कार्रवाई की मांग, हाईकोर्ट में जनहित याचिका दाखिल

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट में पूर्व सीएम और आप नेता अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और संजय सिंह के खिलाफ अवमानना कार्रवाई की मांग को लेकर एक जनहित याचिका (पिल) दाखिल की गई है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि अदालत की कार्यवाही की रिकॉर्डिंग को जानबूझकर सोशल मीडिया पर साझा किया गया, जो कोर्ट के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग नियमों का उल्लंघन है।

वकील वैभव सिंह द्वारा दाखिल इस याचिका में अदालत से पूरे मामले की विस्तृत जांच कराने और संबंधित नेताओं के खिलाफ उचित कार्रवाई के निर्देश देने की मांग की गई है। यह मामला उस समय और गरमा गया जब जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने केजरीवाल की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने जज से खुद को केस से अलग (रिक्यूज़) करने की मांग की थी। अपने फैसले में जस्टिस शर्मा ने स्पष्ट कहा कि वह इस मामले की सुनवाई से अलग नहीं होंगी।

इस फैसले के बाद राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। संजय सिंह ने सोशल मीडिया पर न्यायाधीश की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए टिप्पणी की, जिससे विवाद और बढ़ गया। वहीं, आम आदमी पार्टी के अन्य नेताओं ने भी इस मुद्दे पर शंकाएं जताईं और कहा कि इससे लोगों के मन में न्याय प्रक्रिया को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।

दूसरी ओर, भारतीय जनता पार्टी ने अदालत के फैसले का स्वागत किया है। बीजेपी सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि देश की न्याय व्यवस्था किसी व्यक्ति विशेष की सुविधा से नहीं, बल्कि संविधान और कानून के अनुसार चलती है। इस पूरे घटनाक्रम ने न्यायपालिका, राजनीतिक दलों और अभिव्यक्ति की सीमाओं को लेकर नई बहस छेड़ दी है।

आज की दुनिया अस्थिरता और असंतुलन के दौर से गुजर रही -भागवत

त्रिपुरा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने त्रिपुरा में कार्यक्रम के दौरान कहा कि आज की दुनिया अस्थिरता और असंतुलन के दौर से गुजर रही है तथा पिछले करीब 2000 वर्षों में शासन, धर्म और विज्ञान के विभिन्न मॉडलों पर किए गए प्रयोग स्थायी शांति और संतोष देने में असफल रहे हैं। संघ प्रमुख ने पश्चिम त्रिपुरा के मोहनपुर स्थित मां सौंदर्या चिन्मयी मंदिर के प्रतिष्ठा और कुंभाभिषेकम समारोह में यह विचार व्यक्त किए। भागवत ने ऐतिहासिक दृष्टिकोण रखते हुए कहा कि प्रारंभिक समय में राजतंत्र को सर्वोत्तम व्यवस्था माना गया, लेकिन समय के साथ कई शासक अपनी प्रजा के शोषक बन गए। इसके बाद लोगों ने ईश्वर-आधारित व्यवस्था की ओर रुख किया और विभिन्न धर्मों का उदय हुआ। हालांकि, उन्होंने कहा कि धर्मों ने शांति स्थापित करने का प्रयास किया, लेकिन कई बार संघर्ष और हिंसा भी देखने को मिली। उन्होंने आधुनिक वैज्ञानिक युग की भी आलोचनात्मक समीक्षा करते हुए कहा कि विज्ञान ने भौतिक सुख-सुविधाएँ और विलासिता तो प्रदान की, लेकिन मनुष्य को वास्तविक संतोष नहीं मिला। परिवारों का विघटन, बढ़ते अपराध और लगातार होने वाले युद्ध इस असंतोष के संकेत हैं। साथ ही, विकास के साथ पर्यावरणीय क्षति भी गंभीर समस्या बन गई है। भागवत के अनुसार, इन सभी प्रयोगों के बाद आज दुनिया एक दिशा की तलाश में है और भारत के पारंपरिक ज्ञान की ओर देख रही है।

तमिलनाडु की सभी और बंगाल की 152 सीटों पर थमा प्रचार का शोर

अब 23 अप्रैल को उम्मीदवारों की किस्मत पर फैसला

कोलकाता/चेन्नई। एजेंसी।

पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में पहले चरण के मतदान से 48 घंटे पहले अब मंगलवार को चुनाव प्रचार थम गया है। तमिलनाडु में सभी 234 सीटों पर 23 अप्रैल को मतदान होना है। वहीं बंगाल में पहले चरण की 152 सीट पर वोटिंग होगी। चुनाव प्रचार थमने के बाद किसी भी तरह की सार्वजनिक रैलियों और राजनीतिक प्रचार अब उम्मीदवार नहीं कर सकेंगे। तमिलनाडु की बात करें, तो इस बार एक साथ सभी 234 सीटों पर मतदान होगा। इस बार राज्य में कुल 4,023 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। इस बार सभी की निगाहें राज्य के चर्चित अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी टीवीके पर भी है। राज्य की कई सीटों पर टीवीके को काफी समर्थन मिल रहा है। इस चुनाव में कुल 5.73 करोड़ मतदाता अपने मत का प्रयोग कर सकेंगे।

बंगाल में 152 सीटों पर होगा पहले चरण का मतदान

बंगाल की 152 सीटों पर पहले चरण का मतदान होना है। 4 मई को सभी चुनावी राज्यों की काउंटिंग की जाएगी। इस बार पश्चिम बंगाल में 2 चरण में मतदान होना है। पहले चरण में कुल 1,478 प्रत्याशी मैदान में हैं। करीबन तीन करोड़ 60 लाख 77 हजार 171 मतदाता अपने मत का उपयोग करेंगे। इन मतदाताओं में एक करोड़ 75 लाख 77 हजार 210 महिलाएं हैं। इस बार चुनावी प्रचार में महिलाओं से जुड़ा मुद्दा प्रमुखताओं से सभी पार्टियों ने उठाया है।

इन सीटों पर बंगाल में होगी वोटिंग

चुनाव आयोग की जानकारी के मुताबिक, बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए 23 अप्रैल को 16 जिलों की 152 सीटों पर मतदान होगा। इनमें उत्तर बंगाल के आठ, दक्षिण बंगाल के तीन और जंगलमहल अंचल के पांच जिले शामिल हैं। मुर्शिदाबाद की 22, कूचबिहार की नौ, जलपाईगुड़ी की सात, अलीपुरद्वार की पांच, कलिंपोंग की एक, दार्जिलिंग की पांच, उत्तर दिनाजपुर की नौ, दक्षिण दिनाजपुर की छह, मालदा की 12, बीरभूम की 11, पश्चिम बर्धमान की नौ, पूर्व मेदिनीपुर की 16, पश्चिम मेदिनीपुर की 15, झाड़ग्राम की चार, पुरुलिया की नौ व बांकुड़ा की 12 सीटें शामिल हैं।

पश्चिम बंगाल में चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष और भय-मुक्त माहौल में कराए जाएंगे-ज्ञानेश

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा है कि पश्चिम बंगाल में आगामी चुनाव पूरी तरह स्वतंत्र, निष्पक्ष और भय-मुक्त माहौल में कराए जाएंगे। उन्होंने साफ किया कि चुनाव आयोग किसी भी प्रकार की अनियमितता या चुनावी कदाचार को रोकने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और इसके लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि आयोग का प्राथमिक उद्देश्य मतदाताओं में विश्वास पैदा करना और उन्हें बिना किसी दबाव या भय के अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना है। इसके लिए एक विस्तृत रूपरेखा तैयार की गई है, जिसमें संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाना, सुरक्षा बलों की तैनाती और शिकायत निवारण प्रणाली को मजबूत करना शामिल है।

स्टालिन और उनके बेटे, और पूरा स्टालिन परिवार, भारत और तमिलनाडु विरोधी -पीयूष गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री और तमिलनाडु भाजपा के चुनाव प्रभारी पीयूष गोयल ने मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को विभाजनकारी और भारत विरोधी बताया। केंद्रीय मंत्री गोयल ने केंद्र पर परिसीमन का इस्तेमाल प्रगतिशील राज्यों को दंडित करने का आरोप लगाने और भाजपा को तमिलनाडु विरोधी बताने पर स्टालिन की आलोचना की। उन्होंने विश्वास जाहिर किया कि एआईएडीएमके महासचिव एडप्पाडी पलानीस्वामी के नेतृत्व में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) तमिलनाडु में निर्णायक जीत हासिल करेगा। केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि श्री स्टालिन की समस्या यह है कि वे विभाजनकारी हैं, वे भारत को एक देश के रूप में स्वीकार नहीं करते हैं। उनका यह बयान खतरनाक है। स्टालिन और उनके बेटे, और पूरा स्टालिन परिवार, भारत विरोधी, तमिलनाडु विरोधी हैं। इसके पहले, केंद्रीय मंत्री गोयल ने संसद में महिला आरक्षण विधेयक को रोककर डीएमके और कांग्रेस पर महिलाओं के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा कि उन्होंने भारत की उन महिलाओं के हितों को ठेस पहुंचाई है जो संसद में एक तिहाई आरक्षण पाने के लिए उत्सुक हैं, 2029 के आम चुनाव और उसके बाद के चुनावों में विधानसभाओं में भी। प्रधानमंत्री मोदी चाहते हैं कि हमारी बहनों, बेटियों और भारत की महिलाओं को राजनीतिक प्रक्रिया में उनका उचित हिस्सा मिले। लेकिन दुख की बात है कि कांग्रेस के गांधी परिवार, पश्चिम बंगाल के बनर्जी परिवार और तमिलनाडु के स्टालिन परिवार ने भारत की महिलाओं को पूरी तरह से निराश किया है।

निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने राजनीति में महिलाओं की स्थिति पर दिया विवादित बयान, कहा नेताओं के बेड से शुरू होता है 90 प्रतिशत महिलाओं का राजनीतिक करियर

पूर्णिया। बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने हाल ही में राजनीति में महिलाओं की भूमिका और नेताओं के आचरण को लेकर बेहद तीखे और विवादित बयान दिए हैं। उन्होंने दावा किया कि देश की राजनीति में महिलाओं के लिए बिना किसी समझौते के आगे बढ़ना लगभग असंभव बना दिया गया है और उनकी सुरक्षा को भी गंभीरता से नहीं लिया जा रहा। मीडिया से बातचीत में पप्पू यादव ने कहा कि भले ही भारतीय समाज में महिलाओं को देवी का दर्जा दिया जाता है, लेकिन वास्तविकता इसके बिल्कुल उलट है। पप्पू याद के अनुसार, राजनीति में अधिकांश महिलाओं की शुरुआत ही प्रभावशाली लोगों के निजी दायरे से होती है। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता के गलियारों में महिलाओं के शोषण की प्रवृत्ति गहराई तक जड़ें जमा चुकी है। पप्पू यादव ने कहा कि कड़वी सच्चाई यह है कि 90 प्रतिशत महिलाओं का राजनीतिक करियर नेताओं के बिस्तरों से शुरू होता है। महिलाएं किसी प्रभावशाली नेता के रूम में गए बिना राजनीति नहीं कर सकतीं। महिला आरक्षण को लेकर भी पप्पू यादव ने केंद्र सरकार की मंशा पर सवाल खड़े किए। उन्होंने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को केवल राजनीतिक दिखावा बताते हुए पूछा कि इसे पहले क्यों नहीं लाया गया, जब सरकार के पास पूर्ण बहुमत था। उनका मानना है कि इस कानून में पिछड़े वर्गों, अति पिछड़ों, अनुसूचित जाति-जनजाति और अल्पसंख्यक महिलाओं के लिए अलग प्रावधान होना जरूरी है, वरना इसका लाभ केवल संपन्न वर्ग तक सीमित रह जाएगा। इसके अलावा उन्होंने सरकार पर जातिगत जनगणना से बचने का आरोप भी लगाया। उनका कहना है कि इससे स्पष्ट होता है कि पिछड़े और दलित वर्गों को उनका हक देने की गंभीर इच्छा नहीं है। वहीं, उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और मनुस्मृति का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि इन विचारधाराओं का इतिहास महिलाओं और वंचित वर्गों के अधिकारों के खिलाफ रहा है।

दिल्ली-एनसीआर में बड़ी आतंकी साजिश नाकाम

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली और एनसीआर में बड़े हमले की साजिश को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने समय रहते नाकाम कर दिया। पुलिस ने पाकिस्तान में बैठे गैंगस्टर और आईएसआई के कथित प्रॉक्सी शाहजाद भट्टी के इशारे पर काम कर रहे दो गुर्गों को गिरफ्तार किया है। स्पेशल सेल को खुफिया जानकारी मिली थी कि पाकिस्तान में बैठा गैंगस्टर शहजाद भट्टी और आईएसआई के अन्य गुर्गे, भारत में मौजूद अपने कुछ साथियों के साथ मिलकर, दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र और आस-पास के इलाकों में ग्रेनेड हमले और टारगेट किलिंग को अंजाम देने की एक आपराधिक साजिश रच रहे हैं। इसी के आधार पर मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राजवीर (21) और विवेक बंजारा (19) के रूप में हुई है। दोनों मध्य प्रदेश के ग्वालियर के रहने वाले हैं। स्पेशल सेल ने इन्हें एक विशेष अभियान के दौरान पकड़ा। पुलिस ने आरोपी राजवीर के पास से एक पिस्तौल और छह जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। इसके अतिरिक्त, दोनों आरोपियों के पास से दो मोबाइल फोन भी बरामद हुए हैं, जिनमें आपत्तिजनक वीडियो और वॉयस नोट्स मिले हैं। पूछताछ में पता चला कि राजवीर अपने हैंडलर शहजाद भट्टी के निर्देश पर दिल्ली/एनसीआर क्षेत्र के एक प्रमुख होटल को निशाना बनाने की तैयारी कर रहा था। अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों से गहन पूछताछ जारी है और उनके नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश की जा रही है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि किन-किन स्थानों को निशाना बनाया जाना था।

तमिलनाडु के साथ सौतेले बच्चे जैसा व्यवहार किया जा रहा है-खड़गे

चेन्नई। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने तमिलनाडु में बीजेपी और केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि बीजेपी और केंद्र सरकार राज्य के विकास में बाधा डाल रही हैं और उसके साथ सौतेले बच्चे जैसा व्यवहार किया जा रहा है। खड़गे ने चेन्नई में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि तमिलनाडु को उसके उचित अधिकार और विकास योजनाओं का पूरा लाभ नहीं मिल रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षा क्षेत्र के लिए मिलने वाला फंड, विशेष रूप से समग्र शिक्षा योजना के तहत मिलने वाली राशि को रोका जा रहा है या उसमें कटौती की जा रही है। उन्होंने कहा कि यह रवैया संघीय ढांचे और समान विकास के सिद्धांतों के खिलाफ है। खड़गे के मुताबिक केंद्र सरकार की नीतियां कुछ राज्यों को प्राथमिकता देती हैं, जबकि तमिलनाडु जैसे राज्यों को अपेक्षित सहयोग नहीं मिल पाता। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा और विकास के मुद्दों पर किसी भी तरह का भेदभाव देश के भविष्य के लिए हानिकारक है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सभी राज्यों को समान अवसर और संसाधन मिलना चाहिए उनके इस बयान से राजनीतिक माहौल और गरमा गया है, खासकर तब जब दक्षिण भारत में केंद्र और राज्य सरकारों के बीच फंड और नीति को लेकर पहले से ही बहस चल रही है। खड़गे का यह बयान केंद्र और विपक्षी दलों के बीच जारी राजनीतिक टकराव को और तेज करने वाला माना जा रहा है।

नारी के हक को जिस-जिसने मारा है उसका सर्वनाश हुआ है-आचार्य प्रमोद

नई दिल्ली। कांग्रेस से नाता तोड़ चुके सीनियर नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने महिला आरक्षण बिल को लेकर पार्टी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि देश की सबसे बड़ी समस्या अब राहुल गांधी बन चुके हैं। चाहे महिलाओं की बात हो, 370 की बात हो, तीन तलाक की बात हो, चुनाव आयोग की बात हो, सबसे ज्यादा समस्या पैदा करने का काम राहुल गांधी कर रहे हैं। कांग्रेस के नेता रह चुके आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि जो नारी शक्ति का सम्मान नहीं करेगा, उसका पतन सुनिश्चित है। पूरे देश के अंदर कश्मीर से कन्याकुमारी तक, अटक से कटक तक भारत की नारी एक ही नारा लगा रही है कि राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्ष ने नारी शक्ति का अपमान किया है। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि राहुल गांधी को यह पता चल चुका है कि देश की उन्होंने आधी आबादी के हकों को मारने का काम किया है। पीएम मोदी महिलाओं का सम्मान करना चाहते थे, लेकिन राहुल गांधी ने उसका विरोध किया। जबसे यह सृष्टि बनी है, तबसे लेकर आज तक नारी का अपमान जिस, जिसने किया है। नारी के हक को जिस-जिसने मारा है उसका सर्वनाश हुआ है। कृष्णम ने कहा कि राहुल गांधी ने जब से महिलाओं का अपमान किया है, उनकी आत्मा मन ही मन उन्हें कचोट रही है और वह अनर्गल बातें कर रहे हैं। सच बात यह है कि देश की जनता और खासतौर पर माताएं-बहनें अब कांग्रेस के पुतले जला रही हैं। उससे डरकर राहुल गांधी का मानसिक संतुलन बिगड़ चुका है।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी आवेदकों की समस्या

120 आवेदकों ने दिये अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रत्येक मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई की कड़ी में 21 अप्रैल को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इसमें कलेक्टर मृणाल मीना एवं अपर कलेक्टर श्री डीपी बर्मन ने आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनका निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में 120 आवेदक अपनी समस्या लेकर आए थे।

जनसुनवाई में वारासिवनी तहसील के ग्राम भांडी पिपरिया की पुष्पा बाई मेश्राम अपने दोनों विकलांग बच्चों की दवाइयों में सहायता की मांग लेकर आयी थी। पुष्पाबाई का कहना था कि वह एक गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाली महिला है। उसकी 02 संताने है एक पुत्र और एक पुत्री और दोनों ही विकलांग है। जिनकी पालन पोषण व दवाइयों का खर्चा उठाने में उसे अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना प रहा है। उसने जिला प्रशासन से गुहार लगाई है कि उसके बच्चों के ईलाज व दवाइयों में सहायता की जाए। इस प्रकरण में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए है।

लामता तहसील अंतर्गत ग्राम हिरबाटोला के ग्राम पंचायत चमरवाही निवासी ओमप्रकाश ठकरे शिकायत लेकर आये थे कि प्रधानमंत्री आवास योजना की लिस्ट से उसका नाम विलोपित कर दिया गया है। ओमप्रकाश ने बताया कि उसने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गृह निर्माण करने के ग्राम पंचायत चमरवाही में आवेदन प्रस्तुत किया था, जिसके तहत 2018 की सूची में उसका नाम दर्ज था, वहीं वर्तमान में केवल 244 हितग्राहियों का नाम ही लिस्ट में दर्ज है। ओमप्रकाश ने बताया कि इस संबंध में विस्तृत जानकारी लिए जाने पर उसे कोई स्पष्ट जानकारी न प्रदाय कर सरपंच सचिव द्वारा टालमटोल किया जा रहा है। इस प्रकरण में जनपद सीईओ बालाघाट को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

बालाघाट तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत पेण्डरई निवासी शीला मोहारे शिकायत लेकर आयी थी कि उसे प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत घर निर्माण करने के बावजूद अब तक मजदूरी की राशि प्रदाय नही की गई है। शीला का कहना था कि उसे वर्ष 2025 में पीएम आवास योजना अंतर्गत आवास स्वीकृत किया गया था जिसके बाद उसका घर बनकर तैयार हो गया है किंतु अब तक उसे मजदूरी की राशि प्राप्त नही हुई है। ग्राम पंचायत में इस संबंध में जानकारी लेने पर हमेशा टालमटोल किया जाता है। अतः मुझे शीघ्र मजदूरी की राशि दिलाई जाए। इस प्रकरण में जनपद सीईओ बालाघाट को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए है।

जनसुनवाई में ग्राम कुकड़ा निवासी दीपक बघेले बिजली विभाग द्वारा मानसिक रूप से प्रताडित करने की शिकायत लेकर आये थे।

दीपक बघेले ने बताया कि वह चांगोटोला में किराये की दुकान लेकर बढ़ईगिरी का कार्य कर अपने परिवार का पालन-पोषण करता हैं। दीपक की दुकान में तीन फेस का बिजली कनेक्शन है, जिसका लोड वर्तमान में 6 किलोवाट है। दीपक ने बताया कि हाल ही में बिजली विभाग के अधिकारी द्वारा दुकान का निरीक्षण कर कार्रवाई की गई और उपयोग में आने वाली मशीनों के आधार पर 58,961 रुपये की पेनाल्टी लगा दी गई। विभाग द्वारा उन मशीनों को भी गिनती में शामिल किया गया, जो फील्ड कार्य के लिए उपयोग होती हैं या खराब स्थिति में रखी गई थीं। दीपक ने विभागीय कार्रवाई को अनुचित बताते हुए पेनाल्टी निरस्त करने की मांग की है। इस प्रकरण में अधीक्षण अभियंता एमपीईबी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

जनसुनवाई में लालबर्रा तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत लोहारा के सरपंच ग्राम में आंगनवाडी सहायिका की भर्ती की मांग लेकर आए थे। सरपंच धनेंद्र कडपेती का कहना था कि ग्राम दशहराटोला (लोहारा) में आंगनवाडी केंद्र क्रमांक 02 में आंगनवाडी सहायिका का पद रिक्त है। इस केंद्र में 0 से 6 वर्ष तक के बच्चों की संख्या लगभग 100 है। एवं गर्भवती व धात्री महिलाओं की संख्या लगभग 20 है। साथ ही किशोरी बालिका भी है। वहीं इस केंद्र को आदर्श केंद्र भी घोषित किया गया है। उन्होंने बताया कि यहा की कार्यकर्ता को सहायिका के अभाव में बहुत सी परेशानियों का सामना करना पडता है अत- शीघ्र इस केंद्र में सहायिका की भर्ती करायी जाए। इस प्रकरण में महिला एवं बाल विकास की जिला कार्यक्रम अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

जनसुनवाई में बैहर निवासी कौशल टेकाम समाज से बहिष्कृत कर दिए जाने की समस्या लेकर आयी थीं। कौशल का कहना था कि वह साल 2014 से परमात्मा एक मानव धर्म ो मान रही है व उसकी उस धर्म में सच्ची श्रद्धा है। 09 अप्रैल 2026 ो उसके देवर कैलाश टेकाम की तेरहवी का कार्यक्रम रखा गया था परन्तु समाज द्वारा इस कार्यक्रम का बहिष्कार किया गया और हमारे पूरे परिवार ो समाज व जाति से बाहर कर दिया गया है। इस प्रकरण में पुलिस अधीक्षक बालाघाट को कार्यवाही करने कहा गया है।

जनसुनवाई में ग्राम टवेझरी निवासी लता मेश्राम पति की मृत्यु के 11 माह बाद भी संबल योजना का लाभ नही मिलने की शिकायत लेकर आयी थी। लता मेश्राम का कहना था कि उसके पति श्रावण मेश्राम का निधन 24 मई 2025 को हो चुका है, लेकिन 11 माह बाद भी उसे 5 हजार रुपये की अंत्येष्टि सहायता मिली है और न ही 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि नही मिली है। इस प्रकरण में श्रम पदाधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

मोटरपंप जब्ती कार्यवाही के लिये नपा की टीम गठित

नपा सीएमओ ने की नल कनेक्शन में मोटरपंप का उपयोग ना करने की अपील

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्रीष्मकाल के दिनों में पेयजल हेतु शहर के 33 वार्डो में सुचारू रूप से जलप्रदाय किये जाने नगर पालिका परिषद बालाघाट द्वारा समुचित प्रयास किये जा रहे है। आम तौर पर नपा के नल कनेक्शनों में मोटरपंप का उपयोग किये जाने से प्रेशर की समस्या एवं नागरिकों तक पेयजल ना पहुंच पाने की दिक्कतें उत्पन्न होती है इसके समाधान के लिये प्रभारी सीएमओ सूर्यप्रकाश उईके द्वारा जारी आदेशों के तहत नपा की जलप्रदाय शाखा द्वारा निगरानी टीम का गठन किया गया है जो वार्डो का भ्रमण करेगी और मोटरपंप का उपयोग पाये जाने पर उसे जब्ती की कार्यवाही करेगी।

सीएमओ ने आदेश में आम नागरिकों को सूचना जारी करते हुए बताया है कि नगर पालिका परिषद बालाघाट शहर के सभी वार्डो के नल कनेक्शनों तक पानी पहुंचाने के लिये प्रतिबद्ध है, ग्रीष्मकाल के दिनों में जल की स्थिति गंभीर हो जाती है जिसके प्रभाव सामने आते है। इसका बड़ा कारण यह है कि कई घरों में नपा के नल कनेक्शन में मोटरपंप का उपयोग करके पानी खिंचा जाता है जिससे आगे पानी का प्रेशर नहीं बन पाता है। इसके समाधान के लिये नगर पालिका परिषद बालाघाट द्वारा जलप्रदाय शाखा के माध्यम से टीम का गठन किया गया है जो प्रत्येक दिन नगर के वार्डो में भ्रमण करते हुए निगरानी बरतेगी और जहां भी नपा के नल कनेक्शन में मोटरपंप का उपयोग पाया जाता है उसे जब्ती की कार्यवाही की जायेगी। शहर के आम नागरिकों से जलप्रदाय को लेकर इस ग्रीष्मकाल में सहयोग देते हुए नपा के शासकीय नल कनेक्शन में मोटरपंप का उपयोग ना किये जाने की अपील की है।

जलप्रदाय टीम वार्डो में करेगी कार्यवाही

कार्यवाही के लिये सीएमओ के आदेश पर जो टीम गठित की गई है उसमें जलप्रदाय शाखा प्रभारी भुमेश्वर शिव, शाखा के राजकुमार कावरे, नपाकर्मी संतोष नागेश्वर, अनिल सहारे, अंकित सोनी, आशाराम बिसेन, मुकेश दियेवार, शंकर दुधबुरे, मुन्ना उइके, चेतन खरे, इंद्रकुमार मुंजारे, गोविंद हरदे, पुनीत बिसेन, लखन दुधबुरे, संदीप श्रीवास्तव का समावेश है जो गश्ती दल में रहेंगे। जबकि जब्त मोटर की पर्ची लगाकर रजिस्टर में दर्ज कर स्टोर कर सुरक्षित रखने का काम सुशील नगरगड़े, जलकर वसूली प्रभारी एवं सभी जलकर वसूली कर्मचारी की जवाबदेही होगी। बताया गया कि वार्डो में कार्यवाही को लेकर संबंधित वार्ड के पार्षद को भी अवगत कराया जाये। उक्त अधिकारी, कर्मचारी कार्य योजना अनुसार कार्य करते हुए प्रतिदिन के कार्य का प्रतिवेदन नोडल अधिकारी ज्योति मेश्राम उपयंत्री जलप्रदाय शाखा को देंगे। सीएमओ ने आदेश में कहा है कि उक्त सौंपे गये दायित्वों में किसी भी प्रकार की लापरवाही एवं आदेश का उल्लंघन किये जाने पर मध्यप्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1961 एवं अधिनियम के अंतर्गत दण्डनीय होगा और संबंधित अधिकारी-कर्मचारी पर दोषी पाये जाने पर कार्यवाही की जायेगी।

तिरोड़ी थाने के ग्राम चोर पिंडकेपार में हुई वारदात : ज़मीन के टुकड़े के लिए खून का रिश्ता हुआ तार-तार

बड़े भाई ने छोटे भाई का गला रेता

तिरोड़ी पुलिस ने 24 घंटे में आरोपी को दबोचा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। संपत्ति विवाद ने एक बार फिर खून के रिश्ते को लहूलुहान कर दिया। जिले के तिरोड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चोरपिण्डकेपार में बड़े भाई ने संपत्ति बंटवारे की मामूली कहासुनी के बाद छोटे भाई पर जानलेवा हमला कर दिया। आरोपी ने घर में रखे चाकू से छोटे भाई का गला रेत दिया। गनीमत रही कि परिजनों ने तत्काल बीच-बचाव कर घायल को जिला अस्पताल पहुंचाया।वरना एक और भाई हत्या की वारदात में तब्दील हो जाती। तिरोड़ी पुलिस ने फुर्ती दिखाते हुए 24 घंटे के भीतर आरोपी अजय भलावे पिता धनीराम भलावे 32 वर्ष को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया। जिसे न्यायिक अभिरक्षा में वारासिवनी उपजेल भिजवा दिया गया है घायल अनिरुद्ध भलावे 27 वर्ष को जिला अस्पताल से हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

30 सेकंड की कहासुनी और उठ गया चाकू

जानकारी के मुताबिक ग्राम चोर पिंडकेपार में अजय भलावी और उसके भाई अनिरुद्ध भलावी के बीच संपत्ति के बंटवारे को लेकर के विवाद चल रहा था। घटना 19 अप्रैल की शाम करीब 7ः30 बजे की है। अनिरुद्ध भलावे अपने घर पर था। उसी दौरान उसका बड़ा भाई अजय भलावे वहां पहुंचा। दोनों के बीच पैतृक संपत्ति के बंटवारे को लेकर ।बातचीत शुरू होते ही बहस गाली-गलौज में बदल गई। अनिरुद्ध ने जब बड़े भाई अजय भलावे को गाली देने से मना किया तो अजय भलावे आपा खो बैठा। उसने पीछे से अनिरुद्ध के बाल पकड़े और घर में रखा घरेलू चाकू उठाकर सीधे गले पर वार कर दिया। हमला इतना तेज था कि अनिरुद्ध के गले से खून की धार बह निकली। वार करने के बाद आरोपी अजय भलावे ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी।

परिजनों ने किया बीच बचाव कर बचाई जानः जिला अस्पताल में किये भर्ती

वारदात के समय घर में मौजूद परिजन चीख-पुकार सुनकर दौड़े और बीच-बचाव किये और अजय भलावे को आगे हमला करने से रोका। खून से लथपथ अनिरुद्ध भलावे को तुरंत वाहन से जिला चिकित्सालय बालाघाट ले जाकर भर्ती किये जहां डॉक्टरों ने उसकी हालत गंभीर बताई। समय पर इलाज मिलने से उसकी जान बच गई। फिलहाल उसका इलाज जारी है।घायल अनिरुद्ध भलावे ने होश में आने के बाद जिला अस्पताल पुलिस को पूरी आप बीती बताई। बाद में इस युवक को जिला अस्पताल से हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

जिला अस्पताल पुलिस ने लिए बयानः तिरोड़ी पुलिस ने की जांच कार्यवाही

जिला अस्पताल पुलिस द्वारा लिए गए बयान पर थाना तिरोड़ी में आरोपी अजय भलावे के खिलाफ अप.क्र. 105/2026 में भारतीय न्याय संहित की धारा 296(बी),109(1)351(3) के तहत अपराध दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू की।घटना की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी उपनिरीक्षक रुद्रशरण मिश्रा ने तत्काल टीम गठित की। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घटना स्थल का निरीक्षण किया और नक्शा मौका तैयार किया। फॉरेंसिक साक्ष्य के तौर पर घर से सादी मिट्टी और खून से सनी मिट्टी के नमूने जब्त किए गए।आरोपी अजय भलावे को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की गई। पूछताछ में मिले मेमोरेंडम के आधार पर पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल किया गया घरेलू चाकू और घटना के समय आरोपी अजय द्वारा पहने गए खून लगे कपड़े भी बरामद कर लिए। सभी जप्त सामान को सील कर फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा जा रहा है।

आरोपी गिरफ्तार, न्यायालय में किये पेशः भेजा गया जेल

पुख्ता सबूत जुटाने के बाद पुलिस ने आरोपी अजय भलावे पिता धनीराम भलावे 32 वर्ष ग्राम चोरपिण्डकेपार निवासी को विधिवत गिरफ्तार किया। नियमानुसार गिरफ्तारी की सूचना उसके परिजनों को दी गई। 21 अप्रैल को आरोपी अजय भलावे को कटंगी स्थित माननीय जेएमएफसी न्यायालय के समक्ष पेश किया यहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में वारासिवनी उप जेल भिजवा दिया गया है।

पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका

इस वारदात को 24 घंटे में खुलासा करने में थाना प्रभारी उपनिरीक्षक रुद्रशरण मिश्रा के नेतृत्व में सहायक उप निरीक्षक दादूराम पटले, प्रधान आरक्षक कौशल शर्मा, आरक्षक लक्ष्मीप्रसाद बघेल, आरक्षक ललित देशमुख, आरक्षक विकास तोमर और आरक्षक प्रमेश पाल की अहम भूमिका रही।

---

26 अप्रैल को राज्य सेवा व राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2026 का आयोजन

जिले में 09 केंद्रो पर शामिल होंगे 3866 परीक्षार्थी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग इंदौर द्वारा आगामी 26 अप्रैल को राज्य सेवा व राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2026 का आयोजन किया जा रहा है। यह परीक्षा बालाघाट जिले के 09 परीक्षा केंद्रो पर दो सत्रों में प्रातः 10 से दोपहर 12 बजे एवं दोपहर 2ः15 से 4ः15 तक आयोजित की जाएगी। इस परीक्षा में 3866 परीक्षार्थी शामिल होंगे।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिंडिकेट बैंक के पास भरवेली बालाघाट में 250, सरस्वती शिशु मंदिर वार्ड नं. 28 सरस्वती नगर बालाघाट में 300, वीरांगना रानी दुर्गावती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय थाना कोतवाली के सामने बालाघाट में 500, शासकीय कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय बालाघाट में 500, शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट में 600, शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज गायखुरी रोड बालाघाट में 400, शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बालाघाट में 504, अपूर्व कांवेंट हायर सेकेण्डरी स्कूल वार्ड नं. 04 फेंड्स कॉलोनी बैहर रोड बालाघाट में 400 एवं शासकीय एमएलबी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बालाघाट में 412 परीक्षार्थियों के लिए परीक्षा केंद्र बनाया गया है। इस प्रकार बालाघाट के 09 परीक्षा केंद्रो पर कुल 3866 परीक्षार्थी राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2026 में शामिल होंगे।

जिले के 09 परीक्षा केंद्रो पर 26 अप्रैल को राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2026 के सुव्यवस्थित संचालन के लिए 15 अप्रैल को अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट कार्यालय में परीक्षा केंद्र से संबंधित विद्यालयों के प्राचार्यों की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निहित उपाध्याय, एसडीएम गोपाल सोनी, जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी उपाध्याय एवं स्वास्थ्य व विद्युत विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में बताया गया कि यह परीक्षा निर्विघ्न, सुव्यवस्थित एवं सुचितापूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए आयोग द्वारा नवीन प्रक्रिया अपनायी जा रही है। जिसके अंतर्गत परीक्षा केंद्रो पर सीसीटीवी सर्विलेंस, बायोमेट्रिक फिंक्सिंग एवं वीओआईपी की व्यवस्था लागू की जा रही है। इस प्रक्रिया के अंतर्गत समस्त परीक्षा केंद्रो पर परीक्षार्थियों को परीक्षा के 90 मिनट पूर्व अनिवार्य रूप से प्रवेश दिया जाना है। बैठक में प्राचार्यों को निर्देशित किया गया कि वे आयोग के निर्देशानुसार 26 अप्रैल को परीक्षा का संचालन सुनिश्चित करें।

परीक्षा की निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए आयोग ने विशेष व्यवस्थाएं की हैं। इसी क्रम में बालाघाट जिले के लिए वरिष्ठ आईएएस अधिकारी श्री चतुरभुज सिंह (9425899944) को संभागीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। वे परीक्षा से दो दिन पूर्व जिले में पहुंचकर सभी परीक्षा केंद्रों की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करेंगे और परीक्षा दिवस पर केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण भी करेंगे। वहीं, जिला शिक्षा अधिकारी श्री ए.के. उपाध्याय (9424978600) को पर्यवेक्षक के लिए लाइजनिंग अधिकारी बनाया गया है। लाइजनिंग अधिकारी को निर्देशित किया गया हैं कि वे पर्यवेक्षक को हर आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराएं, जिसमें लिपिकीय सहायता, ई-मेल, कंप्यूटर सहित अन्य जरूरी सुविधाएं शामिल हैं।

ग्राम रोशना बारात में बारातियों में पर चली लाठी उभारी

महज डीजे की गाड़ी आगे बढ़ाने का विवाद, आधा दर्जन से अधिक लोगों ने किये हमला, चार बाराती घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्रामीण थाना क्षेत्र में आने वाले रोशना में शादी में शामिल होने के लिए आए बारातियों पर आधा दर्जन से अधिक लोगों ने हमला करते हुए उन्हें लाठी डंडे और उभारी से मारपीट कर घायल कर दिए। बीती रात यह वारदात महज डीजे की गाड़ी आगे बढ़ाने के विवाद को लेकर हुई। इस वारदात में चार बाराती घायल हो गए। जिनमे गणेश पिता नन्हू मोहारे 33 वर्ष, चरण पिता कोठु लाल मोहारे 31 वर्ष, सुरेश पिता नन्हू मोहारे 26 वर्ष तीनों ग्राम धपेरा मोहगांव थाना लालबर्रा और अक्षय पिता माखनलाल बसेने 30 वर्ष ग्राम समनापुर थाना ग्रामीण निवासी है। सभी को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 20 अप्रैल की रात्रि में ग्राम कुम्हारी (बालाघाट) से बारात ग्राम रोशना गई थी। बारात में ग्राम धपेरा समनापुर के लोग भी बाराती स्वरूप बारात में शामिल हुए थे ।रात्रि में डीजे की धुन में नाचते गाते हुए बारात आगे बढ़ रही थी। कुछ लोग डीजे की गाड़ी को आगे बढ़ाने बोल रहे थे। गणेश मोहारे ने भी डीजे की गाड़ी बढ़ाने के लिए बोला था इसी को लेकर कालू बघेले पंडा बघेले के साथ गणेश मोहारे का विवाद हुआ था और इस विवाद के चलते गणेश मोहारे को इन लोगों ने उभारी ईंट पत्थर हाथ बुक्के मारपीट कर दिए थे। सिर में चोट लगने से गणेश घायल हो गया था। जिसे उसके भाई परदेसी मोहारे ने मोटरसाइकिल से समनापुर ले जाकर उसका इलाज करवाये। डीजे की गाड़ी बढ़ाने को लेकर अक्षय बसेने चरण मोहारे और सुरेश मोहारे से भी कालू बघेले पंडा बघेले के साथ विवाद हुआ था। इस विवाद के बाद तीनों व्यक्ति मोटरसाइकिल में ग्राम रोशना से अपने घर जाने निकले थे। जब तीनों मोटरसाइकिल में छोटी कुम्हारी चौक पहुंचे तभी कालू बघेले पंडा बघेले सहित आधा दर्जन से अधिक लोगों ने हमला कर दिए और अक्षय बेसने चरण मोहारे और सुरेश मोहारे को लाठी डंडे उभारी से बेरहमी पूर्वक मारपीट कर घायल कर दिये और फरार हो गए इस वारदात के बाद तीनों घायल रोड किनारे पड़े हुए थे। इस दौरान गणेश मोहारे भी वहां पहुंच गया। उन्होंने कि तीनों लोंगो को घायल हालत में रो? पर पड़े हुए देखा। तुरंत ही डायल 112 को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची डायल 112 से तीनों घायल को जिला अस्पताल लाकर भर्ती किया वही गणेश मोहारे को उसके भाई परदेसी मोहारे ने मोटरसाइकिल से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये। हमलावर घायलों के निकटतम रिश्तेदार बताए गए हैं। जिन्होंने महज डीजे की गाड़ी आगे बढ़ाने के महज विवाद को लेकर इस बड़ी वारदात को अंजाम दे दिये। जिला अस्पताल पुलिस ने घायलों का बयान लेकर अस्पताल तहरीर घटनास्थल से संबंधित पुलिस थाना बालाघाट और ग्रामीण थाना भिजवा दी है।

किराये पर उपलब्ध
धनराज कॉम्पलेक्स
बालाघाट में प्रथम तल पर दुकानें किराये पर देना है।
महेन्द्र सुराना 94251 38670
ललित बाघरेचा 9424765679

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
बुधवार 22 अप्रैल 2026

बालाघाट सिटी न्यूज़

3
पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

कार चालक ने चार लोगों के विरुद्ध कार रोक कर जेब से 11800 रुपये निकालने और डंडे चाकू से मारपीट करने का लगाया आरोप

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लांजी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम घोटी मे बलेनो कार के चालक ने चार लोगों के विरुद्ध कार रोककर और उसे चाकू दिखा कर जेब से 11800 निकालने और डंडे और चाकू से मारने का आरोप लगाया। 20 अप्रैल की रात 12:30 बजे करीब हुई इस कथित वारदात में घायल युवक अतुल पिता श्यामलाल बिसेन 25 वर्ष ग्राम परसवा ?1 ग्रामीण थाना नवेगांव निवासी को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया था। प्राप्त जानकारी के अनुसार अतुल बिसेन ड्राइवरी करते है। 20 अप्रैल की शाम 6:30 बजे अतुल बारात की बुकिंग लेकर बालाघाट से लांजी शादी के कार्यक्रम में गया था। रात 12:30 बजे करीब वह बलेनो गाड़ी में पेट्रोल भरवाने के लिए ग्राम बोलेगांव पेट्रोल पंप जा रहा था। जब वह घोटी पहुंचा तभी चार लोगों ने उसकी गाड़ी रोके और चाकू दिखाकर बाहर निकले और उसकी जेब से 11800 रुपये निकाल कर उसे डंडे और चाकू से मारपीट कर घायल कर दिए। अतुल ने आरोप लगाया है कि इस वारदात को पुरानी रंजिश को लेकर प्रेमलाल खोबरागड़े उसके लड़के दादू,करन और उसके भाई सभी ग्राम घोटी निवासी के द्वारा घटित की गई । इस वारदात में घायल अतुल को उसके दोस्त आकाश ने बीच बचाव कर कार उसे जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया। जिला अस्पताल पुलिस ने अतुल बिसेन का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु घटनास्थल से संबंधित पुलिस थाना लांजी भिजवा दी है।

एक डिग्री, दो डॉक्टर 15 साल से अलग-अलग जिलों में नौकरी, स्वास्थ्य विभाग में बड़ा खुलासा

नाम, पिता का नाम और जन्मतिथि तक एक समान, बालाघाट और देवास में पदस्थ डॉक्टरों पर उठे सवाल

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग में एक बेहद हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जिसने विभाग की कार्यप्रणाली और निगरानी व्यवस्था पर कई बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार, एक ही एमबीबीएस डिग्री पर दो अलग-अलग व्यक्ति पिछले लगभग 15 वर्षों से डॉक्टर के रूप में नौकरी कर रहे हैं। इनमें से एक डॉक्टर देवास जिले में पदस्थ है, जबकि दूसरा बालाघाट जिले में अपनी सेवाएं दे रहा है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि दोनों डॉक्टरों का नाम, पिता का नाम, जन्मतिथि और डिग्री प्राप्त करने का वर्ष तक एक समान बताया जा रहा है। यानी कागजी रिकॉर्ड के अनुसार दोनों की पहचान पूरी तरह से एक जैसी है, जिससे यह मामला और भी संदिग्ध और गंभीर हो गया है। ऐसे में यह सवाल खड़ा हो रहा है कि आखिर दोनों में से वास्तविक डॉक्टर कौन है और कौन गलत तरीके से नौकरी कर रहा है।

मामला उजागर होने के बाद स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं। हैरानी की बात यह भी है कि यह गड़बड़ी कोई हालिया नहीं, बल्कि पिछले 15 वर्षों से लगातार चल रही है। इस दौरान दोनों ही डॉक्टर विभाग में कार्यरत रहे और उन्हें वेतन के रूप में करोड़ों रुपये का भुगतान भी किया जा चुका है। इस पूरे प्रकरण को लेकर जब जिले के प्रभारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी परेश उपलव से चर्चा की गई, तो उन्होंने बताया कि उन्हें भी इस मामले की जानकारी मीडिया रिपोर्ट के माध्यम से ही मिली है , कि एक ही नाम और डिग्री पर दो लोगों के नौकरी करने की बात सामने आई है, लेकिन इसमें कौन सही है और कौन गलत , यह जांच का विषय है। उन्होंने यह भी संकेत दिए कि विभाग इस मामले में जल्द ही संज्ञान ले सकता है। जिले के बिरसा क्षेत्र में सुनील कुमार नाम का एक डॉक्टर वर्ष 2008 से अपनी सेवाएं दे रहा है और वर्तमान में बीएमओ (ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर) के पद पर कार्यरत है। वहीं, दूसरी ओर देवास जिले में भी इसी नाम और समान विवरण वाला एक अन्य डॉक्टर पदस्थ बताया जा रहा है।

15 वर्षों से दे रहे सेवाएं, रिकॉर्ड में चौंकाने वाली समानता

एक मीडिया रिपोर्ट्स में सामने आया है कि प्रदेश के दो अलग-अलग जिलों में सुनील कुमार नाम के दो डॉक्टर एमबीबीएस की एक ही डिग्री के आधार पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। दोनों ने वर्ष 2006 में एमबीबीएस की डिग्री प्राप्त की बताई जा रही है और तब से लगातार विभाग में कार्यरत हैं। दोनों के पिता का नाम और जन्मतिथि भी समान होना इस पूरे मामले को और अधिक संदिग्ध बनाता है। प्रभारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी परेश उपलव ने बताया कि प्रारंभिक रूप से उन्हें इस विषय की जानकारी नहीं थी, लेकिन जैसे ही मामला सामने आया, उन्होंने तुरंत इसकी जानकारी अपने वरिष्ठ अधिकारियों और संबंधित विभाग को भेज दी है ।

वरिष्ठ अधिकारियों को भेजी गई जानकारी - परेश उपलव

प्रभारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी परेश उपलव ने दूरभाष पर चर्चा के दौरान स्पष्ट किया कि बिरसा में पदस्थ बीएमओ सुनील कुमार वर्ष 2008 से सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मीडिया के माध्यम से जानकारी मिलने के बाद उन्होंने संबंधित विवरणों को एकत्र कर अपने वरिष्ठ अधिकारियों को भेज दिया है। अब विभागीय स्तर पर जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि असली डॉक्टर कौन है ।

जमीन विवाद से त्रस्त महिला पेट्रोल-माचिस लेकर कलेक्ट्रेट पहुंची, आत्मदाह की चेतावनी से मचा हड़कंप

सीमांकन नहीं होने से नाराज, आत्मदाह की चेतावनी, प्रशासन को दिया एक दिन का समय

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वारासिवनी क्षेत्र के ग्राम सिकंदरा की एक महिला अपनी समस्या का समाधान नहीं होने से परेशान होकर कलेक्टर कार्यालय पेट्रोल और माचिस लेकर पहुंच गई। महिला ने मीडिया से चर्चा में बताया कि वह बीते कई महीनों से जमीन विवाद के कारण प्रशासन के चक्कर लगा रही है, लेकिन अब तक उसकी समस्या का समाधान नहीं हो पाया है, जिससे वह बेहद परेशान हो चुकी है। महिला ने बताया कि इसी कारण वह आत्महत्या जैसा कदम उठाने को मजबूर हो गई है। उसने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर एक बार फिर आवेदन दिया और चेतावनी दी कि यदि उसकी जमीन का सीमांकन एक दिन के भीतर नहीं किया गया, तो वह अगले दिन कलेक्टर कार्यालय परिसर में ही पेट्रोल डालकर आत्मदाह कर लेगी। इस घटना से कलेक्टर कार्यालय परिसर में हड़कंप मच गया। वहां मौजूद लोग महिला के हाथ में पेट्रोल और माचिस देखकर हैरान रह गए। मामले की सूचना मिलते ही कलेक्ट्रेट परिसर में तैनात सुरक्षा कर्मियों ने वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया, जिसके बाद कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। वारासिवनी क्षेत्र से लगे ग्राम सिकंदरा के वार्ड क्रमांक 13 में रहने वाली एक महिला ने प्रशासनिक उदासीनता से परेशान होकर कलेक्ट्रेट कार्यालय में आत्मदाह की चेतावनी दे दी, जिससे पूरे परिसर में सनसनी फैल गई। पीड़िता नौशाद कुरेशी ने मीडिया से चर्चा करते हुए बताया कि वह पिछले कई महीनों से अपने मकान से लगी लगभग 14 डिसमिल जमीन के सीमांकन के लिए लगातार प्रशासन से गुहार लगा रही हैं। उन्होंने आवेदन, निवेदन और ज्ञापन देने के साथ-साथ सीएम हेल्पलाइन में भी शिकायत दर्ज कराई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। महिला का आरोप है कि उनकी जमीन पर पड़ोसियों द्वारा अतिक्रमण कर लिया गया है। कई बार संबंधित विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे भी, लेकिन सीमांकन की प्रक्रिया पूरी नहीं की गई। इससे वह मानसिक रूप से काफी परेशान हो चुकी हैं। इसी आक्रोश और निराशा के चलते 21 अप्रैल को दोपहर करीब

12 बजे महिला हाथों में पेट्रोल की बोतल और माचिस लेकर कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंच गई। वहां उसने रोते-बिलखते अपनी व्यथा मीडिया के सामने रखी और कहा कि अब उसके पास कोई विकल्प नहीं बचा है, इसलिए वह आत्मदाह जैसा कदम उठाने को मजबूर हो रही है। हालांकि मौके पर उसने तत्काल कोई कदम नहीं उठाया और अधिकारियों को एक दिन का समय देते हुए ज्ञापन सौंपा। महिला ने स्पष्ट कहा कि यदि 22 अप्रैल तक उसकी जमीन का सीमांकन नहीं किया गया, तो वह कलेक्ट्रेट परिसर में ही खुद पर पेट्रोल डालकर आत्महत्या कर लेगी। इस घटना से कलेक्ट्रेट परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। वहां मौजूद लोग महिला को समझाने में जुट गए। सुरक्षा कर्मी और संबंधित विभाग के अधिकारी भी तुरंत मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभालने का प्रयास किया। घटना की जानकारी मिलते ही कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने महिला को समझाइश देते हुए जल्द सीमांकन कराने का आश्वासन दिया है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस मामले में कितनी तत्परता दिखाता है और महिला की समस्या का समाधान समय रहते होता है की नहीं।

नहर की शटरकड़ी चोरी होने से जल संकट गहराया, ग्रामीण ने कलेक्टर से की कार्रवाई की मांग

जल संरक्षण व्यवस्था ध्वस्त, मवेशियों और ग्रामीणों के सामने पेयजल संकट नैतरा का मामला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला मुख्यालय से लगे ग्राम पंचायत नैतरा में जल संरक्षण व्यवस्था ध्वस्त होने का मामला सामने आया है। गांव के एक ग्रामीण ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर कलेक्टर को आवेदन सौंपते हुए नहर में लगी लोहे की शटरकड़ियों की चोरी और उनसे उत्पन्न जल संकट की गंभीर समस्या से अवगत कराया है। ग्रामीण जयप्रकाश रनगिरे ने बताया कि ग्राम नैतरा के नाले में शासन की योजना के तहत जल संरक्षण के उद्देश्य से करीब 64 लोहे की शटरकड़ियां लगाई गई थीं। इन शटरकड़ियों के माध्यम से नहर के पानी को रोका जाता था, जिससे आसपास के कुओं और हैंडपंपों का जलस्तर बढ़ा रहता था और ग्रामीणों के साथ-साथ मवेशियों के लिए भी पर्याप्त पानी उपलब्ध हो पाता था। ग्रामीणों के अनुसार, पिछले कुछ महीनों से ये शटरकड़ियां गायब होती जा रही हैं और अब स्थिति यह है कि अधिकांश शटरकड़ियां चोरी हो चुकी हैं। इससे नहर का पानी बिना रुके बह रहा है और गांव में जलस्तर लगातार गिरता जा रहा है। परिणामस्वरूप पेयजल की समस्या गंभीर होती जा रही है। जयप्रकाश रनगिरे ने आरोप लगाया कि करीब 60 शटरकड़ियां, जिनकी अनुमानित कीमत चार लाख रुपये से अधिक बताई जा रही है, संदिग्ध परिस्थितियों में गायब हो गई हैं। उन्होंने आशंका जताई कि इन्हें गुपचुप तरीके से बेच दिया गया है, जो गंभीर जांच का विषय है। वर्तमान में केवल 4 शटरकड़ियां ही शेष बची हैं। ग्रामीण ने यह भी आरोप लगाया कि जब उन्होंने इस विषय में सरपंच संतोष लिल्हारे से सवाल किया, तो सरपंच ने न केवल जवाब देने से बचा, बल्कि कथित रूप से उनके साथ अभद्र व्यवहार भी किया। ग्रामीणों का कहना है कि शटरकड़ियों के नहीं होने से गांव में जल संरक्षण पूरी तरह समाप्त हो गया है, जिससे जलस्तर तेजी से नीचे चला गया है। इसका सीधा असर ग्रामीणों और मवेशियों पर पड़ रहा है, जिन्हें पीने के पानी के लिए भटकना पड़ रहा है। उन्होंने कलेक्टर से मांग की गई है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए और तत्काल नहर में नई शटरकड़ियां लगाकर जल संरक्षण व्यवस्था बहाल की जाए।

ओबीसी जनगणना सहित विभिन्न मांगों को लेकर 23 अप्रैल को राष्ट्रव्यापी भारत बंद का आह्वान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लोकतंत्र, सामाजिक न्याय और मूलनिवासी बहुजन समाज के अधिकारों की रक्षा को लेकर देशभर में 23 अप्रैल, गुरुवार को राष्ट्रव्यापी भारत बंद का आह्वान किया गया है। यह बंद भारत मुक्ति मोर्चा और राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा के नेतृत्व में आयोजित किया जा रहा है, जिसे बहुजन समाज के विभिन्न संगठनों का समर्थन प्राप्त है। इस संबंध में भारत मुक्ति मोर्चा के बालाघाट जिला प्रभारी रामदास ठवकर ने जानकारी देते हुए बताया कि इस आंदोलन के पीछे कई महत्वपूर्ण मुद्दे और मांगें जुड़ी हुई हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा कैबिनेट में ओबीसी की जाति आधारित जनगणना को लेकर निर्णय लिया गया था, लेकिन जनगणना के आधिकारिक नोटिफिकेशन में ओबीसी वर्ग की जातियों का कॉलम शामिल नहीं किया गया है, जो कि इस वर्ग के साथ अन्याय और धोखेबाजी है। उन्होंने मांग की कि आगामी जनगणना में ओबीसी वर्ग के लिए पृथक जाति कॉलम जोड़ा जाए, ताकि इस वर्ग की वास्तविक सामाजिक-आर्थिक स्थिति का सही आकलन किया जा सके और योजनाओं का लाभ उचित रूप से मिल सके। रामदास ठवकर ने यह भी आरोप लगाया कि यूजीसी इक्विटी रेगुलेशन को पहले कमजोर रूप में बनाया गया और बाद में सुप्रीम कोर्ट में प्रभावी पैरवी नहीं की गई, जिसके कारण उस पर रोक लग गई। उन्होंने इसे एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग के हितों के साथ अन्याय बताया। उन्होंने मांग की कि इन वर्गों के हितों को ध्यान में रखते हुए मजबूत और प्रभावी यूजीसी इक्विटी रेगुलेशन बनाया जाए और उसे सख्ती से लागू किया जाए। इसके अलावा उन्होंने यह भी मांग उठाई कि वर्ष 2011 से पहले नियुक्त सभी शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा से छूट दी जाए, क्योंकि उस समय नियुक्ति प्रक्रिया अलग नियमों के तहत हुई थी। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिलाध्यक्ष सदाशिव हरिनखेड़े सहित अन्य पदाधिकारियों ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे इस भारत बंद आंदोलन में सहयोग करें और सामाजिक न्याय से जुड़े इन मुद्दों को मजबूती प्रदान करें। आयोजकों का कहना है कि यह आंदोलन बहुजन समाज के अधिकारों की रक्षा और उनके साथ हो रहे कथित अन्याय के खिलाफ एकजुटता का प्रतीक है। अब देखना होगा कि इस राष्ट्रव्यापी बंद का जिले और प्रदेश में कितना प्रभाव पड़ता है।

हनुमान मंदिर से चांदी के आभूषण चोरी 53 हजार रुपये की वारदात

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के हट्टा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पिपरझरी में स्थित हनुमान मंदिर से भगवान हनुमान के चांदी के आभूषण चोरी होने का मामला सामने आया है। चोरी गए आभूषणों की कीमत करीब 53 हजार रुपये बताई जा रही है। घटना के बाद गांव में आक्रोश और चिंता का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 16 अप्रैल की शाम करीब 5:30 बजे सहसराम राऊत के बेटे की बारात निकली थी। बारात के दौरान सहसराम राऊत सहित अन्य लोग पूजा-अर्चना के लिए हनुमान मंदिर पहुंचे। मंदिर में पहुंचने पर उन्होंने देखा कि हनुमान जी की प्रतिमा पर लगा चांदी का मुकुट और कान के कुंडल गायब थे।घटना की जानकारी मिलते ही गांव में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने आसपास और अन्य गांवों में पूछताछ की लेकिन चोरी के संबंध में कोई सुराग नहीं मिल सका। अज्ञात चोर द्वारा मंदिर से चांदी के मुकुट और कुंडल चोरी कर ले जाने की आशंका जताई जा रही है इस संबंध में संजय बिसेन ने हट्टा थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अधूरी सड़क से परेशान ग्रामीण पहुंचे जनसुनवाई, निर्माण कार्य शीघ्र शुरू कराने की उठाई मांग

मुआवजे के विवाद में रुका प्रधानमंत्री सड़क योजना का काम, आवागमन बाधित, प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर क्षेत्र के कई गांवों के ग्रामीण अधूरे सड़क निर्माण कार्य को लेकर कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में पहुंचे और अपनी समस्या रखते हुए जल्द से जल्द सड़क निर्माण कार्य पुनः शुरू कराने की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि प्रधानमंत्री सड़क योजना के अंतर्गत शुरू हुआ डामरीकरण कार्य बीच में ही रुक गया है, जिससे क्षेत्र के लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, ग्राम कलकत्ता से बोधालझोला, डाबरी तक तथा कलकत्ता से गोदरी, बटकरी होते हुए बिठली तक सड़क निर्माण का कार्य कुछ महीने पहले प्रारंभ किया गया था। प्रारंभिक चरण में कुछ दूरी तक डामरीकरण का काम भी हुआ, लेकिन बाद में मुआवजे के विवाद के चलते निर्माण कार्य रोक दिया गया।

जनसुनवाई में पहुंचे ग्रामीण गेंदालाल ने बताया कि ग्राम कलकत्ता, न्यू बाम्बे, देउटोला और कण्डरा सहित आसपास के कई गांव इस मार्ग पर निर्भर हैं। उन्होंने कहा कि कुछ भूमि स्वामियों द्वारा यह कहकर निर्माण कार्य रुकवा दिया गया कि उनकी लगभग 5-5 डिसमिल जमीन सड़क में प्रभावित हो रही है और उन्हें मुआवजा नहीं मिला है। ग्रामीणों का कहना है कि जिस मार्ग पर विवाद हो रहा है, वह पहले से ही शासकीय सड़क के रूप में उपयोग में रहा है। वर्ष 2004 में लोक निर्माण विभाग द्वारा यहां सड़क बनाई गई थी, बाद में ग्राम पंचायत और वन विभाग द्वारा इसकी मरम्मत भी कराई जाती रही है। इतना ही नहीं, पटवारी अभिलेखों में भी यह मार्ग शासकीय सड़क के रूप में दर्ज है।

इसके बावजूद कुछ लोगों द्वारा लगभग 200 से 250 मीटर लंबे हिस्से में निर्माण कार्य रुकवाया जा रहा है, जिससे पूरा प्रोजेक्ट अधूरा रह गया है। ग्रामीणों का कहना है कि यह स्थिति न केवल अनुचित है, बल्कि इससे आमजन का दैनिक जीवन भी प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि सड़क अधूरी होने के कारण आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। बरसात के मौसम में स्थिति और भी खराब हो जाती है, जिससे बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को आने-जाने में दिक्कतें होती हैं। जनसुनवाई में ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और आवश्यकतानुसार भूमि का सीमांकन व मुआवजा प्रक्रिया पूर्ण कर शीघ्र सड़क निर्माण कार्य पुन: प्रारंभ कराया जाए। उनका कहना है कि यह सड़क क्षेत्र के विकास और सुगम आवागमन के लिए अत्यंत आवश्यक है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही निर्माण कार्य शुरू नहीं कराया गया, तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे।

अनाधिकृत भव्या पैथोलॉजी लैब बिरसा पर कार्यवाही, संचालक ढालसिंह चौधरी के खिलाफ अपराध दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट जिले के बिरसा में बिना अनुमति और नियमों के विरुद्ध संचालित हो रही एक पैथोलॉजी लैब पर प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। भव्या पैथोलॉजी लैब एवं कलेक्शन सेंटर के संचालक ढालसिंह चौधरी के खिलाफ बिरसा थाना में अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वार्ड क्रमांक 21 स्थित दुर्गा मंदिर परिसर, मेन रोड बिरसा में ढालसिंह चौधरी द्वारा उक्त पैथोलॉजी लैब संचालित की जा रही थी। जिला स्तरीय टीम के द्वारा 8 मार्च 2026 को दोपहर 3 बजे आकस्मिक निरीक्षण किया गया था।जिसमें पाया गया कि लैब का संचालन बिना वैध अनुमति और नियमों के विपरीत किया जा रहा था।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, बालाघाट द्वारा जांच के बाद यह स्पष्ट किया गया कि पैथोलॉजी लैब के संचालक ढालसिह चौधरी ने मध्य प्रदेश आयुविज्ञान परिषद अधिनियम, 1987 की धारा 13 का उल्लंघन किया है। जिसके चलते संबंधित के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे।बिरसा पुलिस ने इस मामले में भव्या पैथोलॉजी लैब एवं कलेक्शन सेंटर के संचालक ढालसिह चौधरी के विरुद्ध मध्य प्रदेश आर्युविज्ञान परिषद अधिनियम 1987 की धारा 24 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिये और पूरे प्रकरण की विस्तृत जांच की जा रही है। प्रशासन का कहना है कि स्वास्थ्य सेवाओं में इस प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

खरीदी के एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी नही पहुंचे समर्थन मूल्य में चना विक्रय करने किसान

समर्थन मूल्य कम होने से बाजार में बेच रहे किसान अपनी दलहन फसलों को, खरीदी केन्द्र में कर्मचारी किसानों का कर रहे इंतजार

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

शासन के निर्देशानुसार जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. शाखा लालबर्रा अंतर्गत सेवा सहकारी समिति मिरेगांव को चना खरीदी का केन्द्र बनाया गया है। जिनके द्वारा बकोड़ा कृषि उपज मंडी में चना खरीदी किया जाना है जहां गत 15 अप्रैल से चना खरीदी कार्य प्रारंभ कर दिया गया है और खरीदी प्रारंभ हुए एक सप्ताह बीत चुका है परन्तु किसान अपनी उपज विक्रय करने नही पहुंच रहे है। जिसका मुख्य कारण बताया जा रहा है कि शासन के द्वारा चना का समर्थन मूल्य 5875 रूपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। जबकि बाजार में व्यापारी उससे अधिक दामों में खरीदी कर रहे है इसलिए वे शासन को विक्रय न करते हुए बाजार में व्यापारी को विक्रय कर रहे है। इस तरह से किसान चना सहित अन्य दलहन फसलों को समर्थन मूल्य में विक्रय करने में रूची नही दिखा रहे है जिसके कारण लालबर्रा के जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर चना खरीदी के लिए बनाये गये बकोड़ा कृषि उपज मंडी खरीदी केन्द्र में खरीदी प्रारंभ हुए एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी अब तक एक भी किसान अपनी उपज चना विक्रय करने नही पहुंचा है। जबकि आगामी 31 मई तक ही समर्थन मूल्य में खरीदी की जायेगी और खरीदी केन्द्र के कर्मचारी किसानों का उपज लेकर विक्रय करने आयेगें जिसका इंतजार कर रहे है। वहीं चना खरीदी प्रारंभ हुए एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी अब तक एक भी किसान अपनी उपज समर्थन मूल्य में विक्रय करने नही पहुंचा है जिससे ऐसा प्रतीत हो रहा है कि किसानों को उनकी उपज का समर्थन मूल्य (वाजिब दाम) नही मिल पा रहा है। वहीं किसान शासन को चना, सरसों सहित अन्य दलहन फसलों का विक्रय नही करेगें तो बाजार में दालों की कीमतों में वृध्दि होगी जिससे गरीबों के थाली से दाल गायब सी हो सकती है। किसानों ने सरकार से मांग कि है कि चना का समर्थन मूल्य 6000 रूपये प्रति क्विंटल सहित सरसों व गेंहू का भी समर्थन मूल्य बढ़ाये ताकि किसान समर्थन मूल्य में सरकार को अपनी उपज विक्रय कर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सके।

वाजिम दाम नही मिलने से किसानों में सरकार के प्रति आक्रोश व्याप्त

आपको बता दें कि बालाघाट जिले में अधिकांश किसानों के द्वारा दोनों ही सीजन में धान की फसल लगाई जाती है। लेकिन बहुत से ऐसे किसान भी है जिनके पास सिंचाई की पर्याप्त साधन नहीं होने के कारण वे कम पानी में बेहतर उपज वाली फसलें रबी सीजन में लगाते है जैसे चना, सरसों, गेंहू सहित अन्य फसलें शामिल है। जिसका उत्पादन लेकर उन्हे कुछ लाभ मिल सके। वर्तमान में शासन के निर्देशानुसार समर्थन मूल्य पर रबी सीजन वर्ष 2026-27 के लिये चना गत 15 अप्रैल से प्रारंभ हो चुकी है। लेकिन अब एक भी किसान ने चना विक्रय करने खरीदी केन्द्र कृषि उपज मंडी बकोड़ा नही पहुंच पाया है। जिसका मुख्य कारण माना जा रहा है कि फसल का वाजिम दाम नही मिलना। वहीं किसानों ने बताया कि बढ़ती महंगाई के इस दौर में खेती करना बहुत महंगा हो गया है, कीटनाशक, उर्वरक सहित अन्य कृषि से संबंधित दवाईयों के दाम आसमान छू रहे है। ऐसी स्थिति में किसान के द्वारा जो लागत खेती में लगाई जाती है वह भी निकाल पाना मुश्किल है और मौसम खराब होता है तो किसानों को उसकी भी मार झेलनी पड़ती है। इस तरह से किसानों को हर तरफ से नुकसान का सामना करना पड़ता है। साथ ही यह भी बताया कि सरकार के द्वारा किसानों के हित में कोई फैसला भी नहीं लिया जाता है जिससे उनके आर्थिक स्थिति मजबूत हो सके, किसानों की आय दुगुनी हो सके। सरकार के द्वारा समर्थन मूल्य पर जो खरीदी की जाती है उसमें भी किसानों को उनकी लागत के अनुरूप दाम नहीं मिल पाता है और उपज को बेचने के बाद भी राशि के लिए कई दिनों तक बैंकों के चक्कर लगाने पड़ते है। इसलिए किसान अपनी उपज चना सहित अन्य फसलों को सरकार को समर्थन मूल्य में विक्रय नही कर रहे है क्योंकि बाजार में समर्थन मूल्य से अधिक दाम में खरीदी की जा रही है। इसलिए सरकार से मांग है कि इस बढ़ती महंगाई को देखते हुए किसानों के हित में फैसला लेकर कीटनाशक व उर्वरक के दाम कम करें और किसानों को उनकी लागत के अनुसार समर्थन मूल्य दिया जाये जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत हो सके।

समयावधि पर उपज विक्रय कर समर्थन मूल्य का लाभ ले - शेषकुमार

दूरभाष पर चर्चा में कृषि उपज मंडी बकोड़ा केन्द्र के खरीदी प्रभारी शेषकुमार बिसेन ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार गत 15 अप्रैल से समर्थन मूल्य में चना खरीदी कार्य प्रारंभ कर दी गई है परन्तु अब तक एक भी किसान ने अपनी उपज विक्रय करने नही पहुंचा है। जबकि हम रोज खरीदी केन्द्र खोलकर किसान का इंतजार कर रहे है और चना का समर्थन मूल्य 5875 रूपये प्रति क्विंटल है। श्री बिसेन ने बताया कि खरीदी के लिए पुरी तैयारी कर ली गई है और कुछ किसानों से बात भी हुई है जो बुधवार को उपज लेकर आयेंगे। क्षेत्र के किसानों से अपील है कि वे समयावधि पर फसल विक्रय कर समर्थन मूल्य का लाभ ले।

प्रदेश में दसवां स्थान प्राप्त की छात्रा अंशु और माही का कलेक्टर ने किया सम्मान

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा आयोजित वर्ष 2026 में हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूल की बोर्ड परीक्षा का परिणाम गत दिवस घोषित किया गया है। जिसमें बालाघाट के विद्यार्थियों ने प्रदेश एवं जिले की प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त किया है। जिला मुख्यालय में गत दिवस प्रतिमा सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर सांदीपनी (उत्कृष्ट) विद्यालय लालबर्रा की कक्षा 10 वीं की छात्रा अंशु राहंगडाले एवं माही राहंगडाले जिन्होंने प्रदेश की प्रावीण्य सूची में दसवां स्थान प्राप्त की है। जिनका गत दिवस कलेक्टर मृणाल मीना के द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया और उन्हे पढ़ाई संबंधित टिप्स देते हुए भावी परीक्षाओं में भी सफल होने के आत्मविश्वास के साथ तैयारी करने की सलाह दी गई। इस अवसर पर सांदीपनी (उत्कृष्ट) विद्यालय लालबर्रा के प्रभारी प्राचार्य सनत दुबे सहित अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे।

अघोषित बिजली कटौती से जनता परेशान - फिरोज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। आम आदमी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष फिरोज नियाजी ने विज्ञप्ति जारी कर अपने वक्तव्य में बताया कि क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से जारी भीषण गर्मी के बीच में अघोषित बिजली कटौती ने आम जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। वहीं हल्की सीआंधी-तूफान चलने के बाद घंटो बिजली गुल कर दी जाती है। जिससे लोग परेशान है साथ ही सबसे अधिक परेशानी वैवाहिक कार्यक्रम जिस परिवार में हो रहे है उन्हे परेशान होना पड़ रहा है। इस तरह से गर्मी के इस मौसम में बार-बार हो रही बिजली कटौती से समाज का हर वर्ग परेशान है। वर्तमान में कालेजों की परीक्षाएं चल रही है एवं 7 मई से कक्षा 10 वीं और 12 वीं की द्वितीय परीक्षा शुरू होने वाली है। ऐसे समय में बार-बार बिजली गुल होने से उनकी पढ़ाई पर बुरा असर पड़ रहा है। साथ ही शाम के समय जब लोग घरों में भोजन बनाते हैं, उसी वक्त बिजली काट दी जाती है, जिससे गृहणियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। श्री नियाजी ने बताया कि उपभोक्ताओं से समय पर बिजली बिल वसूला जाता है, लेकिन सुविधाएं नही मिल पाता है। बिना किसी पूर्व सूचना के घंटों बिजली काटी जा रही है, जो न्यायसंगत नहीं है। बिजली कटौती का एक निश्चित समय निर्धारित किया जाये, बिना सूचना के की जा रही अघोषित कटौती पर तत्काल रोक लगाने, भीषण गर्मी और छात्र-छात्राओं की परीक्षाओं को देखते हुए निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग विद्युत विभाग से की है।

अधिवक्ता संघ लालबर्रा ने म.प्र. अधि. संघ पूर्व अध्यक्ष रामेश्वर निखरा को सौंपा ज्ञापन

लालबर्रा में सिविल न्यायालय खोलने की मांग की

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। तहसील मुख्यालय लालबर्रा में सिविल न्यायालय की स्थापना को लेकर लालबर्रा के अधिवक्ताओं ने अपनी आवाज बुलंद कर दी है। सोमवार की देर शाम नगर के विश्राम गृह पहुंचे मध्यप्रदेश अधिवक्ता संघ के पूर्व अध्यक्ष रामेश्वर निखरा से स्थानीय अधिवक्ताओं और कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारियों ने मुलाकात की। इस दौरान अधिवक्ता संघ लालबर्रा के द्वारा श्री निखरा को ज्ञापन सौंपकर क्षेत्र की जनता और अधिवक्ताओं की समस्या से अवगत करवाकर लालबर्रा में सिविल न्यायालय खोलने की मांग की है।

दूरी और आर्थिक बोझ बनी मुख्य समस्या

ज्ञापन के माध्यम से अधिवक्ताओं ने बताया कि लालबर्रा तहसील की जनसंख्या लगभग 3 लाख है और इसके अंतर्गत 107 राजस्व ग्राम एवं 6 वनग्राम आते हैं। वर्तमान में लालबर्रा क्षेत्र के लगभग 1700 आपराधिक एवं व्यवहार प्रकरण वारासिवनी न्यायालय में विचाराधीन हैं। साथ ही यह भी बताया कि लालबर्रा तहसील के दूरस्थ ग्रामों जैसे कोंजई, भांडामुर्री, जाम से वारासिवनी की दूरी लगभग 40 किलोमीटर है। इतनी दूर आवागमन करने से पक्षकारों को न केवल शारीरिक और मानसिक परेशानी होती है। बल्कि उन पर भारी आर्थिक बोझ भी पड़ता है। इसलिए वारासिवनी में बढ़ते प्रकरणों के भार को कम करने और जनता को उनके घर के नजदीक सुलभ न्याय दिलाने के लिए लालबर्रा में पृथक सिविल न्यायालय (व्यवहार न्यायालय) खोला जाना अत्यंत आवश्यक है। पूर्व में भी प्रशासनिक स्तर पर इसकी जांच रिपोर्ट विधि एवं विधायी कार्य विभाग को भेजी जा चुकी है, जिस पर अब तक कोई कार्यवाही नही की गई है। आगे बताया कि सोमवार की शाम में मध्यप्रदेश अधिवक्ता संघ पूर्व अध्यक्ष रामेश्वर निखरा जी का लालबर्रा आगमन हुआ था। इस अवसर पर विश्राम गृह में उनका आत्मीय स्वागत कर अपनी समस्या से अवगत करवाकर लालबर्रा में सिविल न्यायालय खोलने की मांग की है। इस दौरान मध्यप्रदेश अधिवक्ता संघ पूर्व अध्यक्ष रामेश्वर निखरा ने अधिवक्ताओं की मांगों को गंभीरता से सुना और उचित स्तर पर पैरवी करने का आश्वासन दिया है। इस अवसर पर अधिवक्ता संघ लालबर्रा अध्यक्ष बाबूलाल सरटि, अधिवक्ता अनिल शर्मा, अजय कौशल, अमित अग्रवाल, विधान सरटि, नितेश श्रीवास, पांढरपानी सरपंच अनीस खान, अशफाक खान सहित अन्य अधिवक्तागण एवं कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बदहाली के आंसू रो रहा लालबर्रा बस स्टैंड का यात्री प्रतिक्षालय

सुविधाओं के नाम पर पसरी गंदगी और अव्यवस्था, व्यवस्था में सुधार करने की उठी मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के हृदय स्थल बस स्टैण्ड में बना यात्री प्रतिक्षालय में अव्यवस्था का आलम बना हुआ है। साथ ही यात्री प्रतिक्षालय में चहुंओर अव्यवस्था ही दिखाई पड़ रही है। शासन-प्रशासन के द्वारा यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुएलाखों रूपये की लागत से यात्री प्रतीक्षालय का निर्माण किया गया है, जहां पर यात्रियों के शुध्द पेयजल के ठंडे पानी की मशीन लगाई गई, बैठने के लिये कुर्सियों की व्यवस्था की गई और गर्मी से बचाव के पंखे लगाये गये है परंतु यह सारी सुविधाएं व्यर्थ साबित हो रही है। क्योंकि शुध्द पेयजल के लिये लगाई गई ठंड़े पानी की मशीन के चारों ओर गंदगी का अंबार लगा हुआ है जिससे यात्री उस ठंडे पानी की मशीन का पानी पीने से कतरा रहे है। साथ ही यात्रियों के बैठने के लिये जो कुर्सियां लगाई गई थी वह भी टूट फूट गई है जिससे यात्रीगण बस स्टैण्ड की दुकानों के सामने बैठने के लिये मजबूर है। वहीं गर्मी से राहत के लिये मात्र 1 पंखे लगाये गये है वो भी ढंग से नहीं चलते है। जबकि तीन पंखे लगा होना चाहिए एवं वर्तमान में पड़ रही भीषण गर्मी को देखते हुए कुलर लगाने की भी मांग उठ रही है। साथ ही इस समस्या के संबंध में अनेक बार शासन-प्रशासन व जिम्मेदार अधिकारी-कर्मचारियों को अवगत करवाया गया है परंतु उनके द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है जिससे यात्रियों एवं स्थानीयजनों में शासन प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। यात्रीगण एवं स्थानीय दुकानदारों ने जनपद प्रशासन से यात्री प्रतिक्षालय के अंदर एवं ठंडे पानी के मशीन के पास की गंदगी की सफाई एवं बैठने के लिए नई कुर्सी एवं पंखे लगाने और प्याऊ खोलने की मांग की है।

यात्रिओं के बैठने के लिए नही है पर्याप्त इंतजाम, जिम्मेदार मौन

आपको बता दें कि एक ओर जहां सरकार स्वच्छ भारत-स्वस्थ भारत अभियान के तहत करोड़ों रूपये खर्च कर स्वच्छता की मिसाल पेश करने का दावा कर रही है। वहीं दूसरी ओर नगर मुख्यालय का हृदय स्थल कहा जाने वाला बस स्टैंड का यात्री प्रतीक्षालय इन दावों की पोल खोल रहा है। वर्तमान में यह प्रतिक्षालय अपनी दुर्दशा पर आंसु बहाने को मजबूर है, जिससे शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। यात्रियों की प्यास बुझाने के लिए लाखों की लागत से लगाई गई आरओ मशीन के आसपास इस कदर गंदगी और कीचड़ पसरा है कि यात्री वहां जाने से भी कतरा रहे हैं। मशीन के पास फैली गंदगी के कारण लोग शुध्द पानी का उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। भीषण गर्मी के इस दौर में पानी जैसी मूलभूत सुविधा का इस तरह बदहाल होना प्रशासन की घोर लापरवाही को दर्शाता है। प्रतिक्षालय में यात्रियों के बैठने के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं हैं। जो गिनी-चुनी कुर्सियां उपलब्ध हैं, वे भी टूटी-फूटी और जर्जर अवस्था में हैं, जिन पर बैठना किसी खतरे से खाली नहीं है। वहीं, इतनी बड़ी जगह में हवा के लिए मात्र 1 पंखे लगाये गये हैं, जो ऊंट के मुंह में जीरा साबित हो रहे हैं। कम पंखे और उनकी धीमी गति के कारण यात्री प्रतिक्षालय के भीतर बैठने के बजाय दूसरों की दुकानों के सामने खड़े होने को मजबूर हैं। यात्रियों का कहना है कि उन्होंने कई बार स्थानीय जनप्रतिनिधियों और प्रशासन को इन समस्याओं से अवगत कराया है, लेकिन स्थिति जस की तस बनी हुई है। लाखों की लागत से बने इस प्रतिक्षालय का रखरखाव न होना शासकीय राशि का दुरूपयोग है। यात्रीगण एवं स्थानीय जनमानस में इस उदासीनता को लेकर भारी आक्रोश देखा जा रहा है। बस स्टैंड पर यात्रियों की सुविधा के लिए निर्माण तो करा दिया जाता है, लेकिन पर्याप्त सुविधा नही है। लालबर्रा में यात्री प्रतीक्षालय की यह स्थिति प्रशासन की नाकामी का प्रत्यक्ष प्रमाण है। क्षेत्र के नागरिकों और यात्रियों ने पुरजोर मांग की है कि यात्री प्रतिक्षालय की व्यवस्थाओं में तत्काल सुधार किया जाये, ताकि आम जनता को इस नारकीय स्थिति से निजात मिल सके।

इनका कहना है-

आपके माध्यम से यात्री प्रतिक्षालय में अव्यवस्था एवं गंदगी होने की जानकारी सामने आई है, मैं संबंधित अधिकारियों के साथ जल्द ही मौका निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेकर जो कमियां है उसे दुर करने का प्रयास करूंगी।

श्रीमती देवीलता ग्वालवंशी
अध्यक्ष
जनपद पंचायत लालबर्रा।

खैरलाँजी के मुरझड़ गर्राबोडी मार्ग पर बाघ का डेरा, आधे घंटे तक थमा रहा रास्तों का शोर

बैल के शिकार के बाद उसी इलाके में जमा है डेरा,ग्रामीणों में आक्रोश और डर का माहौल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी/खैरलांजी।

खैरलांजी जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत मुरझड़ से गर्राबोडी मार्ग पर इन दिनों दहशत का आलम है। मंगलवार की सुबह करीब ९ बजे राहगीरों का सामना साक्षात मौत से उस वक्त हुआ जब एक विशालकाय बाघ जंगल के बीचों बीच मुख्य सड़क पर आ धमका। बाघ की इस चहलकदमी से मार्ग के दोनों ओर वाहनों के पहिए थम गए और लोगों में अफरा तफरी मच गई।

आधे घंटे तक सड़क पर राहगीरों की थमी सांसें

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बाघ जंगल से निकलकर अचानक सड़क के मध्य आ गया। बाघ को देखते ही दुपहिया वाहन चालक अपनी गाड़ियां छोड़कर पीछे की ओर भागे। वहीं चार पहिया वाहनों में सवार लोग अंदर ही दुबक गए। बाघ करीब आधा घंटे तक सड़क और उसके किनारे बेखौफ होकर टहलता रहा। इस दौरान कुछ साहसी राहगीरों ने अपने वाहनों के अंदर से इस दुर्लभ लेकिन डरावने दृश्य का वीडियो भी बनाया जो अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

बैल के शिकार के बाद उसी इलाके में सक्रिय है बाघ

क्षेत्रीय ग्रामीणों में इस बात को लेकर गहरी चिंता है कि बाघ इसी इलाके को अपना ठिकाना बना चुका है। जानकारी के मुताबिक कुछ दिन पूर्व ही बाघ ने क्षेत्र में एक बैल का शिकार किया था। वन्यजीव विशेषज्ञों और ग्रामीणों का मानना है कि शिकार करने के बाद बाघ अक्सर अपने भोजन की उपलब्धता के कारण उसी परिधि में घूमता रहता है। मंगलवार सुबह ढोडी के पास बाघ का दिखना इस बात की पुष्टि करता है कि वह अभी भी मुरझड़ और आसपास के जंगलों में सक्रिय है।

दहशत में ग्रामीण आवागमन हुआ प्रभावित

बाघ की लगातार बढ़ती सक्रियता ने राहगीरों और आसपास के किसानों की नींद उड़ा दी है। मुरझड, गर्राबोडी क्षेत्र के ग्रामीण अब खेतों में जाने से भी कतरा रहे हैं। यह मार्ग घने जंगल से गुजरता है जहाँ से हर दिन सैकड़ों लोग आवागमन करते हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग से गश्त बढ़ाने और क्षेत्र में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है ताकि किसी अप्रिय जनहानि को रोका जा सके। फिलहाल क्षेत्र में बाघ की मौजूदगी को देखते हुए लोगों को सलाह दी जा रही है कि वे इस मार्ग पर अकेले सफर ना करें और विशेषकर सुबह एवं शाम के वक्त समूह में ही निकलें। बाघ की हलचल ने पूरे खैरलांजी क्षेत्र में कौतूहल और डर का माहौल पैदा कर दिया है।

इनका कहना हैं

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि डर का कोई विषय नहीं है यह जंगल का क्षेत्र है जहां पर बाघ भ्रमण कर रहा है। हमारे द्वारा लगातार निगरानी कर हर मूवमेंट पर हम ध्यान दे रहे हैं। अभी तक सड़क पर आया नहीं था परंतु आज वह सड़क क्रॉस कर रहा था तभी अचानक कुछ लोगों ने देख लिया। तो वह वीडियो बनाकर वायरल कर रहे हैं जबकि यह जंगल क्षेत्र है हम सक्रिय रूप से निगरानी बनाए रखे हैं।

दीपचंद वासनिक
वन परिक्षेत्र अधिकारी खैरलांजी

लालबर्रा रोड़ रेलवे क्रॉसिंग के पास पाइपलाइन क्षतिग्रस्त

वार्ड नंबर ५ और ६ में पानी की किल्लत सुधार कार्य जारी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के लालबर्रा रोड़ स्थित रेलवे क्रॉसिंग के पास नल जल योजना की मुख्य पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने से पिछले दो दिनों से वार्ड नंबर ५ के कुछ हिस्से और ६ के कई हिस्सों में जल संकट गहरा गया है। स्थिति यह है कि भीषण गर्मी के इस दौर में लोग बूंद बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं। हालांकि नगर पालिका की टीम सुधार कार्य में जुटी है लेकिन तकनीकी दिक्कतों के कारण मंगलवार को भी कार्य पूर्ण नहीं हो पाया। वर्तमान में टैंकर के माध्यम से घरों तक पानी पहुंचाया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर पालिका सामान्य दिनों में पूरे नगर में सुबह और शाम दोनों समय पर्याप्त और स्वच्छ पानी की आपूर्ति करती है। लेकिन हाल ही में विद्युत विभाग के द्वारा रेलवे क्रॉसिंग के नीचे से ड्रिलिंग कर विद्युत लाइन बिछाने का कार्य किया जा रहा । इसी दौरान ड्रिलिंग मशीन से ट्रांसफार्मर के पास पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई। नगर पालिका ने तत्परता दिखाते हुए सुधार कार्य पूरा कर रही थी लेकिन टीम ने कार्य जारी रखते हुए रेलवे ट्रैक के पास दूसरे स्थान से फिर पाइपलाइन को क्षतिग्रस्त कर दिया। एक ही क्षेत्र में दो जगह पाइपलाइन फूटने से सुधार कार्य में काफी समय लग रहा है। नगर पालिका प्रशासन द्वारा प्रभावित वार्डों में टैंकरों के माध्यम से पानी भेजा जा रहा है। किंतु टैंकरों से केवल पीने के पानी की पूर्ति हो पा रही है। वार्ड वासियों का कहना है कि वे केवल बर्तनों में पानी भर पा रहे हैं जिससे खाना बनाने और पीने की जरूरत तो पूरी हो रही है। लेकिन नहाने कपड़े धोने और अन्य निस्तार कार्यों के लिए पानी बिल्कुल भी उपलब्ध नहीं है। घरों की टंकियां खाली पड़ी हैं जिससे लोगों की दिनचर्या बुरी तरह प्रभावित हुई है। नगर पालिका का अमला मंगलवार की सुबह से ही दोनों स्थानों पर मरम्मत कार्य में लगा रहा लेकिन शाम तक सफलता नहीं मिल सकी। अब बुधवार को भी युद्ध स्तर पर सुधार कार्य जारी रहने की उम्मीद है। दो दिनों से नल नहीं आने और टैंकरों से पर्याप्त आपूर्ति ना होने के कारण वार्ड वासियों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। वार्डवासी महेश बिसेन ने बताया की २ दिन हो गया नगर पालिका के नल से पानी नहीं मिल पाया है। बहुत ज्यादा दिक्कत की स्थिति वार्डों में बनी हुई है नल नहीं आने का कारण रेलवे क्रॉसिंग के पास पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होना बताया जा रहा हैं। जहां सुधार कार्य २ दिन से चल रहा है अभी नगर पालिका के द्वारा टैंकर के माध्यम से हमें पानी दिया जा रहा है परंतु वह पर्याप्त नहीं है। इस संबंध में वार्ड पार्षद भी आए थे उन्होंने पूरा विषय बताया और अधिकारियों से भी चर्चा हमने किया है। हम यही चाहते हैं कि जल्द यह सुधार कार्य हो ताकि पूर्व की तरह सभी को पर्याप्त पानी प्राप्त हो सके। हालांकि अभी गर्मी का मौसम है जिससे दिक्कतें ज्यादा है। जल शाखा प्रभारी सुरेन्द्र लड़कर ने बताया की पाइपलाइन को दो स्थानों से क्षतिग्रस्त हो गई है। पाइपलाइन को दुरुस्त करने का प्रयास लगातार जारी है। जैसे ही सुधार कार्य पूर्ण होगा जलापूर्ति बहाल कर दी जाएगी। तब तक वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर टैंकरों के फेरे बढ़ाने की कोशिश की जा रही है। पाइपलाइन में पानी भरा होने से सुधार कार्य में दिक्कत हो रही है परंतु जल्द ही सुधार कार्य पूर्ण हो जायेगा।

वारासिवनी पुलिस की बड़ी कार्यवाही सरसों चोरी मामले में ७ आरोपी गिरफ्तार, न्यायालय ने भेजा पुलिस रिमांड पर

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। क्षेत्र में बढ़ती चोरी की वारदातों पर अंकुश लगाने की दिशा में वारासिवनी पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। ग्राम कोस्ते में एक किसान के खेत पर बने मकान का ताला तोड़कर सरसों चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। न्यायालय के आदेश पर सभी आरोपियों को गहन पूछताछ के लिए पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

यह हैं पूरा मामला

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम कोस्ते निवासी किसान शिव प्रसाद

पिता भाउलाल चौहान ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि १९ अप्रैल २०२६ की दरमियानी रात अज्ञात चोरों ने उनके खेत स्थित चार कमरों वाले मकान का ताला तोड़कर वहां रखी सरसों की बोरियां पार कर दीं। किसान के मुताबिक रात करीब २ बजे गांव के नल चालक रोहित भोरगढ़े ने उन्हें सूचना दी कि उनके खेत वाले घर का पिछला दरवाजा टूटा हुआ है। मौके पर जाकर देखने पर पता चला कि कमरे में रखे २८ कट्टों में से २२ कट्टे सरसों वजन करीब ९ क्विंटल अनुमानित कीमत ४५,००० रुपये गायब थे। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की थी।

पुलिस की गिरफ्त में आए ये आरोपी

पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिरों की सूचना पर घेराबंदी कर सात संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। जिसमें शहजाद उर्फ सज्जू पिता अब्बास कुरैशी ३२ वर्ष निवासी वार्ड नं. १३ वारासिवनी,अभय पिता राजेंद्र सहारे २२ वर्ष निवासी वार्ड नं. ४ वारासिवनी, बादल पिता फागुलाल मेश्राम २२ वर्ष निवासी वार्ड नं.४ ग्राम वारा, राहुल पिता विजय बुरे २३ वर्ष निवासी वार्ड नं.४ वारा, जागेश्वर पिता डुलीचंद बघेल ४७ वर्ष निवासी बाघडोंगरी जिला सिवनी, समीर पिता समीम खान २४ वर्ष निवासी वार्ड नं. ८ चंदोरी, सोनू पिता छन्नुलाल नांदने २४ वर्ष निवासी वार्ड नं.१ वारासिवनी निवासी शामिल हैं।

गहन पूछताछ और अन्य खुलासे की उम्मीद

पुलिस ने सभी आरोपियों को वारासिवनी न्यायालय के समक्ष पेश किया। पुलिस प्रशासन ने वारदात की गंभीरता और चोरी किए गए माल की बरामदगी के लिए आरोपियों की रिमांड मांगी थी जिसे न्यायालय ने स्वीकार कर लिया है। पुलिस का मानना है कि इन आरोपियों से पूछताछ के दौरान क्षेत्र में हुई अन्य चोरी की वारदातों का भी खुलासा हो सकता है। फिलहाल पुलिस टीम मामले की कड़ी से कड़ी जोड़ने में जुटी है।

प्रियंका गांधी पर अभद्र टिप्पणी का मामला, राहुल प्रियंका गांधी विचार मंच ने थाने में की शिकायत

भाजपा पदाधिकारी पर फेसबुक के जरिए अमर्यादित पोस्ट करने का आरोप, उचित कार्रवाई की मांग

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी के खिलाफ सोशल मीडिया पर की गई कथित अभद्र टिप्पणी को लेकर राजनीतिक माहौल गरमा गया है। राहुल प्रियंका गांधी विचार मंच ने इस मामले में कड़ा रुख अपनाते हुए स्थानीय पुलिस प्रशासन को एक औपचारिक शिकायत पत्र सौंपकर आरोपी के खिलाफ उचित कार्रवाई की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस थाना प्रभारी को सौंपे गए पत्र में उल्लेख किया गया है कि मंडला निवासी सौरभ गुप्ता नगर महामंत्री भाजपा के द्वारा फेसबुक पर प्रियंका गांधी के विरुद्ध अशोभनीय एवं अमर्यादित टिप्पणी की गई है। मंच का कहना है कि इस प्रकार की टिप्पणियों से कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों की भावनाओं को ठेस पहुंची है। ज्ञापन सौंपते हुए मंच के पदाधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि आरोपी के खिलाफजल्द ही उचित कानूनी कदम नहीं उठाए गए तो कार्यकर्ताओं के बीच आक्रोश की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। कानून व्यवस्था और शांति बनाए रखने हेतु संबंधित व्यक्ति पर त्वरित कार्रवाई की जाए। इस अवसर पर राहुल प्रियंका गांधी विचार मंच जिला अध्यक्ष जावेद अली ,जिला अध्यक्ष सेवादल रेशमा कुमरे ,कांग्रेस अध्यक्ष अनिल पिपरेवार ,सत्यप्रकाश बिसेन ,पप्पू गोन्नाडे ,अरशद कुरैशी ,भुवन लोहार, अशोक मरार, किशोर तामेश्वर, विक्रांत मेश्राम ,अशोक लिल्हारे ,राजेश कोल्हे ,सोनू कनौजिया ,दिनेश ,शादाब खान ,नंदनवार और राजेश सहित दर्जनों पदाधिकारी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संस्कार की बात करने वाली भाजपा पार्टी उनके कार्यकर्ता अभद्र भाषा से बात करते है- अनिल पिपरेवार

अनिल पिपरेवार ने बताया कि पूरे देश में सुचिता संस्कार की बात करने वाली पार्टी और उनके जो नेता कार्यकर्ता अभद्र भाषा से बात करते हैं। हमारे नेताओं के खिलाफ देश में गंदा वातावरण निर्माण करने का काम कर रहे हैं उसका हम विरोध करते हैं। अभी हमारे सांसद नेता प्रियंका गांधी को लेकर महिला बिल के संदर्भ में टिप्पणी की गई है। जिसके लिए हम राहुल गांधी विचार एवं जिला खेल प्रकोष्ठ के तत्वाधान में एकत्रित हुए हैं।

भारत माता की बात करने लोग नारी का अपमान करने में कोई संकोच नहीं करते-अशोक लिल्हारे

पूर्व सरपंच अशोक लिल्हारे ने बताया कि भाजपा के लोग भारत माता की जय कर गौ माता की पूजा करते हैं और इस देश में यह लोग नारी का अपमान करने में कोई संकोच नहीं करते हैं। संगठन के उच्च पद पर यह लोग हैं इन्होंने हमारे उच्च पद की नेता प्रियंका गांधी को अशोभनीय टिप्पणी की है। यह चंद लोग ऐसा करेंगे तो हम शांत नहीं रहेंगे हम सभी कांग्रेसी एक है।

भाजपा की कथनी और करनी में फर्क है महिला विरोधी पार्टी है- जावेद अली

जिला अध्यक्ष जावेद अली ने बताया कि जिला मंडला निवासी सौरव गुप्ता नाम के व्यक्ति है जो मंडल अध्यक्ष रहे हैं वर्तमान में महामंत्री है। उन्होंने कांग्रेस महासचिव वर्तमान सांसद प्रियंका गांधी पर अमर्यादित टिप्पणी की है जिससे सभी कार्यकर्ता आक्रोशित है। हमने पुलिस प्रशासन को ज्ञापन दिया है कि जल्द गिरफ्तारी कर इन पर उचित कार्यवाही की जाए और यह कार्यवाही जल्द हो। भाजपा महिला आरक्षण और महिला सम्मान की बात करती है इस प्रकार उनके नेता अपमान करते हैं इनकी कथनी और करनी में फर्क है महिला विरोधी पार्टी है इनके यह जो विचार है वह इनकी मानसिकता दर्शाते हैं।

नेवरगॉव पेट्रोल पंप के पास बस हादसा बड़ी दुर्घटना टला

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। लालबर्रा से वारासिवनी की ओर आ रही एक अज्ञात बस नेवरगॉव पेट्रोल पंप के पास हादसे का शिकार हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार अचानक सामने आए एक बाइक सवार को बचाने के प्रयास में बस चालक ने नियंत्रण खो दिया। जिससे बस ने एक चार पहिया वाहन को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि कार का पिछला

हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इसके बाद अनियंत्रित बस पास के पोल से जा टकराई। हालांकि चालक की सूझबूझ और तत्परता के चलते बड़ा हादसा टल गया। बस में सवार सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। घटना के बाद कुछ समय के लिए क्षेत्र में अफरा तफरी का माहौल रहा।

इन्दौर राज्य स्तरीय कराटे प्रतियोगिता के लिए बालाघाट के खिलाडियों का चयन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खेल और युवा कल्याण विभाग के जिला कराटे प्रशिक्षण केंद्र में जिला स्तरीय कराटे प्रतियोगिता का एक दिवसीय आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह प्रतियोगिता जिला इंडियन कराटे संघ के मार्गदर्शन में आयोजित की गई, जिसमें जिले सहित विभिन्न विकासखंडों के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में राजेश पाठक उपस्थित रहे, जबकि समापन समारोह में मध्य प्रदेश पिछड़ा आयोग की सदस्य श्रीमती मौसम बिसेन ने उपस्थिति दर्ज कराई। प्रतियोगिता का आयोजन जिला कराटे संघ के अध्यक्ष श्री तपेश असाटी के निर्देशन में किया गया। जिला कराटे प्रशिक्षक सजिन्द्र कृष्णन ने बताया कि प्रतियोगिता में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के कराटे सेंटर के लगभग 25 खिलाडियों सहित कटंगी, मलाजखंड, किरनापुर और बेहर जैसे विकासखंडों से करीब 150 खिलाड़ियों ने भाग लिया। निर्णायक की भूमिका में जिला कराटे प्रशिक्षक सजिन्द्र कृष्णन के साथ दिनेश कोरै, रूपेन्द्र बनकर, सुश्री रूपल गौतम, खुशी मुनेश्वर, परेश कुथै, तनु वामनकर और जय श्री सोनवाने ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। मुलना

स्टेडियम कराटे सेंटर के खिलाडियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सब-जूनियर और केडेट वर्ग में सर्वाधिक स्वर्ण एवं रजत पदक हासिल किए। प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में शिवाय वासनिक, सौरत भगत, मानस अविनाशी, सत्यम बर्वे, आराध्य तिवारी, वंश लिल्हारे, अविका बघेल, त्विषा सोमनकर, आराध्या भागडकर, श्रुतकीर्ति छारी, सईद आहिल अली, केनिशा खजरे, कृति पटले, सांझ मोतीचूर, प्रियांश तिलासे, आदविक बोपचे, आदित्य राणा, करन चौधरी, मेघ बिसेन, विहान ऐलकर, समीर मोतीचूर, आरव साठे, आदर्श गुप्ता, तेजस्वी शर्मा और इसराख शेख शामिल हैं। इन सभी खिलाडियों का चयन राज्य स्तरीय कराटे प्रतियोगिता के लिए किया गया है। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर जिला खेल अधिकारी राहुल बरेसा, जिला एथलेटिक संघ अध्यक्ष नरेश धुवारे, आकाशवाणी बालाघाट से धीरज, खेल प्रवक्ता अजय ठाकुर, वरिष्ठ पीटीआई कमल तिलासे, आलियाकन्हार क्लब के शैलेंद्र यादव सहित खेल विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने शुभकामनाएं दीं।

स्पेस में बढ़ता मलबा और सैटेलाइट की सुरक्षा बनी चुनौती

पिछले दो दशकों में अंतरिक्ष गतिविधियों में जिस तेजी से वृद्धि हुई है, उसने मानवता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है, लेकिन इसके साथ एक गंभीर खतरा भी पैदा हो गया है। यह खतरा है अंतरिक्ष में तेजी से बढ़ते मलबे का, जिसे अब वैज्ञानिक 'स्पेस डेब्रिस' के नाम से पहचानते हैं। 2005 से 2025 के बीच भारत सहित दुनिया के कई देशों ने सैकड़ों उपग्रह अंतरिक्ष में स्थापित किए, जिससे पृथ्वी की कक्षा पहले की तुलना में कहीं अधिक भीड़भाड़ वाली हो गई है। इस स्थिति ने सैटेलाइट की सुरक्षा को एक बड़ी चुनौती बना दिया है। भारत की अंतरिक्ष एजेंसी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने इस खतरे को गंभीरता से लेते हुए कई बार अपने उपग्रहों और मिशनों को संभावित टकराव से बचाने के लिए कक्षा में बदलाव किया है। हाल के वर्षों में उपग्रहों और चंद्र मिशनों को कुल 18 बार खतरे से बचाने के लिए रास्ता बदलना पड़ा, जिनमें से अधिकांश मामले अंतरिक्ष मलबे से जुड़े थे। यह केवल तकनीकी चुनौती नहीं है, बल्कि यह भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों की सुरक्षा और सफलता से भी जुड़ा हुआ विषय बन चुका है। अंतरिक्ष में मलबे की समस्या अब एक वैश्विक चिंता बन चुकी है। विभिन्न शोधों के अनुसार, पृथ्वी की कक्षा में 10 सेंटीमीटर से बड़े लगभग 40,000 मलबे के टुकड़े मौजूद हैं, जबकि 1 सेंटीमीटर से बड़े टुकड़ों की संख्या 12 लाख के करीब पहुंच चुकी है। यह मलबा पुराने उपग्रहों के अवशेष, रॉकेट के टूटे हिस्से और टकराव से उत्पन्न कणों का मिश्रण है। इनकी रफ्तार लगभग 28,000 किलोमीटर प्रति घंटा होती है, जो किसी भी सक्रिय उपग्रह के लिए बेहद खतरनाक है। इतनी तेज गति से चलने वाला एक छोटा सा टुकड़ा भी किसी सैटेलाइट को पूरी तरह नष्ट कर सकता है। भारत के चंद्र मिशन भी इस खतरे से अछूते नहीं हैं। चंद्रयान-2 के ऑर्बिटर को 2025 में कई बार अपनी कक्षा बदलनी पड़ी। अकेले इस मिशन के लिए 16 बार ऑर्बिट मैन्यूवर किए गए, ताकि संभावित टकराव से बचा जा सके। यह दर्शाता है कि अब अंतरिक्ष में काम करना पहले की तुलना में कहीं अधिक जटिल और जोखिम भरा हो गया है। हर मिशन को न केवल अपने वैज्ञानिक उद्देश्यों पर ध्यान देना होता है, बल्कि उसे सुरक्षित बनाए रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण हो गया है। अंतरिक्ष में बढ़ती भीड़ का एक और असर लॉन्चिंग प्रक्रियाओं पर भी पड़ा है। कई बार रॉकेट लॉन्च को अंतिम क्षणों में टालना पड़ता है ताकि वह मलबे के रास्ते से बच सके। एक मामले में भारत को अपने एक मिशन की लॉन्चिंग 41 सेकंड तक टालनी पड़ी, ताकि संभावित टकराव से बचा जा सके। यह छोटी सी देरी दिखने में मामूली लग सकती है, लेकिन इसके पीछे अत्यंत जटिल गणनाएं और सुरक्षा उपाय होते हैं। इस चुनौती से निपटने के लिए भारत ने 'नेत्र' परियोजना की शुरुआत की है। प्रोजेक्ट नेत्र का उद्देश्य अंतरिक्ष में मौजूद मलबे और अन्य वस्तुओं की निगरानी करना है। इसके तहत उन्नत ट्रैकिंग सिस्टम विकसित किए जा रहे हैं, जो 10 सेंटीमीटर तक के मलबे को भी पहचान सकें। यह प्रणाली भविष्य में सैटेलाइट्स को समय रहते खतरे से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। दुनिया के अन्य देश भी इस समस्या के समाधान के लिए प्रयास कर रहे हैं। अमेरिका उन्नत कोलिजन अवॉइडेंस सॉफ्टवेयर विकसित कर रहा है और 2030 तक सक्रिय मलबा हटाने वाली तकनीकों को तैनात करने की योजना बना रहा है। चीन ने विशाल ग्राउंड-बेस्ड टेलीस्कोप सिस्टम तैयार किया है, जो अंतरिक्ष में मौजूद वस्तुओं की निगरानी करता है और उपग्रहों को सुरक्षित कक्षा में स्थानांतरित करने में मदद करता है। वहीं यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी मलबे को हटाने के लिए नई तकनीकों पर काम कर रही है, जिनमें छोटे कणों को जलाकर नष्ट करना या उनकी दिशा बदलना शामिल है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता- सुविधा का वरदान या मूल्यों का संकट

मानव सभ्यता के विकास का इतिहास यदि देखा जाए तो यह स्पष्ट होता है कि हर नई तकनीक अपने साथ संभावनाओं और संकटों का एक द्वंद्व लेकर आती है। आज का समय भी इसी द्वंद्व से गुजर रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के रूप में विकसित हो रही नवीन तकनीक ने जीवन को सरल, तीव्र और सुविधाजनक बनाया है, किंतु इसके साथ ही यह मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक संतुलन के लिए एक गंभीर चुनौती भी बनकर उभर रही है। समाज के चिंतकों, दार्शनिकों और आध्यात्मिक नेतृत्व ने समय-समय पर इस विषय पर चिंता व्यक्त की है और हाल ही में पोप लियो 14 द्वारा व्यक्त आशंकाओं ने इस चिंता को वैश्विक विमर्श का केंद्र बना दिया है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि इस तकनीक का उपयोग नैतिक मर्यादाओं से परे जाकर किया गया, तो यह विश्व में विभाजन, भय, हिंसा और संघर्ष को ब?ावा दे सकती है। यह चेतावनी केवल एक धार्मिक नेता की भावनात्मक प्रतिक्रिया नहीं है, बल्कि यह उस गहरी चिंता का संकेत है जो आज पूरी मानवता के भीतर कहीं न कहीं विद्यमान है। तकनीक अपने आप में न तो नैतिक होती है और न ही अनैतिक, किंतु उसका उपयोग उसे किसी भी दिशा में ले जा सकता है।

वर्तमान समय में यह देखा जा रहा है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग केवल रचनात्मक और सकारात्मक कार्यों तक सीमित नहीं रह गया है। इसके माध्यम से झूठी सूचनाओं का निर्माण, नकली चित्रों और ध्वनियों का सृजन तथा जनमत को प्रभावित करने के प्रयास तेजी से बढ़े हैं। चुनावी प्रक्रियाओं में इसका उपयोग लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर कर सकता है। जब कोई मतदाता यह समझ ही नहीं पाता कि जो वह देख रहा है या सुन रहा है वह सत्य है या निर्मित भ्रम, तब उसकी निर्णय क्षमता प्रभावित होती है। यह स्थिति लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति विश्वास को कमजोर करती है। आज सोशल माध्यमों पर ऐसी अनेक घटनाएँ सामने आती हैं, जहाँ किसी व्यक्ति को नरेंद्र मोदी जैसे बड़े नेताओं के साथ दिखाया जाता है, जबकि वास्तविकता में ऐसा कभी हुआ ही नहीं होता। यह केवल व्यक्तिगत भ्रम नहीं,

बल्कि सामाजिक स्तर पर विश्वास की संरचना को कमजोर करने वाला प्रवाह है। जब झूठ और सत्य के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है, तब समाज में संशय, अविश्वास और अस्थिरता का वातावरण बनता है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का एक और चिंताजनक पक्ष है साइबर अपराधों में इसका बढ़ता उपयोग। आज अपराधी किसी व्यक्ति की आवाज की नकल करके उसके परिचितों को धोखा देने में सक्षम हो गए हैं। परिवार के सदस्य या अधिकारी बनकर धन की ठगी करना अब अत्यंत सरल हो गया है। इस प्रकार की घटनाओं ने अनेक लोगों की जीवन भर की कमाई को पल भर में समाप्त कर दिया है। यह केवल आर्थिक क्षति नहीं, बल्कि विश्वास और सुरक्षा की भावना पर गहरा आघात है। वित्तीय क्षेत्र में भी इस तकनीक का दुरुपयोग गंभीर संकट उत्पन्न कर सकता है। स्वचालित हमलों के माध्यम से बैंकिंग व्यवस्था की कमजोरियों का लाभ उठाया जा सकता है। यदि इस प्रकार के हमले व्यापक स्तर पर होते हैं, तो यह केवल व्यक्तिगत हानि तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि राष्ट्रीय और वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी अस्थिर कर सकते हैं। यह स्थिति उस समय और भी गंभीर हो जाती है जब नियामक संस्थाएँ इन जटिल तकनीकों की गति और स्वरूप को समझने में पीछे रह जाती हैं।

पर्यावरणीय दृष्टि से भी यह तकनीक पूरी तरह निर्दोष नहीं है। विशाल आंकड़ा केंद्रों की स्थापना, ऊर्जा की अत्यधिक खपत, तथा खनिज संसाधनों का दोहन-ये सभी प्रकृति पर अतिरिक्त दबाव डालते हैं। कोबाल्ट और लिथियम जैसे खनिजों की बढ़ती मांग पर्यावरणीय असंतुलन और मानवीय शोषण दोनों को जन्म देती है। इस प्रकार यह तकनीक केवल सामाजिक या नैतिक ही नहीं, बल्कि पर्यावरणीय चुनौती भी बन रही है। इन सभी चिंताओं के बीच यह समझना आवश्यक है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता को नकारा नहीं जा सकता। यह आधुनिक जीवन का अभिन्न अंग बन चुकी है और चिकित्सा, शिक्षा, आपदा प्रबंधन तथा उत्पादन के क्षेत्र में इसके योगदान को अनदेखा नहीं किया जा सकता। समस्या तकनीक में नहीं, बल्कि उसके उपयोग के स्वरूप में है। यदि इसे मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ जोड़ा जाए, तो यह एक वरदान सिद्ध हो सकती है।

इसके लिए सबसे पहले आवश्यक है कि इसके विकास और उपयोग के लिए स्पष्ट और सशक्त नियम बनाए जाएं। सरकारों और संस्थाओं को यह सुनिश्चित करना होगा कि इस तकनीक का उपयोग पारदर्शी, सुरक्षित और उत्तरदायी तरीके से हो। कंपनियों को अपने तंत्र में ऐसी व्यवस्थाएँ विकसित करनी चाहिए, जिससे किसी भी प्रकार की भ्रामक सामग्री की पहचान और नियंत्रण संभव हो सके। साथ ही नागरिकों की जागरूकता भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। डिजिटल साक्षरता के बिना कोई भी समाज इस चुनौती का सामना नहीं कर सकता। लोगों को यह समझना होगा कि जो कुछ वे देख या सुन रहे हैं, वह हमेशा सत्य नहीं हो सकता। सत्यापन की प्रवृत्ति को विकसित करना समय की आवश्यकता है। नैतिकता के स्तर पर यह भी आवश्यक है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रशिक्षण के लिए उपयोग किए जाने वाले आंकड़े निष्पक्ष और उच्च गुणवत्ता वाले हों। यदि आधार ही पक्षपाती होगा, तो परिणाम भी पक्षपाती होंगे। इससे सामाजिक असमानता और भेदभाव को बढ़ावा मिल सकता है। इसलिए निष्पक्षता, पारदर्शिता, गोपनीयता और उत्तरदायित्व जैसे सिद्धांतों को इसके विकास का आधार बनाना होगा।

सांस्कृतिक दृष्टि से भी यह ध्यान रखना आवश्यक है कि तकनीकी विकास हमारी परंपराओं और मूल्यों के साथ संतुलन बनाए रखे। हमारी सांस्कृतिक धरोहर का डिजिटलीकरण और संरक्षण इस दिशा में एक सकारात्मक कदम हो सकता है, किंतु यह भी सुनिश्चित करना होगा कि इसका उपयोग सम्मानपूर्वक और संवेदनशीलता के साथ किया जाए। साररूप में यह कहा जा सकता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक शक्तिशाली साधन है, जो मानव जीवन को नई दिशा दे सकता है। किंतु यदि इसे नैतिकता से अलग कर दिया जाए, तो यह उसी गति से विनाश का कारण भी बन सकता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम तकनीक के विकास के साथ-साथ अपने नैतिक मूल्यों को भी सुदृढ़ करें। विज्ञान और मानवीय संवेदना के बीच संतुलन ही वह मार्ग है, जो हमें सुरक्षित और समृद्ध भविष्य की ओर ले जा सकता है।

- ललित गर्ग

(विश्व पृथ्वी दिवस (22 अप्रैल) पर विशेष)

पृथ्वी पर पानी कहां से आया

- संजय गोस्वामी

पृथ्वी पर पानी कहां से आया, यह एक बहुत बड़ा अनसुलझा रहस्य है। पानी के स्रोतों का पता लगाने के लिए तमाम तरह के अनुसंधानों और अटकलों के बावजूद वैज्ञानिक यह बताने की स्थिति में नहीं है कि पृथ्वी को पानी आखिर कहां से मिला। अभी तक यह माना जा रहा था कि हमारे ग्रह को पानी धूमकेतुओं के सौजन्य से प्राप्त हुआ है। लेकिन पिछले दिनों यूरोपियन स्पेस एजेंसी के रोजेटा अंतरिक्षयान से मिली नई जानकारी के बाद वैज्ञानिक पानी के स्रोत के बारे में अपनी धारणा बदलने को मजबूर

हुए हैं। अब उनका कहना है कि पृथ्वी पर पानी धूमकेतुओं के बजाय क्षुद्रग्रहों ने पहुंचाया है। धूमकेतु हमारे सौरमंडल के अत्यंत प्राचीन निर्माण खंड हैं। वैज्ञानिकों का खयाल है कि इन्हीं मटमैले बर्फीले पिंडों ने जीवन के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण कार्बनिक यौगिकों को पृथ्वी पर पहुंचाया था। रोजेटा अंतरिक्षयान ने कॉमेट 67 पी, सी-जी की संरचना के बारे में नई जानकारी भेजी है। इस जानकारी के विश्लेषण से वैज्ञानिकों को सौरमंडल और पृथ्वी के विकास में इन आवारा बर्फीले पिंडों की भूमिका को बेहतर ढंग से समझनेमें मदद मिल रही है। उल्लेखनीय है कि रोजेटा यान पिछले अगस्त में किसी धूमकेतु का चक्कर लगाने वाला पहला अंतरिक्ष यान बन गया था। नवंबर में इस यान के फायली लैंडर ने धूमकेतु की सतह पर उत्तर कर पूरी दुनिया के वैज्ञानिकों को आश्चर्य चकित कर दिया था। रोजेटा अब वैज्ञानिकों को पृथ्वी के पानी के रहस्य को सुलझाने में मदद कर रहा है। अगस्त में धूमकेतु की परिक्रमा शुरू करने से पहले रोजेटा धूमकेतु के आसपास मौजूद गैसों की रासायनिक संरचना के विश्लेषण के लिए रोजिना नामक उपकरण का इस्तेमाल किया। वैज्ञानिको ने इस उपकरण से प्राप्त पानी से संबंधित डेटा पर अपना ध्यान केंद्रित किया ताकि इस बात का खुलासा किया जा सके कि पृथ्वी के समुद्रों को क्षुद्रग्रहों ने पानी पहुंचाया या धूमकेतुओं ने। पृथ्वी के जन्म को समझने के लिए बनाए गए मॉडलों से पता चलता है कि 4.6 अरब वर्ष पहले अपने गठन के तुरंत बाद पृथ्वी बहुत गर्म थी। अत: वैज्ञानिकों के मुताबिक इस बात की संभावना बहुत कम है कि ग्रह की सतह पर इस वक्त मौजूद पानी उसके जन्म काल से ही है। इस संबंध में पिछले अध्ययनों से संकेत मिला था कि पृथ्वी के गठन के करीब 80 करो? वर्ष बाद ब्रह्मांडीय प्रहारों के हिंसक दौर में पानी हमारे ग्रह पर पहुंचा।

धरती पर आधे के अधिक पानी सौर प्रणाली से भी पुराना है, यूनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन खगोलविदों का सिद्धांत है।साइंस के ताजा अंक में प्रकाशित शोधकर्ताओं का काम हमारे ग्रह और सौर मंडल के पानी के गठन के बारे में एक बहस सेटल करने में मदद करता है। शोधकर्ताओं के लिए यह सवाल अनुत्तरित है कि सूर्य को घेरे प्रोटोप्लानेटरी डिस्क (सौर निहारिका-इसी से ग्रहों की उत्पत्ति मानी जाती है ष्इंटरस्टेलर आइस ष् में सूर्य के अभिभावकीय ग्रह और तारों के बीच मौजूद हाइड्रोजन घनत्व से जन्मा या इस घनत्व में हुई रासायनिक क्रियाओं से उत्पन्न हुआ 30 से 50 प्रतिशत आणविक बादल से आया, यूनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन में डॉक्टरेट की छात्र इल्स क्लीव्स कहती हैं। इसके अनुसार पानी सौर प्रणाली की तुलना में लगभग एक लाख साल पुराना हैं।उन्होंनें पानी के दो अलग किस्मों के पर फोकस किया - सामान्य प्रकार के और भारी संस्करण। धूमकेतु और पृथ्वी के महासागर में विशेष अनुपात में - सूरज से अधिक - भारी पानी हैं। ष् रसायन विज्ञान के अनुसार पृथ्वी को बहुत ठंडे स्रोत से पानी प्राप्त हुआ जो शून्य से 10 डिग्री से ऊपर था। सूरज ने ;जो काफी गरम है,द्ध इस ड्यूटेरियम, या भारी पानी के फिंगरप्रिंट को मिटा दिया, बरगीन के अनुसार .सौर प्रणाली के सिमुलेशन को शुरू करने के लिए, वैज्ञानिकों ने घ?ी को वापस घुमा कर भारी पानी को खाली का दिया। फिर बटन दबा कर यह देखने की कोशिश की कि क्या पृथ्वी और धूमकेतु में पानी का अनुपात कैसा हैं।

क्लीव्स के अनुसार, हम केमिस्ट्री को एक लाख साल विकसित होने दिया - यह ग्रह के गठन डिस्क बनने का समय हैं - और पाया कि डिस्क की रासायनिक प्रक्रियाओं सौर प्रणाली में भारी पानी बनाने में अक्षम थी। ष्इसका तात्पर्य यह हैं कि अगर ग्रहों के डिस्क ने पानी नहीं बनाया तो यह विरासत में मिला। सौर प्रणाली का कुछ पानी सूरज से पहले मौजूद था।ष्पृथ्वी पर जीवन पानी पर निर्भर करता है। पानी का अनुमान लगाने से वैज्ञानिकों को आकाशगंगा भर में पानी कितना आम हैं समझने में मदद मिलेगी। क्लीव्स के अनुसार ष् यह निष्कर्ष बहुत रोमांचक हैं,ष् अगर पानी का गठन हर तारकीय सिस्टम में स्थानीय प्रक्रिया से होता है तो जीवन के गठन के लिए आवश्यक पानी और अन्य महत्वपूर्ण रासायनिक अवयवों की मात्रा हर प्रणाली के लिए भिन्न हो सकती है। बरगीन के अनुसार, सिमुलेशन और खगोलीय समझ के आधार पर हाइड्रोजन और ऑक्सीजन परमाणुओं से पानी का गठन तारकीय जन्म के प्रारंभिक दौर का एक सर्वव्यापी घटक है। यह पानी शून्य से केवल 10 डिग्री पर स्टार के जन्म से पहले बना हैं।थ्वी सूरज से तीसरा ग्रह है और यूनिवर्स में जीवन वाली अकेली जानी-मानी एस्ट्रोनॉमिकल चीज़ है। लगभग 4.5 अरब साल पहले बना यह एक टेरेस्ट्रियल ग्रह है, जिसका मतलब है कि इसकी सतह गैस वाली नहीं बल्कि ठोस, चट्टानी है। पृथ्वी की खासियत है इसके लिक्विड पानी के महासागर द्ध जो इसकी सतह का 71प्रतिशत हिस्सा कवर करते हैं द्ध सांस लेने लायक ऑक्सीजन-नाइट्रोजन वाला माहौल, और डायनामिक जियोलॉजिकल एक्टिविटी होता है।

संयुक्त परिवार-हमारा परिवार हमारी खुशी-त्रेतायुग सतयुग का पर्याय

कुदरत द्वारा रचित अनमोल खूबसूरत सृष्टि में भारत आदि अनादि काल से संस्कृति सभ्यता बड़े बुजुर्गों का मान सम्मान संयुक्त परिवार प्रथा सहित सभी गुणों में विश्व वटवृक्ष की भांति फलता फूलता रहा है हमारे बड़े बुजुर्गों ने स्वर्णलोक, स्वर्ग अनुभूति इस सृष्टि में धरती पर अपनों के बीच किया देखा और सुख भोगा है। उन अपार सुख के फूलों में से एक फूल है घर, परिवार, संयुक्त परिवार एक मजबूत सुख की छावं देने वाला, छत्रछाया देने वाला संयुक्त परिवार घर परिवार जहां बड़े बुजुर्गों के छत्रछाया में जीवन जीने, उनके फैसलों पर अमल करनें, आगे बढ़ाने और समर्पित भाव से जीवन जीने का सुख, अनमोल क्षण के साए में जीवन जीने का आनंद ही कुछ और है। परंतु वर्तमान परिपेक्ष में धीरे-धीरे हमारे युवादेश के अधिकांश युवा पाश्चात्य संस्कृति के साए में बड़े बुजुर्गोंको नजरअंदाज कर, एकला चलो रे!! वाली नीति पर चलने की राह पर हैं किसी का लिखा एक खूबसूरत वाक्यांश बता दें, घर तब तक नहीं टूटता तब तक फैसला बड़ों के हाथ में होता है, अगर घर का हर सदस्य बड़ा बनने लगे तो घर टूटने में देरी नहीं लगती इसलिए अब समय आ गया है कि हमें बड़े बुजुर्गों की आज्ञा, उनकी छत्रछाया में जीने का अंदाज सीखने की तात्कालिक आवश्यकता है इसलिए हम इस आर्टिकल के माध्यम से आओ घरों को टूटने से बचाएं पर चर्चा करेंगे। साथियों बात अगर हम महत्वपूर्ण फैसलों के बड़ों के हाथों से छुटने की करें तो, उम्र के फ़र्क़ के साथ-साथ बड़े बुजुर्गों और बच्चों के मूल्यों में अंतर आ जाता है. मिसाल के लिए अगर बड़े बुजुर्ग बहुत धार्मिक हैं और उन्होंने बच्चों को भी वहीं संस्कार दिए तो भी ज़रूरी नहीं कि बच्चे उन्हीं संस्कारों को मानें, बस!!यहीं से टकराव की शुरुआत होती है। अलगाव की स्थिति पैदा हो जाती है, ये भी देखा गया है कि आमतौर से अलग होने वाले माता-पिता और बच्चों के बीच अलग होने की वजह को लेकर कोई संवाद नहीं होता, इसलिए पताही नहीं चलता कि आखिर वजह क्या है इसके अलावा भाई-बहनों के अलग मिजाज और माता-पिता का किसी एक बच्चे के प्रति गहरा लगाव भी अलगाव की वजह बन जाते हैं, ऐसा नहीं है कि परिवार में अलगाव तेज़ी से और रातों रात हो रहा है। बल्कि ये बहुत धीरे-धीरे हो रहा है। कई बार छोटी सी घटना भी परिवार को तोड़ देती है। कहने को तो वो एक घटना होती है लेकिन उसके नतीजे दूरगामी होते हैं।

साथियों बात अगर हम घर में हर कोई बड़ा बनने के दो मुख्य कारणों की करें तो, पिछले कुछ वर्षों में देखा गया है कि भूमंडलीकरण की वजह से उन देशों में भी परिवार टूट रहे हैं, जहां अकेले रहने की रिवायत नहीं है. भारत की ही बात करें तो बड़ी संख्या में लोग रोज़गार की तलाश में गांवों से शहरों में या विदेशों में पलायन कर रहे हैं। वहीं जिन देशों में सरकार की ओर से बेहतर सुविधाएं नहीं मिलतीं वहां बुजुर्ग, नौजवान और बच्चों के बीच मज़बूत रिश्ता और एक दूसरे से लगाव देखने को मिलता है, इसकी मिसाल हमें यूरोप के कुछ देशों में देखने को मिलती है। बाहर बड़े शहरों या विदेश में रोजगार में जाने की वजह से माता-पिता से दूरी बन जाती है, साथ ही ऐसे परिवारों में आर्थिक रूप से लोग एक दूसरे पर निर्भर नहीं करते,स्वाभाविक रूप से वे अपने फैसले खुद लेने लगते हैं, लिहाज़ा उन्हें अलग होने में कोई हिचक भी महसूस नहीं होती। ये भी देखा गया है कि जो किसी समुदाय के लोग एक दूसरे से ज्यादा क़रीब रहते हैं, उनके यहां बड़े परिवार भी एक छत के नीचे रहना पसंद करते हैं, ये भी हो सकता है कि असुरक्षा का भाव उन्हें ऐसा करने को कहता हो। शहरों में बड़े परिवार को साथ रखना आसान नहीं है,हर कोई बड़ा बनने एवं फैसला लेने की चाह रखता है इसलिए भी बुजुर्गों के साथ अलगाव की स्थिति पैदा हो रही है और गुज़रते दौर के साथ ये स्थिति और मज़बूत होगी। लेकिन किसी भी समाज में जो सांस्कृतिक मूल्य बहुत मज़बूत होते हैं, वो आसानी से खत्म नहीं होते। लिहाज़ा जिन समाज में परिवार के साथ रहने का चलन है वो आगे भी रहेगा, परंतु मुमकिन है कि आने वाले 20 साल में स्थिति पूरी तरह बदल जाएगी।

साथियों बात अगर हम उस एक पुराने जमाने की करें जहां संयम, बड़ों की कद्र और संयुक्त परिवार से संयुक्त समाज का निर्माण हुआ था और फैसला लेना बड़ों के हाथ में रहता था तो, उस दौर में संयम, ब?ों की कद्र, छोटे बड़े का कायदा, नियंत्रण इन सब बातों का प्रभाव था। ऐसे ही संयुक्त परिवारों से संयुक्त समाज का निर्माण हुआ था और पूरा मोहल्ला और गांव एक परिवार की ही तरह रहते थे।परिवार का नहीं, मोहल्ले का बुजुर्ग सबका बुजुर्ग माना जाता था और ऐसे बुजुर्गों के सामने जुबान चलानें या किसी अप्रिय कृत्य करने का साहस किसी का नहीं होता था। उस दौर में मोहल्लों में ऐसा माहौल और अपनापन होता था कि गांव का दामाद या मोहल्ले का दामाद कहकर लोग अपने क्षेत्र के दामाद को पुकारते थे और अगर कोई भानजा है तो किसी परिवार का नहीं, बल्कि पूरे मोहल्ले और गांव का भानजा माना जाता था और यही कारण था कि लोग गांव की बेटी या गांव की बहू कहकर ही किसी औरत को संबोधित करते थे।

साथियों बात अगर हम आओ घर को टूटने से बचाने के आसान उपायों की करें तो, एक संयुक्त परिवार और बड़े बुजुर्गों के निर्देशन में जीने का सही तरीका है? स्वार्थ भावना से दूर रहकर, खुद से पहले दूसरों की खुशी का ध्यान रखना होगा और हमारा परिवार हमारी खुशी का ध्यान रखेगा।अपने कर्तव्यों को पूरा करने की कोशिश हमेशा होनी चाहिए। बड़ो के प्रति आदर भाव और छोटों के प्रति प्रेम होना चाहिए। घर छोटा हो या बड़ा लेकिन दिल हमेशा बड़ा होना चाहिए। अपनी इच्छाओं से पहले परिवार की जरूरतों को ध्यान में रखना चाहिए। संयुक्त परिवार में मेरा कुछ नहीं होता जो भी होता है वो सबका होता है। कुछ बातों को नजरअंदाज करने की कला तो कुछ बातों पर ध्यान देने की कला आनी चाहिए। हर खुशी बड़ी हो जाती है और हर दुख छोटा सयुक्त परिवार में। साथ बैठने का और साथ खाने का महत्व समझना चाहिए,शेयर करना स्वभाव होना चाहिए क्योंकि, बस एक दूसरे का हाथ पक?कर चलना सीख लो।सहनशीलता अच्छी होनी चाहिए,सामंजस्य बैठाना भी आता हो।

साथियों मेरा यह निजी अनुभव है कि, मेरा परिवार सयुंक्त परिवार और इसीलिए मैने इस प्रश्न का उत्तर देना चाहा। सभी का उचित सम्मान होना चाहिए, विशेष रूप से छोटे बड़ों का हमेशा सम्मान करें। कार्यों का उचित विभाजन हो, जिससे टकराव ना हो। पुरानी कहावत है कि- जहाँ चार बर्तन होते है, वहां टकराव होता है, ये खटपट भी मधुर होनी चाहिए। बाहर की चुगलखोरी एवं चापलूसी को बिल्कुल ध्यान न दे, क्योंकि यह हमारे भारतवासियों का जन्मसिद्ध अधिकार है वो तो करेंगे ही।अंत में सबसे जरूरी-आपस में प्यार, नहीं तो उपर लिखी सारी बातें बेकार।

करो दिल से सजदा तो इबादत बनेगी।
बड़े बुजुर्गों की सेवा अमानत बनेगी।।
खुलेगा जब तुम्हारे गुनाहों का खाता।
तो बड़े बुजुर्गों की सेवा जमानत बनेगी।।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि हमारा परिवार हमारी खुशी आइए घरों को टूटने से बचाएं। घर तब तक नहीं टूटता जब फैसला बड़ों के हाथ में होता है, हर कोई बड़ा बनने लगे तो घर टूटने में देर नहीं लगती। आधुनिक युग कोई परिवार में बड़ों के लिए तरसे, कोई बड़ों पर गुस्से से बरसे की ओर चल पड़ा है।

- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। मंगलवार को सुस्त उठाव के बीच खाद्य तेलों में बाजार नरमी के रहे। तिलहनों में बाजार बने रहे। दलहनों में चना 5500-5625 रू. प्रति क्विंटल पर बना रहा। किराना जिंसों में शक्कर में सुस्ती बनी। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार खाद्य तेलों में उठाव सुस्त है। जिसके चलते बाजार सुस्ती पर रहे। तिलहनों में सोयाबीन में पूछपरख से सुधार रहा। अन्य तिलहनों में बाजार बने रहे। दलहनों में चना5500-5625 रू. प्रति क्विंटल पर टिका रहा। किराना जिंसों में शक्कर घटाकर बोली गयी। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4070-4150, खोपरा गोला 370-430, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 270-280, बेस्ट 280-300, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5500-5600, मीडियम 5600-5700, बेस्ट 5800-5900, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 120-150, बेस्ट 250-380, सौंफ बारिक 220-380, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-745, मीनी मटरदाना 770-785, मटरदाना 800-815, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1050-1400, दालचीनी 245-260, जायफल 815-880, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2050-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरोठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 1675-1775, बेस्ट 1925-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 490-625, काजू (240) 920-950, काजू (320) 830-880, काजू डब्ल्यू (300) 790-810, काजू जे.एच. 820-840, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 760-800, अमेरिकन 825-950, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडि?यम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2350-2400, (160) 2700-2750, (200) 2550-2600, (250) 2650-2700

तेल- सींगदाना 1660-1680, मुम्बई 1680, राजकोट तेलिया 2600, सोया साल्वेंट 1395-1400, सोया रिफाइंड 1470-1480, कपास्या 1415, धूलिया 1420, कड़ी 1420,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1600, मुम्बई पाम 1425, मुम्बई सोया 1500,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2525, देवास-उज्जैन 2525, खंडवा-बुरहानपुर 2500, अकोला 3900 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7100-7300, रायडा 6200-6300, सोयाबीन 5700, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5500-5625, एवरेज 5550-5600, विशाल 5450-5475, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7600-8700, काबूली चना रशि?यन 5400-5700, बिटकी 5000-5300, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5900-5950, मूंग गर्मी बेस्ट 7700-8000, मूंग बोल्ड 8200-8400, एवरेज 6500-6700, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6900-7000, एवरेज 6500-6600, हल्की 6000-6100, महाराष्ट्र सफेद 6900-7100, महाराष्ट्र लाल 7200-7400, उड़द बेस्ट 8500-9000, एवरेज 7000-8000, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7000-7200, मीडि?यम 7300-7400, बोल्ड 7600-7800, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2350-2450, लोकवन एवरेज 2400-2650, बेस्ट 2800-3100, मालवराज 2300-2560, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1600-1850, बेस्ट 1850-1900,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 300, रतलाम 390 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। लेवाली के अभाव में मंगलवार को स्थानीय सराफा बाजार में दोनों मूल्यवान धातुओं में बाजार नरमी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 246500, चाँदी (99) 246400, टंच 245900, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 153500,

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को 35 पैसे की गिरावट के साथ ही 93.51 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया 16 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 93.32 पर पहुंच गया। बाजार जानकारों के अनुसार अमेरिकी डॉलर के स्थिर रुख और केंद्रीय बैंक के भारतीय मुद्रा पर सट्टेबाजी पर लगे प्रतिबंधों में ढील देने से रुपये पर दबाव बढ़ा है। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 93.25 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती कारोबार में 93.37 के स्तर तक गिरने के बाद 93.32 पर कारोबार करने लगा जो पिछले बंद भाव से 16 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया सोमवार को 25 पैसे की गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 93.16 पर बंद हुआ था। इससे पहले के दो सत्र में रुपये में 47 पैसे की मजबूती आई थी।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये बढ़त दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आई है। अमेरिका-ईरान शांति वार्ता के संकेतों से भी बाजार में सकारात्मक माहौल रहा। आज दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 753.03 अंक बढ़कर 79,273.33 पर जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 211.75 अंक ऊपर आकर 24,576.60 पर कारोबार करता दिखा। सेंसेक्स आज करीब 750 अंकों की बढ़त के साथ 79,367.08 के शीर्ष स्तर जबकि निफ्टी 227 अंकों की तेजी के साथ ही 24,601.70 के उच्च स्तर पर पहुंचा। आज बैंक निफ्टी इंडेक्स में बढ़त रही। वहीं इसके अलावा व्यापक बाजारों में निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स और तो निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में भी तेजी रही। निफ्टी रियल्टी , निफ्टी प्राइवेट बैंक के अलावा निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज और निफ्टी मीडिया में भी बढ़त रही। निफ्टी आईटी,

निफ्टी ऑटो, निफ्टी मेटल में भी उछला आया पर निफ्टी फार्मा में गिरावट रही। निफ्टी 50 पैक में नेस्ले इंडिया, एचयूएल, ट्रेंट, बजाज फाइनेंस, टाटा कंज्यूमर, आइ सीआइ सीआइ बैंक, एचडीएफसी बैंक, आईटीसी, एक्सिस बैंक, अदाणी पोर्ट्स, विप्रो और टीसीएस के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी आई जबकि एसबीआई लाइफ, बीईएल, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज, डॉ. रेड्डीज़ लैबोरेटरीज, टाइटन, रिलायंस और एनटीपीसी के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही। इससे पहले आज सुबह बाजार की मजबूती के साथ शुरुआत हुई। बीएसई सेंसेक्स 78,617.16 अंक पर खुला जो इसके सोमवार के बंद स्तर 78,520.30 से अधिक था। वहीं निफ्टी भी 24,374 अंक पर मजबूती के साथ खुला। वहीं एशियाई बाजारों की बात करें ज्यादातर बाजार सुबह बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे, जिसमें कोस्पी सबसे आगे रहा। । जापान का निक्केई 225 और हांगकांग का हैंग सेंग क्रमश: 1.11 फीसदी और 0.23 फीसदी की बढ़त पर कारोबार कर रहे थे। वहींऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी एएसएक्स 200 इंडेक्स 0.14 फीसदी गिरावट में रहा।

ईरान-अमेरिका वार्ता की उम्मीद से कच्चे तेल और गैस के दाम गिरे

नई दिल्ली। एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की कीमतों में मंगलवार को हल्की गिरावट दर्ज की गई। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बावजूद, ईरान और अमेरिका के बीच संभावित बातचीत की उम्मीदों तथा कमजोर वैश्विक मांग के कारण कीमतों पर दबाव बना। इस गिरावट के बाद डब्ल्यूटीआई कच्चा तेल लगभग 86 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया, जबकि ब्रेंट क्रूड भी नरम होकर 94 डॉलर के आसपास कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में मंगलवार को नरमी देखने को मिली। डब्ल्यूटीआई कच्चे तेल की कीमतें करीब 86 डॉलर प्रति बैरल के आसपास सिमट गईं, जबकि पहले इनमें बढ़त देखी गई थी। इस नरमी की मुख्य वजह ईरान द्वारा अमेरिका के साथ बातचीत के लिए प्रतिनिधिमंडल भेजने की सहमति है। यह बातचीत युद्धविराम की दो हफ्ते की समयसीमा से पहले होनी है, जिससे तनाव कम होने की उम्मीद जगी है। ब्रेंट क्रूड ऑयल भी लगभग 94.82 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था, जिसमें करीब 0.69 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जो वैश्विक बाजार में तेल की कीमतों पर दबाव को दर्शाता है। हालांकि, बाजार में अभी भी पूरी तरह से अनिश्चितता बरकरार है। पश्चिम एशिया में तनाव बना हुआ है और तेल आपूर्ति के लिए महत्वपूर्ण होरमुज जलडमरूमध्य अभी भी बंद है। हाल ही में अमेरिका द्वारा ईरानी जहाजों को जब्त करने और ईरान की जवाबी कार्रवाई जैसी घटनाओं ने स्थिति को और जटिल बना दिया है। ईरान का परमाणु कार्यक्रम और अन्य क्षेत्रीय विवाद भी अभी तक अनसुलझे हैं, जिससे भविष्य की कीमतों को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं। उधर, अमेरिका में प्राकृतिक गैस की कीमतें गिरकर करीब 2.65 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू पर आ गईं।

पीपीएफ में निवेश कर सुरक्षित बचत के साथ पाएं शानदार रिटर्न और टैक्स छूट!

नई दिल्ली। एजेंसी। वित्तीय सुरक्षा और बेहतर भविष्य के लिए निवेश करना हर व्यक्ति की प्राथमिकता होती है। ऐसे में पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) एक ऐसी सरकारी योजना है जो न केवल आपके पैसे को सुरक्षित रखती है, बल्कि लंबी अवधि में इसे कई गुना बढ़ाने का शानदार अवसर भी प्रदान करती है। साथ ही, यह टैक्स बचाने का भी एक प्रभावी माध्यम है, जिससे निवेशक दोहरे लाभ प्राप्त कर सकते हैं। पीपीएफ भारत सरकार द्वारा समर्थित एक लॉन्ग टर्म सेविंग स्कीम है, जिसमें जोखिम लगभग न के बराबर होता है। यह योजना उन लोगों के लिए बेहतरीन विकल्प है जो अपनी पूंजी को सुरक्षित रखते हुए एक अच्छा फंड तैयार करना चाहते हैं। इसमें आप सालाना न्यूनतम 500 से लेकर अधिकतम 1.5 लाख रुपए तक का निवेश कर सकते हैं, जिसे एकमुश्त या छोटे-छोटे मासिक/वार्षिक किस्तों में जमा किया जा सकता है। वर्तमान में इस योजना पर लगभग 7.1 फीसदी वार्षिक ब्याज दर मिल रही है, हालांकि यह दर सरकार द्वारा समय-समय पर संशोधित की जाती है। इस योजना की मैच्योरिटी अवधि 15 साल होती है। अगर कोई निवेशक हर साल लगातार 70,000 रुपए जमा करता है, तो 15 साल में उसका कुल निवेश 10.5 लाख रुपए होगा। 7.1 फीसदी की वर्तमान अनुमानित ब्याज दर के हिसाब से, उसे लगभग 8,48,498 रुपए का ब्याज मिलेगा। इस प्रकार, मैच्योरिटी पर कुल राशि लगभग 18,98,498 रुपए होगी, जो आपके मूल निवेश का दोगुने से भी ज्यादा है। पीपीएफ को टैक्स सेविंग के लिए भी एक बेहतरीन विकल्प माना जाता है। इसमें इनकम टैक्स एक्ट की धारा 80 सी के तहत निवेश पर टैक्स छूट मिलती है। इसके अलावा, इस योजना में मिलने वाला ब्याज और मैच्योरिटी अमाउंट, दोनों ही पूरी तरह से टैक्स फ्री होते हैं। आप अपना पीपीएफ अकाउंट किसी भी बैंक या पोस्ट ऑफिस में आसानी से खोल सकते हैं। हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि एक व्यक्ति के नाम पर केवल एक ही पीपीएफ अकाउंट खोला जा सकता है।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन करियर और रोजगार के लिहाज से आपके लिए शानदार अवसर लेकर आया है। मामा पक्ष से धन लाभ के संकेत मिल रहे हैं, जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार में किसी सदस्य के विवाह में आ रही बाधा को दूर करने के लिए आप किसी खास व्यक्ति से सलाह ले सकते हैं और समाधान भी निकल आएगा। विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा के दरवाजे खुलेंगे और मेहनत का पूरा फल मिलेगा। पेंडिंग कामों को निपटाने में आज आप तेजी दिखाएंगे और सफलता भी हाथ लगेगी।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहेगा। कई स्रोतों से आय होने के योग हैं, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। कोई पुरानी इच्छा पूरी होने से दिल खुश हो जाएगा। भगवान की भक्ति में मन लगेगा, जो आपको मानसिक शांति देगा। लेकिन संतान के व्यवहार को लेकर थोड़ी चिंता रह सकती है। उन्हें सही दिशा देना जरूरी होगा। ध्यान रखें, कामों में दूसरों पर निर्भरता कम रखें और खुद जिम्मेदारी संभालें।

मिथुन- आज बिजनेस में बड़ा फैसला लेने का दिन है। लंबे समय से अटकी हुई डील फाइनल हो सकती है और नए अवसर आपके सामने आएंगे। संतान की पढ़ाई से जुड़ी समस्याएं दूर होंगी। आपकी मेहनत रंग लाएगी और आत्मविश्वास बढ़ेगा। हालांकि, पैसों के लेन-देन में सावधानी जरूरी है। भाई-बंधुओं का पूरा साथ मिलेगा, जिससे आपके काम आसान हो जाएंगे।

कर्क- आज का दिन थोड़ा संतुलन मांगता है। खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा, नहीं तो बजट बिगड़ सकता है। लाइफस्टाइल सुधारने के चक्कर में खर्च बढ़ सकते हैं। किसी मित्र से हल्की कहासुनी हो सकती है, इसलिए शब्दों का चयन सोच-समझकर करें। आसपास के लोगों को पहचानें और अजनबियों पर आंख बंद करके भरोसा करने से बचें। यही समझदारी है।

सिंह- आज आपके लिए धन और सफलता के दरवाजे खुल रहे हैं। यात्रा लाभदायक रहेगी और इनकम में बढ़ोतरी होगी। रुके हुए सरकारी काम पूरे हो सकते हैं। मेहनत का फल मिलेगा और आत्मविश्वास बढ़ेगा। संतान की ओर से कोई खुशखबरी आपका दिन बना देगी। पैतृक संपत्ति के मामलों में जीत के संकेत हैं। साथ ही, भगवान की भक्ति में मन लगाकर आप मानसिक शांति भी पाएंगे।

कन्या- आज का दिन आपके लिए जीत का संदेश लेकर आया है। कोर्ट-कचहरी के मामलों में सफलता मिल सकती है और इनकम में बढ़ोतरी होगी। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी और मन में प्रेम व सहयोग की भावना बनी रहेगी। कठिन परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखना जरूरी है। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे लोगों को खुशखबरी मिल सकती है। दोस्तों से बेवजह बहस करने से बचें।

तुला- आज का दिन व्यापार में सफलता दिलाने वाला है। जिस काम में हाथ डालेंगे, उसमें सफलता मिलने के प्रबल योग हैं। परिवार में चल रही समस्याएं दूर होंगी और माहौल खुशनुमा बनेगा। किसी को दी गई जिम्मेदारी अच्छे से निभाई जाएगी। माता-पिता की सलाह आपके लिए फायदेमंद साबित होगी। लेकिन विरोधियों की बातों में आकर कोई गलत कदम न उठाएं।

वृश्चिक- आज थोड़ा सतर्क रहने का दिन है। वाहन में खराबी या अचानक खर्च बढ़ सकता है। सेहत को लेकर भी ध्यान देना जरूरी है। जीवनसाथी के साथ प्रेम और समझदारी बनी रहेगी। दूसरों के मामलों में दखल देने से बचें। खानपान पर नियंत्रण रखें। संतान से जुड़ा कोई बड़ा फैसला लेना पड़ सकता है, जो उनके भविष्य के लिए अहम होगा। पुराने दोस्त से मुलाकात मन को खुश कर देगी।

धनु- आज तरक्की की राह पर तेजी से आगे बढ़ेंगे। व्यापार में सफलता मिलेगी और नए मित्र बनेंगे, जो भविष्य में मददगार साबित होंगे। साल की शुरुआत में कोई सरप्राइज गिफ्ट भी मिल सकता है। जीवनसाथी की सेहत में सुधार होगा। नई नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। प्रॉपर्टी खरीदने के लिए समय अनुकूल है, बस खर्चों पर संतुलन बनाए रखें।

मकर- आज का दिन थोड़ा सावधानी से चलने का है। काम का दबाव ज्यादा रहेगा और पुराने लेन-देन परेशानी दे सकते हैं। लेकिन माता-पिता के आशीर्वाद से रुके हुए काम पूरे होंगे। वरिष्ठ लोगों से बात करते समय सोच-समझकर बोलें। आपकी नई कोशिशें रंग लाएंगी और पुराने मित्र से मुलाकात आपको खुशी देगी।

कुंभ- आज बिजनेस में सफलता के संकेत हैं। यात्रा के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है, जो आगे चलकर लाभ देगी। दूसरों के मामलों में बोलने से बचें। विद्यार्थियों के लिए नया सीखने और आगे बढ़ने का समय है। पिताजी से बात करते समय संयम रखें। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे लोगों को अच्छी खबर मिल सकती है।

मीन- आज का दिन नए सपनों को सच करने का है। नया घर खरीदने के लिए समय अनुकूल है। वैवाहिक जीवन में प्रेम और सहयोग बढ़ेगा। परिवार में चल रही समस्याएं खत्म होंगी और शांति का माहौल बनेगा। मां से किसी जरूरी विषय पर बातचीत होगी। यात्रा के दौरान अपने सामान का ध्यान रखें। बिजनेस में कोई बड़ा फैसला लेने से पहले पार्टनर की सलाह जरूर लें।यही आपको सफलता दिलाएगा।

शब्दजाल - 8236

ग	दि	न	ल	वे	म	ज	वि	न	र	क
ना	य	क	को	ट	व	जी	रा	इ	रा	ल
आ	वे	दे	पू	ह	जी	रम	स	क	म	दि
पु	ची	व	श	ट	ज	प	त	पा	ल	र
क	त	ई	फ	में	व	खें	जा	भा	ख	ते
र	मे	म	दे	ला	बे	य	न	ई	न	जा
ट	जं	क्स	मे	बु	क	ता	या	न	है	व
च	म	न	ए	सं	लं	प	र	ली	म	ए
ले	यो	र्न	य	त	चि	दी	री	ता	न	क्स
त	रा	जु	न	ज	बा	त्र	व	ल	म	प्रे
वे	वी	लो	नि	या	ल	र	न	रा	त	स

शब्दजाल में अनिल कपूर की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए.शब्द ऊपर से नीचे,दाएं से बाएं एंव तिरछे हो सकते हैं

ताल, विरासत, राम लखन, तेजाब, बेटा, मन, पुकार, नायक, बेवफा, बुलंदी.

शब्दजाल - 8235 का हल

फिल्म वर्ग पहेली- 7180

बायें से दायें:-

१. धर्मेंद्र, राखी की 'पल पल दिल के पास' गीत वाली फिल्म-२,२
४. 'इमली का बूटा' गीत वाली दिलीपकुमार, राजकुमार, विवेक मुशरान, मनीषा की फिल्म-४
६. [illegible]
८. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की '...कहीं थी बात' गीत वाली फिल्म-३
९. 'आईने के सौ टुकड़े' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-२
९. सलमान, गौरी कार्णिक की 'खोया है तूने जो' गीत वाली फिल्म-२
१०. राकेश रोशन, योगिता बाली की 'लो मेरा प्यार लेलो' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'तुम्हीं रहनुमा हो' गीत वाली अनिल धवन, राधा सलूजा की फिल्म-२
१५. सुनीलदत्त, मीनाकुमारी की 'रंग और नूर की' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'ए बी सी डी छोड़ो' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२,२
११. राजेंद्रकुमार, वैजयंतीमाला की 'हमसे भी अच्छे' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'कोई देख ना ले' गीत वाली ... [illegible]
१४. सुनील शेट्टी, सोनाली ... [illegible]
२६. 'मैं तेरा मजनूं' गीत वाली गोविंदा, सोनाली, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-२
२७. शाहरुख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या की 'मेरे ख़्वाबों की' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'अपने दिल में जगह' गीत वाली अनिल धवन, नीतूसिंह की फिल्म-३
२९. फरदीनखान, करीना कपूर की 'मैं बिना तेरे बिना' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'मेरे ख्वाबों का' गीत वाली अजय देवगन, अभिषेक, बिपाशा की फिल्म-३
३२. अनिलकपूर, श्रीदेवी, रवीना की 'मैं रबू दीवाना' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

२. सनी देओल, सुनील, शिल्पा की 'कोई परी आती नहीं' गीत वाली फिल्म-२
३. 'ओ नखरे नखरे' गीत वाली सनी, मोहेश, सुनील, जॉनी की फिल्म-३
४. राजेश खन्ना, टीना, पद्मिनी की फिल्म-३
५. 'मैं निकला गड्डी लेके' गीत वाली फिल्म-२
८. संजयदत्त, गोविंदा, दिव्या, ममता की 'दिल तो खोया है' गीत वाली फिल्म-४
९. 'गोरे गोरे मुखड़े पे' गीत वाली अजय, अक्षय, करिश्मा, नगमा की फिल्म-२
११. शशिकपूर, शबाना आजमी की फिल्म-३
१२. 'हाथी मेरे साथी' की नायिका?-३
१४. 'तुमको कितना है' गीत वाली सनी, सुनील, सेलिना जेटली की फिल्म-२
१६. मंजयकपूर, शिल्पा शेट्टी की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'चांदनी रातें प्यार की बातें' गीत वाली देवआनंद, गीताबाली की फिल्म-२
१९. शशिकपूर, जीतेंद्र, रेखा की 'प्यार करता नहीं आया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'यशोदा का नंदलाला' गीत वाली जयाप्रदा, जीतेंद्र, विनोद की फिल्म-३
२२. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'जी बीच बजरिया' गीत वाली अब्बास, शर्मीली मुखर्जी की फिल्म-२
२५. विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-२
२६. 'आज पुरानी राहों से' गीत वाली फिल्म-३
२७. देवआनंद, हेमा मालिनी की फिल्म-३
३०. 'आज मेरे महफिल' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7179

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

22 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

बुधवार 2026 वर्ष का 112 वा दिन
दिशाशूल उत्तर ऋतु ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083
शक संवत् 1948
मास वैशाख पक्ष शुक्ल
तिथि षष्ठी 22.50 बजे को समाप्त।
नक्षत्र आर्द्रा 22.13 बजे को समाप्त।
योग अतिगण्ड 09.08 बजे को समाप्त।
करण कौलव 12.02 बजे तदनन्तर तैतिल 22.50 बजे को समाप्त।

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय	
सूर्य	मेष में	वृष	06.53 बजे से	सत्त्वायु 4.5 घण्टे
चंद्र	मिथुन में	मिथुन	08.51 बजे से	रवि क्रांति उत्तर 12°08'
मंगल	मीन में	कर्क	11.05 बजे से	सूर्य उत्तरायण
बुध	मीन में	सिंह	13.21 बजे से	कलि अहर्गण 1872687
गुरु	मिथुन में	कन्या	15.33 बजे से	जूलियन दिन 2461152.5
शुक्र	वृष में	तुला	17.44 बजे से	कलियुग संवत् 5128
शनि	मीन में	वृश्चिक	19.58 बजे से	कल्पारंभ संवत् 1972949128
राहु	कुंभ में	धनु	22.14 बजे से	सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
केतु	सिंह में	मकर	00.20 बजे से	वीरनिर्वाण संवत् 2552
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		कुंभ	02.06 बजे से	हिजरी सन् 1447
		मीन	03.39 बजे से	महीना जिलकाद तारीख 04
		मेष	05.09 बजे से	विशेष स्कन्द षष्ठी, पृथ्वी दिवस।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	06.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः कर्म का पाठ

दो भाई एक ज्योतिषी के पास गए। ज्योतिषी बड़ा अनुभवी था। उसने छोटे भाई से कहा, 'तुम्हें जल्दी ही राजगद्दी मिलने वाली है। तुम राजा बनोगे।' बड़े भाई से ज्योतिषी ने कहा, 'सावधान रहना। कोई बड़ी आफत आने वाली है।' एक बहुत खुश हुआ, दूसरा उदास हो गया। दोनों घर आ गए। बड़े भाई ने सोचा कि अगर विपत्ति आने वाली है तो क्यों न मैं पहले से ही संभल जाऊं। वह पूरी तरह जागरूक हो गया। छोटे भाई ने सोचा, 'अब चिंता की क्या बात है। राजगद्दी मिलने वाली है।' जिंदगी में जितने व्यसन थे, उसने उसमें और इजाफा कर दिया। बुरे कामों पर धन लुटाना शुरू कर दिया। वह दिन-रात नशे में धुत रहने लगा। अचानक एक दिन उस राज्य के राजा का पुत्र चल बसा। उसका कोई वारिस नहीं था। राजा ने सोचा कि वह चूंकि बूढ़ा हो चुका है, इसलिए भविष्य की कोई व्यवस्था करनी चाहिए। राजा ने योग्य उत्तराधिकारी की परीक्षा करने के लिए ढिंढोरा पिटवाया। दोनों भाई भी परीक्षा में शामिल हुए। परीक्षा में बड़ा भाई उत्तीर्ण हो गया। जब बड़ा भाई राजा बना तो छोटे को यह बात बड़ी अजीब लगी। वह भागा-भागा ज्योतिषी के पास आया। उसने कहा, 'आपने तो उलटी बात बता दी।' ज्योतिषी ने कहा, 'मैंने उलटी बात नहीं बताई थी। ठीक बताई थी। मुझे बताओ कि मेरी भविष्यवाणी के बाद तुम दोनों ने क्या-क्या किया?' बड़े भाई ने दोनों की राम कहानी सुनाई। ज्योतिषी ने कहा, 'अब बताओ इसमें मेरी भविष्यवाणी का क्या दोष? मैंने अपने आकलन के आधार पर जो ठीक समझा वह बताया। तुम ने बुरा आचरण किया। तुम्हें राज्य मिलने वाला था, किंतु बुरे आचरण के कारण स्थितियां बदल गईं। तुम्हारे बड़े भाई पर विपत्ति आने वाली थी किंतु इसने इतना अच्छा आचरण किया तो विपत्ति समाप्त हो गई और इसने राजा का पद प्राप्त किया। जैसा बोओगे वैसा ही काटोगे। भाग्य उन्हीं का साथ देता है जो अच्छे कर्म करते हैं।'

सूडोकु नवताल- 7489

★★★★☆ मध्यम

	9				4			
8	4			6		9		5
5		6	8	2		3		
	1	5	6	3			9	7
3	6			9	7	1	4	
		1		4	8	7		6
9		4		7			2	1
			2				8	

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7488 का हल

8	5	4	7	3	2	6	1	9
6	7	1	9	5	4	3	2	8
2	9	3	8	6	1	7	5	4
4	3	9	2	1	7	8	6	5
5	6	2	3	8	9	4	7	1
7	1	8	6	4	5	9	3	2
3	2	6	5	9	8	1	4	7
9	4	7	1	2	6	5	8	3
1	8	5	4	7	3	2	9	6

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8704

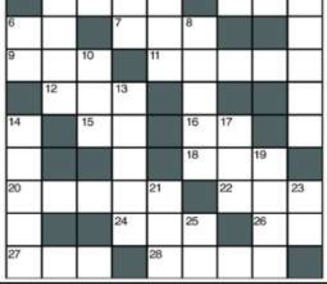

बाएँ से दाएँ

1. सुरक्षित,संरक्षित-4
4. उत्सुकता,जिज्ञासा-3
6. पिता के पिता-2
7. नमस्कार,प्रणाम-3
9. आखेट मंच-3
11. आत्मबलिदानी-5
12. प्लेट,तश्तरी-3
15. रहस्य,भेद-2
16. जी,चित्त-2
18. जुड़वा-3
20. मन का मिलना-5
22. नल,टोंटी-3
24. देवर्षि,देवमुनि-3
26. गुप्तचर,जासूस-2
27. गमन,विदा होना-3
28. ईश्वर,रब-4

ऊपर से नीचे

1. सद्चरित्रता-3
2. इच्छा,मर्जी-2
3. अंधकार,अंधेरा-3
5. धार्मिक आयोजन स्थल तक मंगल कलश ले जाना-5
6. मोल,कीमत,दर-2
8. नरक के समान-5
10. बेकार,अयोग्य-3
13. बुआई करना-2,3
14. विश्वविजेता, संसार जीतने वाला (उर्दू-5)
17. प्रणाम,नमस्कार-3
19. जल में रहने वाला-4
21. स्वर्ग का विलोम-3
23. छोटी सवारी गाड़ी-2
25. कीमत,भाव-2

शब्द पहेली -8703 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संगठन सृजन अभियान के तहत ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बहेला ने किया बैठकों का आयोजन

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र में कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर सशक्त बनाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे संगठन सृजन अभियान के तहत ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बहेला अध्यक्ष ऋषि पटेल दशरिया के द्वारा लगातार क्षेत्र की विभिन्न ग्राम पंचायतों में महत्वपूर्ण बैठकों का आयोजन किया जा रहा है यह आयोजन कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी एवं मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार तथा जिला कांग्रेस अध्यक्ष संजय उईके और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय सचिव हिना कावरे के मार्गदर्शन में आयोजित हो रही है। बैठकों में पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे। इसी बैठक में अध्यक्ष ऋषि पटेल एवं अन्य पदाधिकारियों के द्वारा पंचायत कांग्रेस कमेटी का गठन किया गया।

सिंगोला एवं मनेरी में पंचायत कांग्रेस कमेटी गठित

संगठन सृजन अभियान के तहत लगातार बैठको का दौर प्रारंभ है जिनमें पदाधिकारियों की कांग्रेस संगठन की रीति नीतियों के विषय में कार्यकर्ताओ को अवगत कराया जा रहा है साथ ही सभी पंचायत स्तरीय कांग्रेस कमेटी का गठन भी किया जा रहा है। जिसमें तहत 19 अप्रैल को मनेरी में बैठक आयोजित कर पंचायत कांग्रेस कमेटी मनेरी एवं कनेरी का गठन किया गया। बैठक में अध्यक्ष ऋषि पटेल दशरिया, पूर्व जनपद अध्यक्ष देवेन्द्र खोंगल, लिखेन्द्र उपराडे आईटीसेल जिला उपाध्यक्ष, मण्डलम अध्यक्ष जितेन्द्र गिरी गुड्डा महाराज, पिताराम आसटकर की उपस्थिती बैठक संपन्न हुई। जिसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष राकेश गिरी, राहुल मस्करे युवा कांग्रेस अध्यक्ष मनेरी, चोलेश्वर नवगड़े उपाध्यक्ष, बालकृष्ण सहारे उपाध्यक्ष सहित अन्य पदाधिकारी नियुक्त किये गये। इसी कड़ी 20 अप्रैल को ग्राम पंचायत सिंगोला में पंचायत कांग्रेस कमेटी का गठन किया गया जिसमें प्रमुख रूप ऋषि पटेल, जनपद उपाध्यक्ष अजय अवसरे, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी महासचिव विद्यावती ठकरेला, मण्डलम अध्यक्ष अरशद खान, राजू मेंढे, लिखेन्द्र उपराड़े, अजीत नागपुरे, योगदास नागपुरे, खेमराज ठकरेला की उपस्थिती में संगठन सृजन अभियान के तहत बैठक आहुत की गई। यहां सर्वसम्मति से अध्ययक्ष धनराज लिल्हारे, उपाध्यक्ष लिरेश बिसेन, घनश्याम कोहरे को नियुक्त किया गया है। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बहेला के अध्यक्ष ऋषि पटेल के द्वारा सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों से कहा कि अभियान का उद्देश्य संगठन को मजबूत करना, नए कार्यकर्ताओं को जोडना तथा पुराने कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार करना है। कार्यकर्ताओं को संगठन की नीतियों एवं उद्देश्यों की जानकारी दी। साथ ही बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त बनाने पर जोर दिया गया। इस दौरान नए सदस्यों को संगठन से जोडने के लिए विशेष सदस्यता अभियान भी चलाने कहा गया। आपने कहा कि संगठन की मजबूती ही किसी भी दल की सफलता का आधार होती है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे अधिक से अधिक लोगों को जोड़कर संगठन को मजबूत बनाएं। अभियान के अंतर्गत विभिन्न गांवों एवं वार्डों में भी जनसंपर्क किया जा रहा है, जिससे आम जनता को संगठन की विचारधारा से अवगत कराया जा सके। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

कराटे प्रशिक्षक तोषराम कनोजे को मिली बड़ी उपलब्धि, बने मध्यप्रदेश के मुख्य प्रशिक्षक

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी क्षेत्र के रहने वाले तोषराम कनोजे, जो वर्तमान में खेल एवं युवा कल्याण विभाग रीवा में जिला खेल प्रशिक्षक (कराटे कोच) के पद पर कार्यरत हैं, ने एक बार फिर अपनी मेहनत और प्रतिभा से जिले व प्रदेश का नाम रोशन किया है। इस बार उन्हें सीकोकाई कप नेशनल कराटे चैंपियनशिप के दौरान एक बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। दिल्ली में 17 से 19 अप्रैल 2026 तक आयोजित इस राष्ट्रीय चैंपियनशिप के दौरान कराते इंडिया ऑर्गेनाइजेशन के अध्यक्ष भरत शर्मा द्वारा तोषराम कनोजे को वर्ष 2026 के लिए मध्यप्रदेश का मुख्य प्रशिक्षक नियुक्त किया गया है। यह मान्यता उन्हें बालाघाट, रीवा तथा

पूरे मध्यप्रदेश में कराटे खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करने और खिलाड़ियों की ब्लैक बेल्ट सेकंड डिग्री तक की बेल्ट परीक्षा संचालित करने के लिए दी गई है। तोषराम कनोजे पिछले कई वर्षों से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी बेहतरीन कोचिंग और खिलाड़ियों के प्रदर्शन के जरिए मध्यप्रदेश का गौरव बढ़ाते रहे हैं। उनकी इस नई जिम्मेदारी से प्रदेश के कराटे खिलाड़ियों में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार हुआ है। कराटे प्रेमी और खेल जगत में इस उपलब्धि को लेकर हर्ष का माहौल है। यह मान्यता न केवल तोषराम कनोजे के व्यक्तिगत संघर्ष और समर्पण का प्रमाण है, बल्कि मध्यप्रदेश में कराटे खेल को नई दिशा और ऊंचाई देने का माध्यम भी साबित होगी।

रेत नहीं मिलने से विकास कार्यों के पहिए थमे

प्रशासन पंचायत स्तर पर रेत उपलब्ध कराएं-दिनेश लाड़े

पद्मेश न्यूज। लांजी। मध्यप्रदेश सहित संपूर्ण बालाघाट जिला खनिज संपदा से परिपूर्ण है। खनिज किसी भी राज्य के आर्थिक एवं सामाजिक विकास के लिये प्रकृति की अद्वितीय अक्षय निधी है। प्रदेश के समुचित एवं निरंतर विकास को सुनिश्चित करने हेतु खनिज संसाधन के दोहन हेतु खनिज नीति बनाई गई है। पिछले कुछ समय से निर्माण चक्र को गति प्रदान करने में सहायक खनिज रेत की अनुपलब्धता शासन द्वारा बनाई गई खनिज नीति पर ही प्रश्न चिन्ह लगाती है। विगत एक माह से रेत घाटों से रेत नही मिलने के कारण शासकीय एवं निजी निर्माण कार्य प्रभावित हो रहे है। जहां लांजी विकासखण्ड के अन्तर्गत लगभग 1200 प्रधानमंत्री आवास के मकान अपूर्ण है वहीं अटल सुशासन एवं सामुदायिक भवन जैसे बड़े निर्माण कार्य बंद पडें है। बतादे कि वित्तीय वर्ष का प्रथम पखवाड़ा जहां विकास कार्यों को गति मिलती है वहीं मजदूर बजट के लक्ष्य को साधने में सहायक होता है। खनिजों के परिवहन के लिये राज्य में चरण बद्ध नीति में ई परमिट पद्धति के माध्यम से विकास की लय को बरकरार रखा जा सकता है। रेत की कमी को लेकर तहसील स्तर पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व से चर्चा की गई तो उन्होने बताया कि यह राज्य शासन का मामला है और जिला कलेक्टर ही तय करेंगे। जनपद सभापति दिनेश लाड़े ने कहा कि यदि समय पर रेत खनिज की उपलब्धता नही होती तो निश्चित रूप से इन विकास कार्यो के पहिये थम जायेंगे या थम चुके है। अतः मेरा जिला प्रशासन से निवेदन है कि पंचायत स्तर पर रेत की उपलब्धता कराई जाये ताकि क्षेत्र में निरंतर विकास के कार्यो को गति मिल सके।

दो मोटर साइकिलों की आपस में भिड़न्त-तीन लोग घायल

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी क्षेत्र में दुर्घटनाओं को दौर थमने का नाम नहीं ले रहा है। विगत एक पखवाड़े की बात कि जाये तो प्रत्येक दिन कोई ना कोई छोटी-बड़ी सड़क दुर्घटनाऐं सामने आई हैं। कुछ सड़क हादसे तो इतने भीषण थे कि इनमे जनहानि तक देखने को मिली है। इन सड़क हादसो के पीछे या तो नशे की हालत में वाहनो को चलाना या नाबालिक बालक बालिकाओं के द्वारा बेधड़क वाहनो को सड़को पर दौडना जिसके चलते अनेको दुर्घटनाऐं घटित होती है। ऐसी ही एक और सड़क दुर्घटना 21 अप्रैल को लांजी भिलाई मार्ग पर ग्राम भुरसाडोंगरी एवं कालीमाटी के मध्य घटित हुई है जहां दो मोटर सायकल आपस में टकराई गई। घटना में तीन लोग घायल बताये जा रहे है जिनमे एक मासूम बालिका भी शामिल है। बताया जा रहा है 21 अप्रैल को शाम करीब 4 बजे के लगभग सुशील पिता पन्नालाल उइके उम्र 21 वर्ष निवासी बाघाटोला अपनी मोटर सायकल से बाघाटोला से लांजी की ओर आ रहा था, दुसरी ओर से राजेश पिता मुलचंद सोनवाने उम्र 35 वर्ष निवासी भुरसाडोंगरी अपनी पत्नि एवं दो मासूम बच्चो के साथ लांजी से भुरसाडोंगरी अपने अपनी मोटर सायकल में जा रहा था जैसे ही दोनो ही मोटर सायकल ग्राम भुरसाडोंगरी एवं कालीमाटी के मध्य पंहुची दोनो में जबरदस्त भिडंत हो गई, दोनो ही मोटर सायकल में सवार लोग मोटर सायकल सहित जमीन पर गिर गये। घटना स्थल पर मौजूद स्थानीय लोगो के द्वारा डायल 112 को सूचित कर बुलाया गया, जहां डायल 112 में पदस्थ पुलिस कर्मी घटना स्थल पर पंहुचे एवं सभी घायलों को लेकर सिविल अस्पताल लांजी लाया जाकर भर्ती कराया गया। घायलों में सुशील पिता पन्नालाल उइके निवासी बाघाटोला, राजेश पिता मूलचंद सोनवाने निवासी भुरसाडोंगरी, संगीता पति राजेश सोनवाने, तथा दो मासूम बालिकाऐं वैशाली एवं दीक्षिका को चोटे आई है जिनका उपचार डाक्टर्स एवं स्टाफ के द्वारा किया गया। घटना के संबध में तहरीर बहेला पुलिस को दी गई।

निर्धन परिवार को भेंट की गई अंत्येष्ठि उपरान्त सहायता राशि एवं सामग्री

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। महावीर इंटरनेशनल ग्रुप किरनापुर की टीम द्वारा आज ग्राम की एक गरीब महिला कमला बाई की अन्त्येष्टि उपरांत उनके परिवार को तेरहवीं के कार्यक्रम हेतु संपूर्ण भोजन सामग्री चावल ,पूर्ण सब्जी , दाल,किराना सामग्री खरीद कर परिवार को प्रदान की गई। यह सेवा कार्य महावीर इंटरनेशनल ग्रुप किनापुर के वरिष्ठ पदाधिकारियों के मार्गदर्शन में किया गया जिसमे सभी का सहयोग प्राप्त हुआ सभी ने इस सहयोग हेतु मुक्त हस्त से अपना सहयोग प्रदान किया।

जिस पर कमलेश कनोजे महावीर इंटरनेशनल मानव सेवा संस्थान किरनापुर अध्यक्ष द्वारा सभी वरिष्ठ सदस्यों को हृदय से धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया गया। इस सेवाभावी कार्य में जिन्होंने सहयोग किया उनमें वीर राजेंद्र श्रीवास्तव,वीर लखन यादव ,वीर रोहित सोनी ,वीर ओपी मिश्रा,वीर डीडी मेश्राम ,वीर धर्मेंद्र बराडे ,वीर नन्दलाल भगत ,वीर बृजेश अग्रवाल जी, वीर मंगल प्रसाद रैकवार,वीर धानसिं बोपचे, वीर कृष्ण कुमार भावन्थडे ,वीर महेंद्र तिवारी चिंटू जी ,वीर किशोर तिवारी, वीर शाहिद ताजर सिंपी भाई सचिव महावीर इंटरनेशनल ,वीर रितेश उपवन्शी ,वीर राजेश भूते,महेंद्र तारन ,वीर प्रणय सिंह चौहान,वीर सुमित रहेकवार वीर कमलेश कनोजे महावीर इंटरनेशनल ग्रुप किनापुर के अध्यक्ष एवं भोला ब्रम्हे जी का इस सेवा कार्य में सहयोग रहा । जानकारी देते हुए वीर कमलेश कनोजे ने बताया कि महावीर इंटरनेशनल ग्रुप सेवा के लिए जाना जाता है इस ग्रुप ने पूर्व में भी अनेकों सेवा कार्य किया है जिसमें निःशुल्क मोतियाबिंद का ऑपरेशन चश्मे दवाइयां फ्री अनेकों मेडिकल कैंप ,बच्चों के लिए किताबें बैग उपलब्ध करवाना जरूरत मंद लोगो की सेवा कार्य ही इनका उद्देश्य है जीव दया हेतु पक्षियों के लिए सकोरे लगाना चौक चौराहे पर पानी प्याऊ की व्यवस्था करना और समय समय पर लोगो के साथ पर्यावरण को संरक्षित करने हेतु पौधों का रोपण और संरक्षण करना इनकी प्राथमिकता रही हैं कोविड जैसी महामारी में हमारे महावीर इंटरनेशनल ग्रुप किरनापुर के अध्यक्ष और ग्रुप के सदस्यों ने हर संभव जनता की मदद की जो भुलाई नहीं जा सकती इस क्रम में अध्यक्ष कमलेश कनोजे जी ने बताया कि हमारे ग्रुप द्वारा अभी और भी अनेकों कार्य करने है वर्तमान में हमारी एक अच्छी टीम गठित हुई है जो समय समय पर अच्छे और सर्व हितार्थ कार्य सामाजिक कार्य करते रहेगी।

बालाघाट में बोर्ड परीक्षा परिणाम की समीक्षा बैठक आयोजित, उत्कृष्ट विद्यालयो का हुआ सम्मान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में कक्षा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा परिणामों की समीक्षा के लिए 21 अप्रैल को एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का संचालन जिला शिक्षा अधिकारी श्री ए. के. उपाध्याय द्वारा किया गया, जो सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बालाघाट के सभा कक्ष में संपन्न हुई। इसमें जिले के सभी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों एवं हाई स्कूलों के प्राचार्य उपस्थित रहे। बैठक में कक्षा 10वीं एवं 12वीं के परीक्षा परिणामों की विस्तार से समीक्षा की गई। जिला शिक्षा अधिकारी श्री उपाध्याय ने निर्देश दिए कि अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों को शत-प्रतिशत द्वितीय परीक्षा में शामिल कराया जाए, ताकि उनके परिणाम में सुधार हो सके। इसके अलावा बैठक में कई अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा हुई, जिनमें सामान्य मरम्मत सत्र 2022-24 एवं 2024-25, फर्नीचर सत्यापन, समग्र शिक्षा अभियान, पीएमश्री योजना, छात्र नामांकन, पाठ्यपुस्तक वितरण, निःशुल्क साइकिल वितरण, पेंशन, सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों की वेतनवृद्धि, समेकित छात्रवृत्ति, बैंक खाते अपडेट करना, न्यायालय के आदेशों का पालन एवं

शिक्षकों के स्वत्वों का समय पर भुगतान शामिल रहे। साथ ही जल गंगा संवर्धन कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं और गतिविधियों के आयोजन के निर्देश भी दिए गए। कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यालयों को सम्मानित किया गया। कक्षा 10वीं में 100 प्रतिशत परिणाम देने वाले जिले के 71 विद्यालयों एवं कक्षा 12वीं में 20 विद्यालयों के प्राचार्यों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। बैठक का उद्देश्य जिले में शिक्षा की गुणवत्ता को और बेहतर बनाना तथा आगामी परीक्षाओं में बेहतर परिणाम सुनिश्चित करना रहा।

कलेक्टर नें की विद्युत विभाग की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में 21 अप्रैल को ऊर्जा विभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभागीय अधिकारियों तथा उपस्थित वेंडर्स के साथ प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की प्रगति पर विस्तार से समीक्षा की गई। इस दौरान अधीक्षण अभियंता अमित कुमार, अग्रणी बैंक प्रबंधक संजीव कुमार, अक्षय ऊर्जा विभाग के श्री करण परीमल तथा पीएम सूर्य घर योजना के वेंडर्स उपस्थित रहे। बैठक में सर्वप्रथम पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की विस्तार से चर्चा की गयी। अधीक्षण अभियंता अमित कुमार ने बताया कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत जिले ो वर्ष 2025-26 के लिए विभाग द्वारा सर्वेक्षण किए गए घरो में कुल 7000 का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिसके अंतर्गत अभी तक 1023 सोलर रूफटॉप कनेक्शन स्थापित किए जा चुके है। कलेक्टर श्री मीना ने इस पर कार्यपालन अभियंताओं को निर्देश दिए कि वे वितरण केंद्र स्तर पर उपभोक्ताओं से संपर्क बढ़ाकर लक्ष्य पूर्ति में प्रगति लाए। साथ ही कैंप आयोजित कर उपभोक्ताओं को सोलर संयंत्र लगाने के लिए प्रेरित करने तथा बैंकों के माध्यम से ऋण उपलब्ध कराने के लिए समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए। कुसुम-बी योजना की समीक्षा के दौरान अग्रणी बैंक प्रबंधक को सोलर पंप स्थापना के लंबित ऋण प्रकरणों को शीघ्र स्वीकृत कराने के निर्देश दिए गए। आरडीएसएस योजना की समीक्षा के दौरान कार्यों की गुणवत्ता की जांच व्यापक स्तर पर करने एवं समय-सीमा में कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। वहीं धरती आबा योजना के कार्यों को समय-सीमा के भीतर पूर्ण करने पर जोर दिया गया। बिजली आपूर्ति की समीक्षा

के दौरान जिले की सभी तहसीलो में वोल्टेज संबंधी शिकायतों को तत्काल दूर करने तथा आगामी ग्रीष्मकालीन विद्युत भार को ध्यान में रखते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबैंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

पिछले 124 वर्ष में भोजशाला का कई बार सर्वे..हर बार मूर्तियां और पत्थरों पर संस्कृत में उकेरे श्लोक मिले

इंदौर। मध्यप्रदेश के धार जिले में स्थित ऐतिहासिक भोजशाला मामले में चल रही सुनवाई में हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ के समक्ष भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने तर्क रखने शुरु किए। एएसआई की ओर से एडिशनल सॉलिसिटर जनरल वरिष्ठ अधिवक्ता सुनील जैन ने हाई कोर्ट को बताया कि पिछले 124 वर्ष में भोजशाला का कई बार सर्वे हो चुका है।एएसआई ने वर्ष 1902-03 में भोजशाला का सर्वे किया था। इसके अलावा भी निजी स्तर पर कई अन्य सर्वे हुए। एएसआई सहित सभी सर्वे में भोजशाला से मूर्तियां और पत्थरों पर संस्कृत में उकेरे श्लोक मिले हैं। कोर्ट ने वर्ष 2024 में एएसआई को अत्याधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल कर सर्वे के लिए आदेशित किया गया था। इसकी रिपोर्ट प्रस्तुत की जा चुकी है। पूर्व के सर्वे की तरह इस बार भी सर्वे में मूर्तियां और संस्कृत में लिखे श्लोक मिले हैं। एडवोकेट जैन ने उन पुस्तकों का उल्लेख भी किया, जिनमें भोजशाला के इतिहास की जानकारी दी गई है। वहीं एएसआई की ओर से बताया गया कि भोजशाला को वर्ष 1908 में ही पुरातत्व महत्व की इमारतों की सूची में शामिल किया गया था। वर्ष 1958 में भोजशाला को संरक्षित भवन की सूची में शामिल किया गया। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान सवाल उठाया कि भोजशाला और कमाल मौला मस्जिद का नाम किस दस्तावेज में सबसे पहले आया, क्या इस बारे में कभी कोई नोटिफिकेशन जारी हुआ था। इस पर आनलाइन जुड़े हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस के वकील ने बताया कि वर्ष 2003 में प्रस्तुत एक याचिका में इसका उल्लेख किया गया था। एएसआई की ओर से इस संबंध में वर्ष 1958 में जारी गजट का उल्लेख किया।

आदि शंकराचार्य के वैश्विक संवाहक बनें युवा, 700 शंकरदूतों ने लिया एकात्मता का संकल्प

इंदौर/ओंकारेश्वर। भारत की सांस्कृतिक चेतना के पुनरुद्धार और अद्वैत वेदांत के लोकव्यापी प्रसार के संकल्प के साथ ओंकारेश्वर में शंकर प्राकट्योत्सव एकात्म पर्व का मंगलवार को गरिमामय समापन हुआ। जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि एवं चिन्मय मिशन के पूर्व वैश्विक प्रमुख स्वामी तेजोमयानंद सरस्वती के पावन सानिध्य में आयोजित इस समारोह में देश-विदेश के 700 से अधिक युवाओं को शंकरदूत के रूप में दीक्षित किया गया। समारोह को वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित करते हुए जगद्गुरु श्रृंगेरी शंकराचार्य विधुशेखर भारती ने कहा कि वर्तमान समय में ऐसे प्रकल्पों की महती आवश्यकता है, जो आदि शंकराचार्य के कालजयी विचारों को वैश्विक स्तर तक पहुँचाएं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार आचार्य शंकर ने भारत को सांस्कृतिक सूत्र में पिरोया था, उसी दर्शन को अब विश्व पटल पर प्रभावी रूप से प्रस्तुत करना युवाओं का उत्तरदायित्व है। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने कहा कि ओंकारेश्वर की पावन धरा पर ही आचार्य शंकर को गुरु गोविंदपाद मिले और यहीं से अद्वैत की धारा प्रवाहित हुई। मध्यप्रदेश शासन 2400 करोड़ की लागत से ओंकारेश्वर को एकात्मता के वैश्विक केंद्र के रूप में विकसित कर रहा है। यहाँ 108 फीट ऊंची एकात्मता की मूर्ति और अंतरराष्ट्रीय अद्वैत वेदांत संस्थान की स्थापना का कार्य तीव्र गति से जारी है।

हीटवेव की चपेट में देश के कई राज्य...महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ में ट्रैफिक पुलिस की ड्यूटी का समय बदला; मजदूर दोपहर में काम नहीं करेंगे

भोपाल/लखनऊ/जयपुर/रायपुर/दिल्ली। देश के मैदानी इलाकों में तेज गर्मी जारी है। राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, ओडिशा और दिल्ली में कई जगह पारा 44 डिग्री पार पहुंच गया है। कई जगह लू का भी अलर्ट है। मध्य प्रदेश के भोपाल में पहली बार रात में लू चलने की चेतावनी दी गई है। भोपाल, छिंदवाड़ा, मंडला, नर्मदापुरम, ग्वालियर, रतलाम और छतरपुर समेत 16 जिलों में लू चलने के आसार हैं। उत्तर प्रदेश में प्रयागराज में 44.4 डिग्री के साथ देश में सबसे गर्म रहा। राज्य में गर्मी को देखते हुए 8वीं तक के स्कूलों का टाइम बदल दिया गया है। झारखंड में भी आज से स्कूलों के समय में बदलाव किया है। महाराष्ट्र के गोंदिया और छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में सोमवार को पारा 43 डिग्री दर्ज हुआ। दोनों जिलों में दोपहर 12:30 बजे से 4 बजे तक ट्रैफिक सिग्नल बंद कर दिए गए हैं, ताकि लोगों को चौराहों पर धूप में खड़ा न रहना पड़े। दोनों ही राज्यों में दोपहर 12 से 4 बजे तक धूप में काम करने पर रोक लगा दी गई है। ट्रैफिक पुलिसकर्मियों के काम के घंटे बदलकर सुबह 6 से 11 और शाम 4 से 8 बजे कर दिए गए हैं। कंस्ट्रक्शन वर्कर, स्ट्रीट वेंडर भी इसी वक्त काम करेंगे। असम की राजधानी गुवाहाटी के खानापारा इलाके में 21.59 सेमी बारिश दर्ज की गई। गुवाहाटी में मूसलाधार बारिश के बाद सोमवार को बाढ़ जैसे हालात बन गए, जिससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ और एक महिला की मौत हो गई। हालात को देखते हुए सभी स्कूल बंद कर दिए गए हैं। पूर्वोत्तर भारत में अगले 15 दिनों में एशिया में सबसे ज्यादा बारिश होने की संभावना है। विशेषज्ञों के अनुसार, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय और नगालैंड में इस हफ्ते भारी बारिश की आशंका है। अनुमान है कि 20 से 22 अप्रैल के बीच कई इलाकों में तेज बारिश होगी, जबकि 23 अप्रैल को थोड़ी राहत मिल सकती है, लेकिन 24 अप्रैल से फिर बारिश की तीव्रता बढ़ने के आसार हैं। मौसम विभाग ने मंगलवार को मध्य प्रदेश, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, छत्तीसगढ़, ओडिशा और महाराष्ट्र के विदर्भ में रात में भी लू चलने का अलर्ट जारी किया है।

महिला आरक्षण पर वसुंधरा के कथित पत्र से बवाल

कांग्रेस कार्यकर्ताओं की हिरासत पर भड़के तन्खा,जल्द छोड़ें वरना...

रास, भोपाल। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया के नाम से वायरल हुए एक कथित पत्र को लेकर सियासी विवाद गहरा गया है। कांग्रेस का आरोप है कि इस पत्र के सोशल मीडिया पर प्रसार के मामले में पुलिस ने पार्टी के कुछ कार्यकर्ताओं पर एफआईआर दर्ज की है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सदस्य विवेक तन्खा ने इस मामले को लेकर सोशल मीडिया पर लिखा कि पार्टी के तीन कार्यकर्ताओं को छोड़ा जाए, नहीं तो वे हाईकोर्ट जाएंगे। तन्खा ने कहा कि मध्यप्रदेश साइबर पुलिस ने कांग्रेस आईटी सेल के तीन कार्यकर्ताओं को बिना किसी कारण के हिरासत में रखा

गया है। तन्खा ने लिखा कि जिस कथित पत्र को आधार बनाकर यह कार्रवाई की जा रही है, वह 15-16 अप्रैल से सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित हो रहा था और लाखों लोगों द्वारा देखा व साझा किया जा चुका था। बाद में 18 अप्रैल को वसुंधरा राजे ने स्वयं इसे फर्जी बताते हुए ट्वीट किया। उन्होंने लिखा कि हिरासत में लिए गए कार्यकर्ताओं को जल्द रिहा नहीं किया गया, तो उनके अधिवक्ता हाईकोर्ट में इस कार्रवाई को चुनौती देंगे। तन्खा ने आरोप लगाया कि राजस्थान पुलिस के नाम पर मध्यप्रदेश कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को डिटेन करना आपत्तिजनक है। हालांकि भोपाल पुलिस और मध्य प्रदेश सायबर पुलिस ने इस मामले में किसी को भी हिरासत में लेने या एफआईआर दर्ज करने की बात से इंकार किया है।

नारी वंदन...कांग्रेस का काउंटर अटैक, बीजेपी बना रही जिलों में उतरने का प्लान

मध्यप्रदेश में महिला आरक्षण मामला गरमा गया है। बीजेपी के शक्ति प्रदर्शन के बाद अब कांग्रेस नेत्रियों ने मोर्चा संभाला है। कांगेस की ओर से राष्ट्रीय प्रवक्ताओं को मैदान में उतारा गया है जो बीजेपी के आरोपों का जवाब देंगी। दूसरी ओर बीजेपी इस मामले में अब जिलों से लेकर ग्रामीण स्तर तक जाने की तैयारी कर रही है। इसे लेकर बीजेपी के वरिष्ठ नेता प्लानिंग कर रहे हैं।

नारी आक्रोश... सम्मान पर संग्राम...

राजनीतिक संवाददाता, भोपाल। महिला आरक्षण के मुद्दे पर प्रदेश में सियासी हलचल जारी है। कांग्रेस ने इस मुद्दे पर आक्रामक रुख अपनाते हुए अपनी राष्ट्रीय प्रवक्ताओं को मैदान में उतार दिया है, जबकि भाजपा जिलों और मंडलों में आक्रोश रैलियों की रणनीति बनाने में जुट गई है। दोनों दल इस मुद्दे को लेकर अपने-अपने तरीके से जनता के सामने अपनी बात और आक्रोश प्रकट कर रहे हैं। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता रागिनी नायक आज भोपाल में और शिल्पी अरोरा इंदौर में पत्रकार वार्ता कर रही हैं। इन प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए पार्टी, भाजपा पर महिला आरक्षण के मुद्दे पर हमला बोल रही है। कांग्रेस का आरोप है कि भाजपा महिला आरक्षण के नाम पर जनता को गुमराह कर रही है। केंद्र सरकार वर्ष 2023 में पारित महिला आरक्षण बिल के अनुसार लोकसभा की वर्तमान सीटों पर आरक्षण लागू कर सकती है। इसके लिए कांग्रेस तैयार है।

दूसरी ओर भाजपा भी इस मुद्दे पर सक्रिय है, सोमवार को जहां भोपाल में आक्रोश पदयात्रा निकाल कर भाजपा ने प्रभावी प्रदर्शन किया। वहीं अब जिला और मंडल स्तर पर आंदोलन की तैयारी की जा रही है। पार्टी की महिला मोर्चा अध्यक्ष अश्विनी परांजपे ने कहा है कि आज पार्टी में यह तय कर लिया जाएगा कि प्रदेश के किन जिलों और मंडलों में कब-कब प्रदर्शन किए जाएंगे। इसके लिए चरणबद्ध कार्यक्रम तैयार किया जा रहा है। भाजपा का फोकस इस मुद्दे को जनस्तर पर ले जाने का है, जबकि कांग्रेस प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए सरकार को घेरने में जुटी है। गौरतलब है कि सोमवार को भी कांग्रेस और भाजपा ने इस मामले में एक दुसरे पर हमले किए थे। भाजपा ने जहां आक्रोश पदयात्रा भोपाल के एमवीएम मैदान से लेकर रोशनपुरा तक रोष व्यक्त करने सड़कों पर उतरी थी। इसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सहित प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और हजारों की संख्या में महिलाएं शामिल हुई थी। इस आयोजन से पहले सभा हुई थी। जिसमें मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष ने कांग्रेस सहित विपक्ष पर महिला आरक्षण बिल लोकसभा में पास नहीं होने देने पर जमकर आरोप लगाए हुए, इनके नेताओं को आड़े हाथों लिया था। वहीं सोमवार को ही इंदौर और भोपाल में पत्रकार वार्ता कांग्रेस ने की थी। राष्ट्रीय महिला कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष शोभा ओझा ने भोपाल में कहा था कि महिला आरक्षण से जुड़े संशोधन विधेयक पर हुए मतदान ने यह स्पष्ट कर दिया कि देश अब विभाजनकारी राजनीति को स्वीकार नहीं करेगा। कांग्रेस के साथ पूरा विपक्ष महिला आरक्षण के पक्ष में एकजुट है। हमारी मांग है कि महिलाओं को आरक्षण 2023 में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के तहत आरक्षण दिया जाए।

सिविल सर्विस डे...

भोपाल। सिविल सर्विस डे पर मंगलवार को प्रशासन अकादमी में वित विभाग के अपर सचिव रूपेश कुमार पडवार, अपर सचिव अभय बोरकर को बजट साहित्य में नवाचार के लिए मुख्यमंत्री उत्कृष्ट सम्मान दिया गया।

तमिलनाडु चुनाव प्रचार का अंतिम दिन

महिला आरक्षण पर DMK के प्रचार का सच बताएंगे CM

राजनीतिक संवाददाता,भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मंगलवार को तमिलनाडु में डीएमके और कांग्रेस गठबंधन पर जमकर बरसने पहुंचे हैं। यहां पर वे एक दिवसीय चुनावी दौरे पर हैं। वे रासीपुरम और अविनाशी विधानसभा क्षेत्रों में पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में प्रचार करेंगे। यहां पर चुनाव प्रचार का आज अंतिम दिन है। पिछले दो दिनों से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव लगातार डीएमके और कांग्रेस दोनों पर हमलावर हैं। तय कार्यक्रम के अनुसार, मुख्यमंत्री दोपहर में कोयंबटूर पहुंचेंगे और वहां से रासीपुरम विधानसभा क्षेत्र जाएंगे। यहां वे स्थानीय पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करेंगे और चुनावी रणनीति पर चर्चा करेंगे। इसके बाद शाम 4:30 बजे मुख्यमंत्री अविनाशी विधानसभा क्षेत्र पहुंचेंगे, जहां वे पहले पत्रकार वार्ता करेंगे। इसके बाद वे भाजपा प्रत्याशी डॉ. एल मुरूगन के समर्थन में प्रचार करेंगे। मुरूगन मध्य प्रदेश से राज्यसभा सदस्य भी हैं।

अलगाववादी मानसिकता की पार्टी

रविवार को भोपाल स्थित प्रदेश भाजपा कार्यालय में महिला आरक्षण को लेकर आयोजित पत्रकार वार्ता में उन्होंने डीएमके को अलगाववादी मानसिकता वाली पार्टी करार देते हुए महिला आरक्षण के मुद्दे पर उसकी भूमिका पर सवाल उठाए थे। कांग्रेस पर भी वे लगातार हमले कर रहे हैं।

सिंगरौली डकैती के बाद जागा PHQ

प्रदेश भर के बैंकों का होगा सिक्योरिटी ऑडिट पुलिस कप्तानों को निर्देश

भोपाल। सिंगरौली बैंक डकैती के बाद अब पुलिस मुख्यालय के अफसर सक्रिय हुए हैं और प्रदेशभर में बैंकों की सुरक्षा व्यवस्था की जांच के निर्देश दिए हैं। सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों को अपने-अपने क्षेत्र में संचालित बैंकों का सिक्योरिटी ऑडिट करने के लिए कहा गया है। दरअसल, सिंगरौली जिले के बैढ़न स्थित बैंक ऑफ महाराष्ट्र में शुक्रवार को हुई डकैती में बदमाश 5.5 करोड़ रुपये से अधिक का सोना और करीब 20 लाख रुपये नकद लूटकर फरार हो गए। घटना के बाद सामने आया कि बैंक में सिक्योरिटी को लेकर कई खामियां थी। वहीं पुलिस को सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचने में करीब 20 मिनट का समय लग गया। रास्ते में चेकिंग व्यवस्था भी नाकाफी रही, जिससे आरोपी आसानी से फरार हो गए।

इधर डकैतों का नहीं मिल रहा सुराग

सिंगरौली में हुई घटना के बाद डीजीपी कैलाश मकवाना ने स्वयं वहां पहुंचकर मोर्चा संभाला था। इसके बाद भी अब तक सिर्फ एक आरोपी ही पुलिस के हत्थे चढ़ सका है। बाकी के आरोपियों की तलाश में दर्जन भर से ज्यादा टीम लगी हुई हैं।

इन खामियों पर फोकस

कितने बैंकों में सिक्योरिटी गार्ड तैनात हैं जहां हैं, उनके पास हथियार है या नहीं। गार्ड का पुलिस वेरिफिकेशन हुआ या नहीं। बैंकों में लगे सीसीटीवी कैमरों की स्थिति और गुणवत्ता कैसी है, सही जगह लगे हैं या नहीं, रिकॉर्डिंग स्पष्ट है या नहीं। बैंक के आसपास लगे अन्य सीसीटीवी कैमरों को भी जांच के दायरे में लाया गया है, ताकि जरूरत पड़ने पर उनकी फुटेज का उपयोग किया जा सके। सिक्योरिटी अलार्म सिस्टम भी जांच के केंद्र में रहेगा। यह देखा जाएगा कि अलार्म काम कर रहा है या नहीं और उसकी आखिरी बार जांच कब हुई थी। इन सभी बिंदुओं पर रिपोर्ट तैयार कर मुख्यालय को भेजने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रीतम लोधी की दबंगई पर 'खामोश' भाजपा की अनुशासन समिति, अब तक वीडियो ही नहीं देखा!

भोपाल। शिवपुरी जिले में करैरा में राहगीरों को टक्कर मारने के बाद चर्चा में आए पिछोर विधायक के पुत्र दिनेश लोधी पर पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई के बाद विधायक प्रीतम लोधी की दबंगई का वीडियो वायरल है। इस वीडियो में वह करैरा एसडीओपी के पद पर पदस्थ आईपीएस अधिकारी डॉ. आयुष जाखड़ को धमकी भरे अंदाज में यह कहते हुए नजर आ रहे हैं कि क्या करैरा तुम्हारे डैडी की है..? मैं तुम्हें कहना चाहता हूं वह करैरा आएगा भी और चुनाव भी लड़ेगा, तेरे डैडी में दम हो तो रोक लेना। मैं कहना चाहता हूं एसडीओपी महोदय से हमारा इतिहास भी देख लेना। मैं एसडीओपी के बंगले को 10,000 आदमी ले जाकर गोबर से भरवा दूंगा...। बेटे की करतूत और फिर विधायक की एसडीओपी से बदमिजाजी पर भाजपा की खामोशी सवाल खड़े कर रही है। इसे लेकर कांग्रेस भी भाजपा के चाल चरित्र पर सवाल उठा रही है। इसके बाद भी भाजपा की अनुशासन समिति की ओर से मामले पर कोई कार्रवाई न किया जाना सियासी गलियारों की सुर्खियों में है। इससे पहले बेतुके बयानों और नेतापुत्रों के कारनामों को लेकर भाजपा ने सख्ती दिखाते हुए कार्रवाई की थी लेकिन इस मामले में चुप्पी सवालों के घेरे में है। हालांकि सूत्रों की ओर से यह जानकारी मिली है कि पार्टी में मामले पर वरिष्ठ नेताओं के बीच बातचीत चल रही है। मामले में जल्द ही कोई एक्शन देखने को मिलेगा।

तब विधायक ने कहा था जनता सर्वोपरि

बता दें कि करैरा कस्बे में 16 अप्रैल को पिछोर विधायक प्रीतम लोधी के पुत्र दिनेश लोधी अपनी थार कार से थाने के पास स्थित जिम जा रहे थे। इसी दौरान उन्होंने तेजी व लापरवाही से कार चलाते हुए राहगीरों को टक्कर मार दी थी। हादसे में संजय परिहार अशीष परिहार, अंशुल परिहार, सीता वर्मा, पूजा सोनी घायल हो गए थे। संजय परिहार की शिकायत पर आरोपित दिनेश लोधी के खिलाफ पुलिस ने आपराधिक प्रकरण कायम कर विवेचना में लिया है। तब प्रीतम लोधी ने सोशल मीडिया पर जनता सर्वोपरि लिखकर पुलिस को अपना काम करने की बात कही थी।

इनकम घटने से हरकत में सरकार

सभी कृषि मंडियों में अवैध भंडारण और शुल्क चोरी रोकने होगी सख्त निगरानी

भोपाल। प्रदेश की 241 कृषि उपज मंडियां वार्षिक मंडी फीस लक्ष्य प्राप्त करने में असफल रही है। इन सभी मंडी समितियों के सचिवों को निर्देशित किया गया है कि वे मंडियों के क्षेत्रों के गोदाम, प्रतिष्ठान, प्रसंस्करण इकाईयों का नियमित सघन निरीक्षण कर अवैध भंडारण, अपंजीकृत संव्यवहार एवं मंडी शुल्क चोरी की जांच करें। कृषि उपज के परिवहन पर सतत निगरानी कर मंडी शुल्क की शत प्रतिशत वसूली सुनिश्चित करें। मंडी बोर्ड के प्रबंध संचालक कुमार पुरुषोत्तम ने सभी मंडी सचिवों को निर्देशित किया है कि निर्धारित लक्ष्य की पूर्ति में शिथिलता, उदासीनता अथवा लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध व्यक्तिगत उत्तरदायित्व निर्धारित कर कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। आवंटित मंडी फीस आय लक्ष्य की शतप्रतिशत पूर्ति हेतु तत्काल प्रभाव से ठोस, प्रभवी एवं परिणामोन्मुखी कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहा गया है वित्तीय वर्ष की शेष अवधि के लिए शेष लक्ष्य का दैनिक आधार पर विभाजन कर प्रत्येक दिवस का स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करने और उसकी दैनिक समीक्षा करने के निर्देश भी उन्होंने दिए है। सभी मंडियों को मंडी शुल्क वसूली के लिए वार्षिक लक्ष्य दिए गए है और इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए मंडियों के बाहर बिक रहे अनाज की जांच कर कार्यवाही करने को कहा गया है। प्रसंसकरण इकाईयों का निरीक्षण करने, गोदामों, भंडारगृहों का निरीक्षण कर ऐसे अनाज जिन्हें बेचा जाना है या बेचा गया बताया गया है और मंडी शुल्क नहीं दिया गया है इसमें जांच कर कार्यवाही करने को कहा गया है।

यहां लक्ष्य का 50% भी पूरा नहीं

रेहटी मंडी लक्ष्य से 57.81% पीछे रही है। सुठालिया मंडी 120.3 %, बनखेड़ी 52.86 %, बाबई 59.83% इंदौर 54.32% ,मंदसौर51.84 %, पिपल्या 57.58%, भानपुरा178.93%, सुवासरा 152.74%, मऊसी 59.81%, रतौद 217.84% सबलगढ़ 50.26%, जौरा 100.67%, बानमौरकला 277.37%, विजयपुर 53.04%, पलेरा 63.61% सिहोरा 52.15 %, बालाघाट 56.20%, परसवाड़ा 50.50%,सौसर 58.04, डिंडौरी 56.07% वार्षिक लक्ष्य से पीछे रही है।

भाजपा प्रशिक्षण कार्यक्रम पर दिग्विजय का ऐतराज

डेली कॉलेज में कार्यक्रम गलत...किसने दी मंजूरी?

भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने इंदौर के डेली कॉलेज में बुधवार को होने जा रहे भाजपा के प्रशिक्षण कार्यक्रम पर ऐतराज जताया है। उन्होंने कहा कि कॉलेज परिसर, नाम और प्रतिष्ठा का उपयोग भाजपा, आरएसएस तथा उनसे जुड़े संगठनों के कार्यक्रम के लिए किया जाना आपत्तिजनक है। इससे कॉलेज की गरिमा, निष्पक्षता और स्वतंत्र पहचान को गंभीर क्षति पहुंची है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि डेली कॉलेज जैसे ऐतिहासिक संस्थान, जिसकी 140 वर्षों से अधिक की परंपरा रही है, उसे किसी भी राजनीतिक या वैचारिक गतिविधि के लिए उपयोग करना अनुचित है। कई अवसरों पर कॉलेज परिसर राजनीतिक कार्यक्रमों से जुड़ा हुआ दिखाई देता है और एक विशेष राजनीतिक विचारधारा के कार्यक्रमों के लिए उपयोग किया जा रहा है।

बोर्ड ऑफ गवर्नर्स से मांगी सफाई

दिग्विजय सिंह ने सितंबर 2025, 4 अक्टूबर 2025, 1 फरवरी और 22 अप्रैल 2026 को प्रस्तावित कार्यक्रमों का उल्लेख करते हुए कहा कि यह अब एक नियमित पैटर्न बनता जा रहा है, जो चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि इससे यह संदेश जा रहा है कि कॉलेज किसी विशेष राजनीतिक धारा के करीब खड़ा दिखाई दे रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कॉलेज के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष से इस मामले में स्पष्टीकरण मांगा है। उन्होंने पूछा- किन परिस्थितियों में ऐसे कार्यक्रमों की अनुमति दी गई, क्या इसके लिए कोई औपचारिक स्वीकृति प्रक्रिया अपनाई गई।

कल देश भर के 350 वक्ताओं की ट्रेनिंग

बुधवार को डेली कॉलेज परिसर में भाजपा के दीनदयाल प्रशिक्षण महाअभियान के तहत मध्य प्रदेश सहित महाराष्ट्र, मुंबई, गोवा, छत्तीसगढ़, दमन-दीव और दादरा नगर हवेली के करीब 350 चयनित वक्ताओं को प्रशिक्षण दिए जाने का कार्यक्रम है।

बीसीसीआई एक साथ दो टी20 टीमें उतरने की योजना बना रहा

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अब दो दो अलग-अलग टी20 टीमें बनाने पर विचार कर रहा है। जिससे की व्यस्त कार्यक्रम के दौरान एक साथ दो टीमों को खेलने भेजा जा सके। इस साल भारतीय टीम को कई अंतरराष्ट्रीय आयोजनों, जैसे एशियाई खेल और वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज खेलने हैं और इस दौरान तारीखों में टकराव की संभावना है। इसके अलावा बोर्ड चाहता है कि देश में जिस प्रकार से उभरती हुई प्रतिभाएं सामने आ रही हैं। ऐसे में दो टीमें बनाने से अधिक से अधिक खिलाड़ियों को अवसर दिया जा सकेगा।

अगर ये योजन अमल में आती है तो इससे न केवल अधिक से अधिक प्रतिभाओं को वैश्विक मंच पर अपने को साबित करने का अवसर मिलेगा बल्कि अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के प्रबंधन में भी आसानी रहेगी। दो टीम तैयार करने की योजना के पीछे बीसीसीआई का मुख्य उद्देश्य देश में उपलब्ध क्रिकेट प्रतिभाओं को भी अवसर देना है। बोर्ड का लक्ष्य 30-35 खिलाड़ियों का एक मजबूत पूल तैयार करना है, जिससे एक साथ दो अंतरराष्ट्रीय स्तर की टीमें तैयार की जा सकें। इसका साफ है कि अब पहले से कहीं अधिक खिलाड़ियों को देश की ओर से खेलने का अवसर मिलेगा, जिससे राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा और गहराई दोनों बढ़ेगी।

इस साल के अंत में होने वाले कई अंतरराष्ट्रीय आयोजनों, जैसे एशियाई खेल और वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज के कार्यक्रम को देखते हुए भी यह फैसला और भी अहम हो जाता है। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने बताया, इस साल एशियाई खेल और भारत-वेस्टइंडीज टी20 सीरीज एक ही समय पर आयोजित होने जा रही हैं। ऐसे में हमें दो अलग-अलग टीमों को उतारना होगा। अधिकारी ने आगे कहा, इसके लिए अभी से ही 30-35 खिलाड़ियों का एक एक अच्छा पूल तैयार करना जरुरी है, जिसके खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय मैचों के लिए शामिल किया जा सके। इसके तहत आयरलैंड दौरे के लिए भी खिलाड़ियों का एक बड़ा पूल रखा जाएगा, और एशियाई खेलों के लिए भी यही नीति लागू होगी।

अभी तक ये पता नहीं चला है कि ये 30-35 खिलाड़ियों के पूल में किन खिलाड़ियों को शामिल किया जाएगा पर ये तय है कि घरेलू क्रिकेट के अलावा आईपीएल में प्रदर्शन को भी ध्यान में रखा जाएगा। वहीं वे खिलाड़ी जो नियमित रूप से घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं, उन्हें इस पूल में प्राथमिकता दी जाएगी।इस पूल के बनने से यह पहल भारतीय क्रिकेट की बेंच स्ट्रेंथ और मजबूत होगी जिससे चोट या फॉर्म में गिरावट की स्थिति में हमेशा सक्षम विकल्प मौजूद रहेंगे।

कोनोली ने बताया पंजाब किंग्स की सफलत का राज

मुल्लांपुर। आईपीएल के इस सत्र में शानदार प्रदर्शन कर रहे पंजाब पंजाब किंग्स के युवा बल्लेबाज ऑस्ट्रेलिया के कूपर कोनोली ने कहा है कि टीम के अंदर काफी अच्छा माहौल है और सभी एकदूसरे की सहायता कर रहे हैं उसी कारण टीम जीत रही है। साथ ही कहा कि सभी को एकदूसरे के मजबूत पक्ष से सीखने को मिला रहा है। कोनोली ने कहा, हम सभी इस बात पर विचार करते हैं कि एक-दूसरे के लिए क्या फायदेमंद है। हम एक-दूसरे से छोटी-छोटी बातें सीखते हैं। हमें एक-दूसरे से छोटी-छोटी चीजें सीखने से लाभ भी हुआ है। उन्होंने कहा, हम सभी बेहतर होने का प्रयास कर रहे हैं। खेल का भी लक्ष्य होता है कि एक सर्वश्रेष्ठ टीम बनायी जाये। हम एक टीम

के रूप में एक-दूसरे से सीख कर अपनी कमियों को दूर कर रहे हैं। कोनोली ने कहा कि टीम की सफलता में कप्तान श्रेयस अय्यर की भी अहम भूमिका है। श्रेयस काफी अच्छी कप्तानी कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में टीम लगातार आगे बढ़ रही है। पंजाब इस सत्र में अब अब अपने 6 में एक भी मैच नहीं हारी है। वह पांच मैच जीती है जबकि एक मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया। टीम अंक तालिक में अभी नंबर एक पर है। कोनोली ले कहा, श्रेयस स्वयं आगे रहकर टीम को प्रेरित करते हैं। वह हमेशा यह प्रयास करते हैं कि टीम के सभी खिलाड़ी सहज महसूस करें।

तिलक ने अपनी पारी से आलोचकों को जवाब दिया-कैफ

अहमदाबाद। पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने आईपीएल में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ नाबाद शतक लगाकर मुंबई इंडियंस को जीत दिलाने वाले बल्लेबाज तिलक वर्मा की जमकर प्रशंसा की है। कैफ ने कहा कि आज शतक लगाने के बाद जो लोग तिलक की प्रशंसा कर रहे थे। ये ही लोग इससे पहले तक तिलक की आलोचना करते रहे हैं। इस मैच में भी अब तिलक शुरुआती 22 गेंदों में 19 रन बनाने के बाद ही आउट हो गए होते तो ये लोग उन्हें टीम से बाहर करने की मांग करने लग जाते। मुंबई के लिए कठिन समय में रन बनाकर उन्होंने एक बार फिर अपने को साबित कर दिया है। कैफ ने सोशल मीडिया पर अपना एक वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा, 'अगर तिलक शुरुआती 21 गेंदों में 19 रन बनाकर आउट हो गए होते तो दिग्गज लोग उन्हें टीम से निकालने के लिए कहने लगते पर उन्होंने 45 गेंदों में 101 रन बनाकर सभी के मुंह बंद कर दिये।

जोकोविच बोले, विराट हैं मेरे अच्छे दोस्त, उनके कारण क्रिकेट को फॉलो कर रहा

मैड्रिड। सर्बियाइ टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने कहा है कि वह विराट कोहली के बड़े प्रशंसक हैं और उन्हीं के कारण क्रिकेट को फॉलो करते हैं। जोकोविच के अनुसार सर्बिया में लोग क्रिकेट के बारे में अधिक नहीं जानते पर विराट से मेरी काफी अच्छी दोस्ती है। विराट कोहली भी समय-समय पर जोकोविच के मैचों को देखने पहुंचते हैं। जोकोविच ने कहा कि जब भी वह कभी भारत जाएंगे तो कोहली उनके साथ जरूर रहेंगे। जोकोविच ने जल्द ही भारत आने की भी बात कही। मैड्रिड में लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवॉर्ड्स 2026 समारोह के दौरान इस टेनिस स्टार ने कहा, विराट कोहली मेरे करीबी दोस्त हैं वह ऐसे शख्स हैं जिनका मैं सम्मान करता हूं, प्रशंसा करता हूं। ईमानदारी से कहें तो उनकी वजह से ही मैंने क्रिकेट को फॉलो करना शुरू किया। मैंने पहले भी इसे फॉलो किया पर उनके जरिये और ज्यादा फॉलो करने शुरू किया। हम संपर्क में रहते हैं और उम्मीद करता हूं कि मैं जब भी आऊंगा वह मेरे साथ हो सकते हैं। हम थोड़ा बहुत टेनिस खेलेंगे और थोड़ा बहुत क्रिकेट। मस्ती करेंगे और खेल का आनंद लेते हुए सकारात्मक और अच्छी बातें फैलाएंगे।

जोकोविच ने कहा कि वह भारत के भी प्रशंसक हैं। साथ ही कहा कि वह जल्द ही भारत आना चाहते हैं। जोकोविच ने कहा, मुझे व्यक्तिगत तौर पर भारतीय टेनिस और दुनियाभर के खेलप्रेमियों से जो समर्थन मिलता रहा है उस पर मेरा हमेशा प्यार, सम्मान और तारीफ का संदेश रहेगा। मेरा संदेश यह भी होगा- बहुत जल्द आपसे भारत में मिलेंगे क्योंकि मुझे यहां जाने की जरूरत है। मैं पिछले कुछ सालों से भारत जाने की अच्छा रखता हूं। मैं खुद को भारतीय लोगों के बहुत करीब पाता हूं। लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवॉर्ड्स 2026 की बात करें तो मैड्रिड में हुए इस भव्य समारोह में टेनिस का दबदबा रहा।

अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट में सीनियर खिलाड़ियों को आराम दे सकती है बीसीसीसीआई

मुम्बई। अफगानिस्तान के खिलाफ 6 जून से होने एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय क्रिकेट बोर्ड बीसीसीसीआई आईपीएल खेल रहे अनुभवी खिलाड़ियों को आराम दे सकती है। विशेषकर उन टीमों के खिलाड़ियों को आराम दिया जाएगा जिनकी टीम प्लेऑफ में पहुंचेंगी। ऐसे में इनकी जगह पर घरेलू क्रिकेट खेल रहे युवा खिलाड़ियों को अवसर मिल सकता है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार चयन समिति इस बात पर नजर रखे हुए है कि कौन-से खिलाड़ी आईपीएल में कितने मैच खेल रहे हैं और उनकी टीम प्लेऑफ तक पहुंचती है या नहीं। रिपोर्ट के अनुसार, चयनकर्ता खिलाड़ियों की फिटनेस और काम के बोझ को ध्यान में रखते हुए टीम का चयन करेंगे। खासकर शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को आराम दिया जाना तय है। अगर उनकी आईपीएल टीम जैसे गुजरात टाइटंस या मुंबई इंडियंस प्लेऑफ में पहुंचती हैं, तो इन खिलाड़ियों का टेस्ट खेलना कठिन हो सकता है।

ये टेस्ट मैच विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) से नहीं जुड़ा है। ऐसे में टीम प्रबंधन किसी प्रकार का जोखिम नहीं चाहता। जहां बुमराह को आराम दिया जान तय है। वहीं कप्तान शुभमन स्वयं इस मैच से बाहर हो सकते हैं। ऐसे में कई युवा घरेलू खिलाड़ियों को अवसर मिल सकता है। इसके तहत ही गुरनूर बराड़, मानव सुथार, आकिब नबी, नितीश कुमार रेड्डी और हर्ष दुबे जैसे खिलाड़ियों को टेस्ट डेब्यू का अवसर मिल सकता है। अफगानिस्तान के खिलाफ ये टेस्ट मैच आईपीएल के बाद खेला जाएगा। इसके बाद टीम अगानिस्तान के खिलाफ 3 एकदिवसीय के अलावा आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ सीमिति ओवरों की सीरीज खेलेगी। इसके अलावा भारतीय टीम को जिम्बाब्वे का दौरा भी करना है। इसी को देखते हुए बीसीसीआई सभी खिलाड़ियों को रोटेशन के तहत आराम देना चाहता है।

अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद बोले, मुझे भारत और ऑस्ट्रेलिया ने दिया था खेलने का प्रस्ताव

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान ने कहा है कि उन्हें भारतीय और ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट से खेलने के साथ ही नागरिकता का प्रस्ताव मिला था पर उन्होंने उसे ठुकरा दिया था क्योंकि वह अपने ही देश अफगानिस्तानी की ओर से खेलना चाहते थे। राशिद के अनुसार वह अपने देश से प्यार करते हैं और उसके लिए समर्पित हैं। राशिद खान ने ये खुलासा अपनी किताब 'राशिद खानः फॉम स्ट्रीट्स टू स्टारडम' में किया है। उन्होंने कहा कि साल 2023 आईपीएल सीजन के दौरान उन्हें अनौपचारिक रूप से प्रस्ताव मिले थे पर मैंने ठुकरा दिये थे। इस किताब में राशिद के हवाले से लिखा है, ऋमुझे ऑस्ट्रेलिया और भारत दोनों से खेलने के प्रस्ताव मिले थे पर मैंने इससे इंकार करते हुए कहा था कि मैं किसी अन्य देश के लिए नहीं खेलूंगा.ऋ

उन्होंने कहा कि तब आईपीएल के दौरान ही भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक बड़े अधिकारी ने कहा था कि आपके

देश अफगानिस्तान की हालत ठीक नहीं है अगर आप चाहें तो भारत में खेल सकते हैं। इससे में हैरान हो गया पर मैंने उन्हें साफ तौर पर मना कर दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वह अपने वतन अफगानिस्तान से बेहद प्यार करते हैं और उसके लिए पूरी तरह समर्पित हैं। उनके लिए, किसी अन्य देश का प्रतिनिधित्व करना उनके अपने देश के गौरव और पहचान से समझौता करने जैसा होता, जिसे वह कभी स्वीकार नहीं कर सकते थे।यह घटना राशिद के चरित्र और उनके मूल्यों को उजागर करती है। एक ऐसे समय में जब कई खिलाड़ी बेहतर अवसरों और सुविधाओं के लिए राष्ट्रीयता बदलने पर विचार करते हैं, राशिद का अपने देश के प्रति यह अटूट समर्पण एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत करता है। उनका यह निर्णय न केवल अफगानिस्तान के क्रिकेट समुदाय के लिए गर्व का विषय है, बल्कि दुनिया भर के खेल प्रेमियों के लिए भी देश प्रेम का एक मजबूत संदेश है।

चेन्नई के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ पर है दबाव -अश्विन

मुम्बई। पूर्व भारतीय क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के खराब प्रदर्शन को लेकर कहा है कि गायकवाड़ इस समय काफी दबाव में हैं, जिसके चलते वे न तो सही निर्णय ले पा रहे हैं और न ही अपनी बल्लेबाजी में प्रभाव छोड़ पा रहे हैं। इसी कारण सीएसके की हालत भी खराब है और अंकतालिका में काफी नीचे है। इस सत्र में ऋतुराज अब तक खेली गई छह पारियों में केवल 82 रन बना पाये हैं, जिसमें उनका औसत सिर्फ 13.67 रहा है। यह आंकड़ा एक कप्तान और प्रमुख बल्लेबाज के लिए निराशाजनक है और टीम प्रबंधन के साथ-साथ प्रशंसकों के लिए भी चिंता का विषय बन गया है। हाल ही में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हुए मुकाबले में भी गायकवाड़ बड़ी पारी खेलने में विफल रहे। इस मैच में गायकवाड़ ने 13 गेंदों पर सिर्फ 19 रन बनाए।

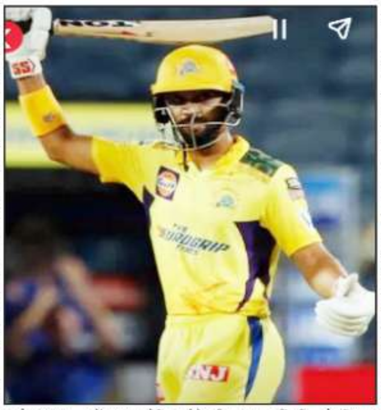

हालांकि युवा बल्लेबाज आयुष ने पावरप्ले में टीम को अच्छी शुरुआत दी थी, लेकिन उनके आउट होने के बाद मध्यक्रम दबाव में आ गया, जिसका असर गायकवाड़ की बल्लेबाजी पर भी साफ दिखा और रन गति धीमी पड़ गई। इससे अंत में टीम के हाथ से मैच निकल गया। अश्विन ने गायकवाड़ की खराब फॉर्म की असली वजह बताते हुए कहा, इस मैच में उनके लिए रन बनाने का सबसे अच्छा अवसर था। उन्हें ज्यादा जोखिम लेने की जरूरत नहीं थी क्योंकि टीम पहले ही अच्छी शुरुआत कर चुकी थी। वह समय लेकर अपनी पारी को संभाल सकते थे पर ऐसा नहीं कर पाये। उन्होंने आगे कहा, मुझे ऐसा लगता है कि वह काफी दबाव में हैं और उनका दिमाग सही फैसले नहीं ले पा रहा है।गायकवाड़ से ही टीम को उनसे सबसे ज्यादा उम्मीदें हैं और उनके असफल होने से अन्य खिलाड़ियों पर भी विपरीत प्रभाव पड़ा है।

सीएसके ने सीजन की शुरुआत तीन लगातार हार के साथ की थी, हालांकि बाद में दो मैच जीतकर वापसी की, लेकिन सनराइजर्स के खिलाफ मिली हार ने एक बार फिर टीम का मनोबल गिरा दिया है। अश्विन के अनुसार टीम की कमान संभालने का बोझ और व्यक्तिगत प्रदर्शन में गिरावट से भी गायकवाड़ के खेल पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के मार्गदर्शन की कमी भी उन्हें महसूस हो रही है। इससे उनकी उनकी मानसिक स्थिति प्रभावित हुई है।अब सीएसके का अगला मुकाबला 23 अप्रैल को मजबूत मुंबई इंडियंस के खिलाफ है। इसमें कप्तान को पूरी ताकत से उतरना होगा। प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए टीम के लिए इस मैच में जीत जरुरी है। ऐसे में गायकवाड़ को बड़ी पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिलानी होगी। जिससे की उसका अभियान पटरी पर आ सके।

शुभमन ने हार के लिए गेंदबाजों को जिम्मेदार बताया

अहमदाबाद। गुजरात टाइटंस की टीम को यहां मुंबई इंडियंस के खिलाफ हुए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में करारी हार का सामना करना पड़ा है। इस हार से निराश टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने इसके लिए गेंदबाजों का जिम्मेदार बताया। शुभमन ने कहा कि हमने काफी ज्यादा रन दे दिये थे। बीच के ओवरों में हमें अच्छी गेंदबाजी करनी चाहिये थी पर उसमें हम विफल रहे। हमारे गेंदबाज विरोधी टीम पर अंकुश नहीं लगा पाये। इस मैच में टीम की बल्लेबाजी भी खराब रही और वह लक्ष्य का पीछा करते हुए केवल 100 रन ही बना पायी। गुजरात की ओर से कगिसो रबाडा ने पावरप्ले में 3 विकेट लिए, पर तिलक वर्मा के शतक से मुंबई ने 199 रनों का अच्छा खासा स्कोर बना लिया।

मैच के बाद गिल ने कहा कि हमारी टीम मुम्बई के बल्लेबाजों को रोक नहीं पायी। पिच थोड़ी धीमी थी जिस पर हमने काफी रन लुटा दिये पर इसके बाद भी हमें इस मैच से काफी कुछ सीखने को मिला है। साथ ही कहा कि यह हार टीम के लिए एक सबक है। सभी को समझना होगा कि एक गलती उन्हें पीछे कर सकती है विशेषकर जब वे घरेल मैदान की जगह पर अन्य स्थलों पर उतरेंगे तब उन्हें सावधान रहना होगा। उन्होंने कहा, ऋअब हमारे पास बाहर के कुछ मैच हैं, उम्मीद है कि हम फिर से जीत की राह पर लौटेंग। मुझे लगता है कि विकेट थोड़ा धीमा था। हम सही क्षेत्र में गेंदबाजी नहीं कर पाए। हमें मध्य के ओवरों में लगातार उसी लेंथ पर गेंदबाजी करनी चाहिए थी, जो हम नहीं कर पाए।ऋ

वहीं टीम बल्लेबाजी में भी असफल रही जबकि दूसरी पारी में ओस के कारण बल्लेबाजी थोड़ी आसान हो गई थी। इस मैच में मुंबई इंडियंस ने गुजरात को 99 रन से हराया. पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई ने पांच विकेट पर 199 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले 200 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात टीम 100 रन ही बना पायी। इस मैच में जीत के साथ ही मुम्बई की पिछले चार मैचों से हार का सिलसिला जरुर थम गया है।

बुमराह को लंबे इंतजार के बाद मिला सत्र का पहला विकेट, प्रशंसक भी उत्साहित हुए

नई दिल्ली। गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुकाबले में मुम्बई इंडियंस के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आखिरकार विकेट मिल ही गया। बुमराह को ये विकेट लंबे इंतजार के बाद मिला है। इस सत्र का ये उनका पहला विकेट है। बुमराह ने पहले ही ओवर में गुजरात के सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन का विकेट लिया। बुमराह को आईपीएल में 325 दिनों के बाद ये विकेट मिला है। उनके इस विकेट पर प्रशंसक भी उत्साहित दिखे। इससे पहले उन्होंने आईपीएल में अपना अंतिम विकेट 2025 क्वालीफायर के दौरान लिया था। बुमराह के इस विकेट से टीम को शुरुआती सफलता मिली और विरोधी टीम पर दबाव बनाने में मदद मिली। यह सिर्फ एक विकेट नहीं था, बल्कि लगभग एक साल के इंतजार के बाद आईपीएल में उनकी वापसी का संकेत था, जो प्रशंसकों के लिए किसी त्योहार से कम नहीं था।

बुमराह ने आईपीएल में अपना अंतिम विकेट 2023 के क्वालीफायर मुकाबले के दौरान लिया था। उसके बाद चोट के कारण उन्हें काफी समय तक क्रिकेट से दूर रहना पड़ा। इस लंबे ब्रेक और फिर मैदान पर जोरदार वापसी ने उनके हर प्रदर्शन को और भी महत्वपूर्ण बना दिया है। यही कारण है कि उनके इस पहले विकेट पर फैंस का उत्साह चरम पर था

इस विकेट की एक और दिलचस्प बात यह है कि इसका मूल्य लगभग 26 लाख रुपये आंका गया है। यह कोई वेतन या नीलामी राशि नहीं है, बल्कि एक विशेष डेटा-आधारित मूल्यांकन है। क्रिकेट विश्लेषकों और डेटा वैज्ञानिकों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले बॉल-लेवल डेटा के अनुसार, सुदर्शन जैसे शीर्ष और प्रभावशाली बल्लेबाज का विकेट लेना, खासकर पारी की शुरुआत में, खेल के परिणामों पर बड़ा प्रभाव डालता है। डिलीवरी का बॉलर-बॉल इम्पैक्ट स्कोर 15.449 रहा, जिसे मौजूदा मैच कन्वर्जन रेट से गुणा करने पर लगभग 25.60 लाख रुपये का मौद्रिक मूल्य प्राप्त होता है।

ऑरेंज कैप की रेस में नंबर एक पर पहुंचने से चूके शुभमन, तिलक ने लगायी छलांग

अहमदाबाद। आईपीएल में गुजरात टाइटंस और मुम्बई इंडियंस के बीच हुए मुकाबले में गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल को खासा नुकसान हुआ है। इस मैच में टीम के हार के साथ ही शुभमन के बल्लेबाजी में असफल रहने से उनका ऑरेंज कैप की रेस में शीर्ष पर आने का प्रयास भी असफल रहा। वहीं मुंबई इंडियंस की ओर से शतक लगाने वाले तिलक वर्मा ऑरेंज कैप की दौड़ में शीर्ष 35 खिलाड़ियों की सूची में शामिल होने में सफल रहे हैं। इस मैच में शुभमन केवल 14 रन ही बना पाए। इससे आईपीएल सत्र के 5 मैचों में उनके कुल 265 रन हो गए हैं। शुभमन अब ऑरेंज कैप की रेस में दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। वहीं सनराइजर्स हैदराबाद के आक्राम बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन 283 रनों के साथ ही पहले नंबर पर बरकारार हैं। वहीं मुम्बई के तिलक गुजरात के खिलाफ नाबाद 101 रनों की पारी के साथ ही सीधे 33वें स्थान पर पहुंच गये हैं है। तिलक के अब 6 मैचों में कुल 144 रन हो गये हैं। वहीं तीसरे पायदान पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विराट कोहली हैं, जिन्होंने कुल 247 रन बनाए हैं। राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी 246 रनों के साथ चौथे और आरसीबी के रजत पाटीदार 230 रनों के साथ पांचवें स्थान पर काबिज हैं।

टी20 विश्व कप मैच फिक्सिंग के तार लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े !

ओटावा। टी20 विश्वकप 2026 में न्यूजीलैंड ओर कनाडा मुकाबले को लेकर फिक्सिंग के आरोपों के बाद अब कहा जा रहा है कि इस मामले के तार लॉरेंस बिश्नोई गैंग से भी जुड़े हो सकते हैं। ये कहा जा रहा है कि मैच फिक्सिंग को लेकर संदेह के घेरे में आये कनाडाई टीम के कप्तान दिलप्रीत बाजवा पर लॉरेंज बिश्नोई गैंग का दबाव भी हो सकता है। इससे कनाडाई क्रिकेट धमकियों, चयन में दबाव से लेकर मैच फिक्सिंग के आरोपों से घिर गया है। ऐसे में लॉरेंस बिश्नोई गैंग की जांच भी चल रही है। कनाडा के पब्लिक ब्रॉडकास्टर, कैनेडियन ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन (सीबीसी) की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि बाजवा के जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के नेटवर्क से संबंध हो सकते हैं। या उनपर बिश्नोई ग्रुप की ओर से मैच फिक्स करने के लिए दबाव डाला गया होगा।

सीबीबसी की रिपोर्ट के अनुसार, पिछली जुलाई (2025) में, एक बड़े प्रोविंशियल टूर्नामेंट में जीत के बाद करीब 25 क्रिकेटर ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में एक रेस्टोरेंट में इकट्ठा हुए। इस टूर्नामेंट के दो खिलाड़ी अंदर एक टेबल पर गए, जहाँ कनाडा की टीम का एक स्टार दूसरे ग्रुप के साथ डिनर कर रहा था। सूत्रों के मुताबिक, उन्होंने दावा किया कि वे बिश्नोई गैंग के हैं। साथ ही कहा कि अगर वह दिलप्रीत बाजवा नाम की तरक्की का सहयोग नहीं करते हैं तो इसके परिणाम भुगतने होंगे।

ललित मोदी ने दी बीसीसीआई को नसीहत, अपने खिलाड़ियों का सम्मान करें

लंदन। आईपीएल के पहले कमिश्नर रहे ललित मोदी ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को नसीहत देते हुए कहा है कि उसे अपने खिलाड़ियों का सम्मान करना चाहिये। ललित मोदी ने कहा है कि इन खिलाड़ियों के अच्छे प्रदर्शन के कारण ही बीसीसीआई को मोटा लाभ होता है। मोदी का कहना है कि बीसीसीआई को उन खिलाड़ियों का सम्मान करना चाहिए, जिन्होंने उसके लिए खजाना भरा है। ललित मोदी ने ये बात इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जेम्स एंडरसन की वीडियो देखकर किया है। उनका कहना है कि भारत में बहुत ही कम ऐसे क्रिकेटर हैं जिनकी विदाई सम्मान के साथ हुई हैं केवल सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ ही दो दिग्गज हैं, जिन्होंने सम्मान के साथ विदायी दी गयी है। वहीं सौरव गांगुली, वीवीएस लक्ष्मण, वीरेंद्र सहवाग जैसे कई खिलाड़ी हैं, जिन्हें विदायी मैच नहीं मिला। हाल ही में विराट कोहली और रोहित शर्मा ने भी सोशल मीडिया पर टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी। इन दोनो को भी कोई विदायी मैच नहीं मिला। मोदी ने एंडरसन के आखिरी टेस्ट का वीडियो जारी किया है। इस वीडियो में एंडरसन लॉर्ड्स के मैदान पर बीयर का गिलास लेकर बालकनी में प्रशंसकों के सामने आते हैं। प्रशंसकों का धन्यवाद अदा करते हैं और उन्हीं के सामने बीयर का गिलास खत्म करते हैं। इससे पहले ललित मोदी ने तो दावा किया है कि आईपीएल टीमों के कुछ मालिकों ने 2011 में काले जादू तक का इस्तेमाल किया था, जिसका उनके पास पुख्ता सबूत है। इतना ही नहीं, उन्होंने दावा किया है कि वह किसी फिल्म या टीवी सीरीज के जरिए इससे जुड़ी हर चीज का खुलासा करना चाहते हैं।

हट्टा पुलिस की बड़ी कार्रवाई-कोहकाडिबर बलवाकांड

सरपंच पति पर जानलेवा हमले के 6 और आरोपी गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के थाना हट्टा क्षेत्र के ग्राम कोहकाडिबर बलवाकांड में सरपंच पति आतिश लिल्हारे पर हुए प्राणघातक हमले के मामले में पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए फरार चल रहे 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इससे पहले इस मामले में 3 आरोपी पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके थे। अब कुल 9 आरोपियों पर पुलिस ने कार्रवाई पूरी कर ली है।

शादी समारोह में मामूली विवाद बना जानलेवा हमला

घटना 7 अप्रैल की रात ग्राम कोहकाडीबर में एक विवाह समारोह में डांस के दौरान हुए मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया था।जिसमें गांव के सरपंच पति आतिश लिल्हारे पर आरोपियों ने जानलेवा हमला कर दिया। हमले में वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इस मामले में नामजद 9आरोपियों के विरुद्ध अपराध दर्ज किया गया था। सभी आरोपी वारदात को अंजाम देने के बाद फरार हो गए थे जिनकी सरगमी से तलाश की जा रही थी।

पहले 3 आरोपी गिरफ्तार, हथियार भी बरामद

मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना हट्टा पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए 16 अप्रैल को फरार 3 आरोपी महेश पिछोड़े,राजेन्द्र मसकरे और सीताराम जामरे को गिरफ्तार किया था। उनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त उभारी और लोहे की रॉड बरामद कर न्यायालय में पेश किया गया।जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल बालाघाट भेज दिया गया है।

फरार 6 आरोपी एक ही घर में दबोचे गए

शेष 6 आरोपी घटना के बाद से फरार थे। पुलिस अधीक्षक बालाघाट आदित्य मिश्रा के निर्देश पर उनकी लगातार तलाश की जा रही थी।20 अप्रैल की रात थाना प्रभारी उपनिरीक्षक अविनाश सिंह राठौड़ को मुखबिर से सूचना मिली कि सभी फरार 6 आरोपी ग्राम कोहकाडीबर में एक आरोपी के घर एकत्रित हैं। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने दबिश देकर सभी 6 आरोपियों को मोके पर ही गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से घटना में इस्तेमाल किए गए हथियार भी जप्त किए गए।

न्यायालय में किये पेश- आगे की कार्रवाई जारी

गिरफ्तार सभी 6 आरोपी चिमनलाल बिरनवार 65 वर्ष,राजू बिरनवार 35 वर्ष,गुड्डु उर्फ मोतीलाल बिरनवार 40 वर्ष, शैलेन्द्र मसकरे 45 वर्ष,सीताराम मसकरे 45 वर्ष। औरयोगेश बिसेन को 21 अप्रैल को माननीय न्यायालय बालाघाट में पेश किया गया है। मामले में गंभीर धाराओं के तहत अपराध पहले ही पंजीबद्ध कर लिया गया है और आगे की विवेचना जारी है। माननीय न्यायालय ने सभी 6 आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भिजवा दिया है।

पुलिस टीम का सराहनीय योगदान

इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी उपनिरीक्षक अविनाश राठौड़ के नेतृत्व में पुलिस टीम के प्रधान आरक्षक निखिलेश अग्निहोत्री, प्रधान आरक्षक नंदकिशोर ठाकुर, प्रधान आरक्षक द्वारिकानारायण दुबे प्रधान आरक्षक राजेश पटले, आरक्षक गितेश परदेशी, आरक्षक श्याम राबेट, आरक्षक विष्णु प्रताप, आरक्षक भूमेश्वर आरमो, आरक्षक राकेश पंचेश्वर, महिला आरक्षक कविता खोब्रागडे, सैनिक सुनील नगपुरे नेमहत्वपूर्ण भूमिका निभाई। टीम के सदस्यों के प्रयासों से ही फरार आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी संभव हो सकी।

कानून का सख्त संदेश

इस कार्रवाई से स्पष्ट है कि कानून से बच पाना संभव नहीं है। पुलिस की तत्परता और सख्ती से क्षेत्र में सुरक्षा और कानून व्यवस्था को लेकर लोगों का विश्वास और मजबूत हुआ है।

नैतरा में विद्युत पोल के करंट की चपेट में आने से दुधारू भैंस की मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्रामीण थाना नवेगांव अंतर्गत ग्रामीण नैतरा में विद्युत विभाग के लापरवाही के चलते एक दुधारू भैंस की करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना 21 अप्रैल के शाम 4:00 बजे करीब की बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, पशु मालिक चैनलाल सौलखे नैतरा निवासी अपनी भैंस प्रतिदिन चराने के लिए खेत के पास ही ले जाते थे। उन्होंने 21 अप्रैल की शाम 4 बजे करीब भैस को चराने के लिए गांव के शमशान घाट तरफ लेकर गए थे। लेकिन एक दुधारू भैंस की बिजली के पोल से लगे सपोर्ट तार में करंट की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। जिससे पशु पालक चैनलाल को को 60 से 70 हज़ार रुपए का नुकसान हुआ हैं। पशु मालिक ने कहा कि विद्युत विभाग के लापरवाही से विद्युत पोल के सपोर्ट में करंट आ गया। जबकि दोपहर 12:00 से 3:00 बजे तक बिजली बंद रहती है। इसके बावजूद बिजली प्रभावित रही और यह करंट लगने की घटना घटी है।

रुस के साथ मिलकर भारत ने कर दिया ऐसा कारनामा...पूरी दुनिया हो गई हैरान

नई दिल्ली। भारत से करीब 7000 किमी दूर एक ऐसा इलाका है जहां दुनिया की महाशक्तियों के बीच एक होश उड़ा देने वाली जंग शुरू हो चुकी है। यह वहां इलाका है जहां कई बार तापमान -50 डिग्री तक गिर जाता है। लेकिन पिछले कुछ सालों में ग्लोबल वार्मिंग के चलते इलाके का तापमान बढ़ रहा है। यहां की बर्फ पिघलने लगी है और इसी की वजह से नए-नए रास्ते और शिपिंग रूट्स दुनिया के सामने आ रहे हैं। इन्हीं पर दावा ठोकने के लिए रूस ने भारत के साथ मिलकर एक ऐसा प्लान बनाया है, जिसने इस इलाके का कूटनीतिक तापमान भी बढ़ा दिया है। यह इलाका है आर्कटिक महादवीप है। बर्फ पिघलने की वजह से इस इलाके में नए-नए शिपिंग रूट्स बनने शुरू हो गए हैं। इनमें से एक है नॉर्थ वेस्ट पैसेज वे और दूसरा है ट्रांस पोलर सी रूट और तीसरा है नॉर्थ सी रूट है। लेकिन बता दें कि आज से 20-25 साल बाद यह जगह भारत और दुनिया के लिए सबसे बड़ा खजाना बनने वाली है।

मौजूदा समय में भारत ने इलाके में अभी तक सिर्फ एक उंगली रखी है। लेकिन अब यहां पर पैर जमाने की बारी आ गई है। भारत यह काम रूस के साथ शुरू भी कर चुका है। इसका ऐलान खुद रूस ने कर दिया है। दरअसल आपने खबर पढ़ी होगी कि भारत और रूस के बीच रेसिप्रोकल एक्सचेंज ऑफ लॉजिस्टिक्स सपोर्ट नाम का एक मिलिट्री एग्रीमेंट हुआ है। इस एग्रीमेंट के तहत भारत और रूस एक दूसरे के देश में एक ही समय पर 3000 तक सैनिक, 10 मिलिट्री एयरक्राफ्ट और पांच युद्धपोतों की तैनाती कर सकते हैं। कई लोगों ने इस खबर को इसतरह से पेश किया मानो भारत रूस का साथ देने के लिए यूक्रेन के खिलाफ अपनी सेना उतार देगा। वहीं रूस भी भारत के लिए पाकिस्तान पर हमला करने के लिए अपने सैनिक और हथियार भेज देगा।

लेकिन ऐसा कुछ नहीं हो रहा है। सबसे पहले यह एग्रीमेंट मुख्य रूप से जॉइंट मिलिट्री एक्सरसाइज, ट्रेनिंग, ह्यूमैनिटेरियन असिस्टेंस और डिजास्टर रिलीफ ऑपरेशन के लिए किया गया है। लेकिन इस एग्रीमेंट की सबसे खास बात यह है कि अगर रूस और भारत किसी महत्वपूर्ण चीज को लेकर एक मत हैं, तब दोनों एक दूसरे के देश में अपने मिलिट्री एसेट्स की तैनाती कर सकते हैं। बता दें कि इस एग्रीमेंट के तहत भारत और रूस को वहां महत्वपूर्ण काम मिल गया है जिसके लिए भारत के सैनिक एयरक्राफ्ट और जंगी जहाज रूस जा सकते हैं। रूस भारतीय सेना को अपने देश में एक ऐसी रणनीतिक जगह पर तैनात करना चाहता है जहां भारत भी घुसने की तैयारी कर रहा है। लेकिन आने वाले समय में रूस भारतीय सैनिकों को अपने मरमंस्क इलाके में लाकर बैठा सकता है। रूस इसी इलाके से आर्कटिक में अपनी सबसे बड़ी दावेदारी पेश करता है। इस वक्त आर्कटिक की मोटी बर्फ की तह के नीचे अरबों का खजाना छिपा है।

कटंगी में करोड़ों की जमीन ठगी का खुलासा

दो सगे भाई गिरफ्तार, पुलिस रिमांड पर भेजे गए

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के कटंगी में लंबे समय से चल रहे करोड़ों रुपये के जमीन घोटाले का आखिरकार पर्दाफाश हो गया। जब कटंगी पुलिस ने जमीन बिक्री में धोखाधड़ी के मुख्य आरोपी दो सगे भाई मोहित श्रीवास और दीपक को देर रात उनके घर से गिरफ्तार कर लिया।

रात्रि में घर में दबिश देकर गिरफ्तार किए गए दोनों भाई

रविवार और सोमवार की दरमियानी रात करीब 1:30 बजे पुलिस टीम ने अचानक दबिश देकर दोनों आरोपियों को उस समय गिरफ्तार किया। जब वे अपने घर में सो रहे थे। इस कार्रवाई का नेतृत्व एसडीओपी विवेक कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में किया गया।पुलिस जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। आरोपियों ने खसरा नंबर 179/6/1 की जमीन को अपनी बताकर कई लोगों से सौदे किए। जबकि वह जमीन उनके नाम पर थी ही नहीं और न ही उस पर कॉलोनी निर्माण की कोई वैध अनुमति थी।कालीमाटी निवासी संदीप बोपचे, कटंगी के रहीम कुरैशी, आयशा खान और परवेज खान सहित कई लोगों को झांसे में लेकर आरोपियों ने करीब 1.5 करोड़ रुपये से अधिक की रकम ऐंठ ली।

ढाई साल तक भटकते रहे पीड़ित, फिर मिली राहत

पीड़ित पिछले करीब ढाई वर्षों से न्याय के लिए दर-दर भटक रहे थे। कई बार थाने और पुलिस अधीक्षक कार्यालय में शिकायतें दर्ज कराई गईं, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। जब मामला सीएम हेल्पलाइन तक पहुंचा और पुलिस की रैंकिंग पर असर पड़ा, तब वरिष्ठ अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद जांच तेज हुई और आखिरकार गिरफ्तारी संभव हो सकी। कटंगी पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की विभिन्न धारा जिनमे धारा 318(4), 336(3), 338, 3(5) धोखाध ?जालसाजी एवं अन्य अपराध दर्ज किये गये।

कोर्ट में पेशी के बाद रिमांड मंजूर

सोमवार को दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया।जहां से उन्हें पूछताछ के लिए पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है। पुलिस अब इस मामले में और पीड़ितों तथा संभावित सहयोगियों की तलाश कर रही हैगिरफ्तारी की खबर फैलते ही थाने के बाहर पीड़ितों की भीड़ जमा हो गई। कई लोगों ने अपनी जीवनभर की जमा पूंजी इस धोखाधड़ी में गंवा दी थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि न केवल ग्रामीण, बल्कि नौकरीपेशा वर्ग के लोग भी इस ठगी का शिकार हुए, जो सामाजिक दबाव के चलते सामने नहीं आ पाए।

दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति के भारत दौरे पर तानाशाह की पैनी नजर

नई दिल्ली। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्युंग का भारत दौरा केवल औपचारिक कूटनीतिक यात्रा नहीं, बल्कि एशिया में बदलते रणनीतिक समीकरणों का संकेत माना जा रहा है। नई दिल्ली में उन्हें मिले भव्य स्वागत और गार्ड ऑफ ऑनर ने दौरे की अहमियत को और बढ़ा दिया। इस दौरान भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी उच्चस्तरीय बैठक हैदराबाद हाउस में हुई, जहां दोनों देशों के बीच कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। यह मुलाकात सिर्फ भारत और दक्षिण कोरिया तक सीमित नहीं रही, बल्कि इस पर उत्तर कोरिया की कड़ी नजर रही। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन इस पूरे घटनाक्रम को ध्यान से देख रहे हैं। दक्षिण और उत्तर कोरिया के बीच दशकों पुराना तनाव, परमाणु प्रतिस्पर्धा और सैन्य टकराव पहले से ही क्षेत्र को संवेदनशील बनाए हुए हैं। इसके बाद दक्षिण कोरिया का भारत जैसे उभरते वैश्विक शक्ति केंद्र के साथ रिश्ते मजबूत करना प्योंगयांग के लिए चिंता का विषय बना है। पिछले कुछ समय में उत्तर कोरिया की गतिविधियां भी इस चिंता को दर्शाती हैं। हाल के एक महीने में उसने कई बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण किए हैं, जो उसकी सैन्य तैयारी और शक्ति प्रदर्शन का संकेत हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि यह कदम संभावित रणनीतिक दबाव बनाने और किसी भी नए गठजोड़ के खिलाफ संदेश देने के लिए उठाए गए हैं।

भारत और दक्षिण कोरिया के बीच 卐स्पेशल स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप卐 की शुरुआत 2010 में हुई थी। तब से यह सहयोग रक्षा, सेमीकंडक्टर, उन्नत तकनीक, बैटरी निर्माण, इलेक्ट्रिक व्हीकल, सप्लाई चेन और साइबर सुरक्षा जैसे कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों तक फैल चुका है। इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में स्थिरता बनाए रखने के लिए भी दोनों देशों के बीच सहयोग लगातार बढ़ रहा है। व्यापारिक दृष्टि से भी यह संबंध मजबूत हो रहा है। दोनों देशों के बीच अरबों डॉलर का व्यापार हो चुका है और भविष्य में इसे और बढ़ाने की योजना है। खास बात यह है कि लगभग आठ वर्षों के बाद किसी दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति का भारत दौरा हुआ है, जिससे इस यात्रा का महत्व और बढ़ जाता है। कुल मिलाकर, यह यात्रा सिर्फ द्विपक्षीय संबंधों तक सीमित नहीं है, बल्कि एशिया में शक्ति संतुलन, सुरक्षा रणनीति और भविष्य की कूटनीतिक दिशा तय करने में भी अहम भूमिका निभा सकती है।

ग्रैंड वेनिस मॉल केस- सरेंडर न करने पर भसीन के खिलाफ अवमानना की मांग

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में ग्रैंड वेनिस मॉल धोखाधड़ी मामले को लेकर रियल एस्टेट प्रमोटर सतिंदर सिंह भसीन के खिलाफ आपराधिक अवमानना की कार्रवाई की मांग तेज हो गई है। निवेशकों ने अदालत में याचिका दाखिल कर आरोप लगाया है कि भसीन ने कोर्ट के स्पष्ट आदेशों के बावजूद आत्मसमर्पण नहीं किया। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने भसीन की जमानत रद्द करते हुए 50 करोड़ रुपये की जमानत राशि जब्त करने का आदेश दिया था। अदालत ने उन्हें एक सप्ताह के भीतर सरेंडर करने के निर्देश दिए थे, जिसकी समयसीमा 9 अप्रैल को समाप्त हो चुकी है। इसके बावजूद उनके आत्मसमर्पण न करने पर निवेशकों ने इसे जानबूझकर आदेश की अवहेलना बताया है। याचिकाकर्ताओं ने गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) जारी करने, अवमानना कार्यवाही शुरू करने और देश छोड़ने से रोकने के लिए लुकआउट सर्कुलर जारी करने की मांग की है। उनका कहना है कि भसीन लगातार कानूनी प्रक्रियाओं का सहारा लेकर आदेशों से बचने की कोशिश कर रहे हैं, जो न्यायालय की गरिमा के खिलाफ है। इस मामले की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति एन. कोटिस्वर सिंह की पीठ ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि जमानत की शर्तों का पालन न करने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यहां बताते चलें कि यह मामला ग्रेटर नोएडा स्थित 'ग्रैंड वेनेजिया' प्रोजेक्ट से जुड़ा है, जहां घर खरीदारों ने धोखाधड़ी, धन के दुरुपयोग और आवंटन में अनियमितताओं के आरोप लगाए हैं। याचिका में यह भी आरोप लगाया गया है कि भसीन ने दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर की अदालतों में लंबित मामलों और एफआईआर की जानकारी छिपाई, जिससे उनकी नीयत पर सवाल उठते हैं। अब निवेशकों की नई याचिकाओं के साथ इस मामले में कानूनी दबाव और बढ़ गया है, जिससे आने वाले दिनों में कोर्ट का रुख और सख्त हो सकता है।

दिल्ली पुलिस ने शहजाद भट्टी के दो गुर्गों राजवीर और विवेक वंजारा को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में लक्षित हत्याओं की बड़ी साजिश को दिल्ली पुलिस ने समय रहते विफल कर दिया है। मामले में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े एजेंट शहजाद भट्टी के दो गुर्गों राजवीर और विवेक वंजारा को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, ये दोनों आरोपी दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में गोलीबारी और टारगेट किलिंग की घटनाओं को अंजाम देने की साजिश रच रहे थे। मामले की शुरुआत तब हुई जब दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ को खुफिया जानकारी मिली कि पाकिस्तान स्थित गैंगस्टर शहजाद भट्टी अपने सहयोगियों के साथ मिलकर भारत में हमलों की योजना बना रहा है। इस सूचना के आधार पर 31 मार्च को भारतीय न्याय संहिता की धारा 61(2) के तहत एफआईआर दर्ज की गई और जांच शुरू की गई। जांच के दौरान 16 अप्रैल को मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले के डबरा से विवेक वंजारा को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में मिली जानकारी के आधार पर 18 अप्रैल को सराय काले खान इलाके से मुख्य आरोपी राजवीर को पकड़ा गया। गिरफ्तारी के समय वह एक बड़े होटल पर गोलीबारी की तैयारी कर रहा था। पुलिस ने उसके पास से एक पिस्तौल, छह जिंदा कारतूस और दो मोबाइल फोन बरामद किए, जिनमें आपत्तिजनक वीडियो और वॉयस नोट्स मिले।

मुस्लिम धर्मगुरु पर हमले की जांच में लापरवाही, सुप्रीम कोर्ट की यूपी पुलिस को फटकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम धर्मगुरु काजिम अहमद शेरवानी पर हमले की जांच में कथित लापरवाही को लेकर उत्तर प्रदेश पुलिस को कड़ी फटकार लगाई है। अदालत ने सुनवाई के दौरान सख्त लहजे में कहा, 卐हमारे साथ लुका-छिपी मत खेलो,卐 और जांच में ढिलाई पर नाराजगी जताई। यह मामला 2021 में नोएडा में हुई घटना से जुड़ा है, जहां धर्मगुरु शेरवानी ने आरोप लगाया कि उनकी धार्मिक पहचान के आधार पर उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया। याचिका के अनुसार, उनकी दाढ़ी खींची गई, टोपी उतारी गई और उन्हें अपमानित किया गया। सुनवाई के दौरान जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने पाया कि अदालत के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद एफआईआर में भारतीय दंड संहिता की धारा 153बी शामिल नहीं की गई। कोर्ट ने यह भी सवाल उठाया कि जांच अधिकारी अदालत के निर्देशों से पीछे कैसे हट सकता है और क्या वह धारा 153बी व 295ए जैसी गंभीर धाराओं को नजरअंदाज कर सकता है। राज्य सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के.एम. नटराज ने अदालत को बताया कि आगे की जांच के लिए अनुमति मांगी गई है और चार्जशीट दाखिल करते समय संबंधित धाराएं जोड़ी जा सकती हैं।

अखिलेश ने बसपा से आए इस नेता को सौंप दी बड़ी जिम्मेदारी.....2027 की हो रही तैयारी

लखनऊ। उत्तरप्रदेश की राजधानी लखनऊ में समाजवादी पार्टी के मुख्यालय पर हुए कार्यक्रम में आगामी 2027 विधानसभा चुनाव से पहले सियासी गतिविधियों में तेजी देखने को मिली। इस दौरान बहुजन समाज पार्टी और अन्य दलों से आए कई नेताओं ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ली। इसी कड़ी में सबसे प्रमुख घटना यह रही कि अखिलेश ने इस दौरान बसपा से आए एमएच खान को बड़ी जिम्मेदारी सौंप दी और उन्हें पार्टी का प्रवक्ता नियुक्त किया। अखिलेश ने कहा कि अब एमएच खान टीवी डिबेट्स में पार्टी का पक्ष मजबूती से रखे। कार्यक्रम के दौरान अखिलेश ने केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार पर तीखे हमले किए। उन्होंने एक स्थानीय चाय दुकान से जुड़ी घटना का जिक्र कर सवाल उठाया कि क्या यह लोकतंत्र है कि किसी व्यक्ति द्वारा उन्हें चाय पिलाने के बाद उसकी दुकान बंद करा दी जाए। उन्होंने इस सत्ता के दुरुपयोग का उदाहरण बताया। इसके अलावा, उन्होंने भाजपा की पदयात्रा और राजनीतिक गतिविधियों पर तंज कसते हुए कहा कि यह अजीब स्थिति है जब सरकार खुद अपने बनाए कानूनों के खिलाफ प्रतीकात्मक विरोध जैसा व्यवहार करती दिखती है। अखिलेश ने दावा किया कि आगामी चुनाव में 卐पीडीए卐 (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) एकजुट होकर निर्णायक भूमिका निभाएगा और सत्ता परिवर्तन संभव है।

वहीं महिला आरक्षण के मुद्दे पर भी उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाकर कहा कि बिना सही जनगणना और पारदर्शी प्रक्रिया के आरक्षण लागू नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा कि जाति जनगणना की मांग अब और मजबूत होगी। अखिलेश ने भाजपा पर 卐जनता को गुमराह करने卐 का आरोप लगाकर कहा कि सरकार और संवैधानिक पदों पर बैठे लोग भी एकतरफा प्रचार में शामिल हैं। शिक्षा नीति को लेकर उन्होंने वादा किया कि यदि सपा की सरकार बनती है तो प्राथमिक शिक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा, जिसमें मुफ्त भोजन, किताबें और यूनिफॉर्म जैसी सुविधाएं शामिल होंगी। अंत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान पर प्रतिक्रिया देकर अखिलेश ने कहा कि संसद में उनका माइक बंद कर दिया गया था, इसलिए वह अपनी बात पूरी तरह नहीं रख पाए। उन्होंने कहा कि उन्होंने पूछा था कि आखिर किस प्रकार की मदद की बात की जा रही है।

न्यूज गैलरी

शादी में आए दो युवक को डंडे से मारपीट कर किये घायल

नगर के गुरु नानक शादी हाल की घटना

पदमेश न्यूज।बालाघाट। नगर के गुरु नानक शादी हाल में शादी में शामिल होने आए दो युवक को डंडे से मारपीट कर घायल कर दिया गया। घायल दोनों युवक हर्षवर्धन शर्मा पिता अनिल शर्मा 25 वर्ष और यश शर्मा पिता उदय शर्मा 25 वर्ष दोनों गुजरी चौक लालबर्रा निवासी है। जिनका इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार हर्षवर्धन शर्मा कॉलोनाइजर है। 20 अप्रैल को हर्षवर्धन शर्मा और यश शर्मा दोनों बालाघाट नगर के गुरु नानक शादी हाल में आयोजित शादी के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आए थे। रात 11:00 बजे करीब शादी हाल के सामने विवाद हो रहा था। हर्षवर्धन शर्मा और यश शर्मा दोनों झगड़ा शांत करने के लिए गए थे। तभी देवांश दमाहे और अभय बिसेन ने दोनों युवक पर हमला करते हुए उन्हें डंडे से मारपीट कर घायल कर दिए।बीच बचाव के बाद दोनों घायल युवक को ऑटो से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया। जहां उनका इलाज किया गया। जिला अस्पताल पुलिस ने घायलों का का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु कोतवाली बालाघाट भिजवा दी है।

आउटसोर्स कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन, रैली निकाल सौंपा ज्ञापन

नियमितीकरण, समान वेतन और सामाजिक सुरक्षा की मांग, कर्मचारी पहुंचे कलेक्ट्रेट, सरकार से ठोस नीति बनाने की करी मांग

सिटी रिपोर्टर।
पदमेश न्यूज। बालाघाट।

मंगलवार को जिले के विभिन्न शासकीय विभागों में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। भारतीय मजदूर संघ के बैनर तले आयोजित इस आंदोलन में बड़ी संख्या में कर्मचारी शामिल हुए, जिनमें शिक्षा विभाग में कार्यरत व्यावसायिक प्रशिक्षक भी प्रमुख रूप से मौजूद रहे। प्रदर्शन की शुरुआत शहर के जयस्तंभ चौक से हुई, जहां कर्मचारियों ने एकत्रित होकर माइक के माध्यम से अपनी समस्याएं और मांगें रखीं। इसके बाद कर्मचारियों ने रैली के रूप में शहर के प्रमुख मार्गों और चौक-चौराहों से होते हुए कलेक्ट्रेट कार्यालय तक मार्च निकाला। कलेक्ट्रेट पहुंचकर उन्होंने मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा और अपनी समस्याओं के समाधान की मांग की।

प्रदर्शन के दौरान व्यावसायिक प्रशिक्षक कमलेश चौधरी और भानु ने बताया कि जिले सहित पूरे प्रदेश में विभिन्न विभागों, और संस्थाओं में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों की समस्याएं लंबे समय से लंबित हैं। उन्होंने कहा कि इन कर्मचारियों के लिए अब तक कोई ठोस और व्यापक नीति नहीं बनाई गई है, जिससे वे असुरक्षा और अस्थिरता के माहौल में काम करने को मजबूर हैं। कर्मचारियों ने मांग की कि आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए राज्य स्तर पर आउटसोर्स सर्विस सिक्योरिटी एक्ट और अलग निगम, मंडल का गठन किया जाए, ताकि उन्हें सामाजिक सुरक्षा और उचित वेतन मिल सके। साथ ही श्रम कानूनों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने और उल्लंघन करने वालों पर कठोर कार्रवाई करने की भी मांग उठाई गई। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि कई स्थानों पर कर्मचारियों से 8 घंटे से अधिक कार्य लिया जाता है, लेकिन अतिरिक्त समय का भुगतान नहीं

किया जाता। उन्होंने ओवरटाइम के नियमानुसार भुगतान की मांग की। इसके अलावा वेतन भुगतान सीधे विभाग से किए जाने और बिचौलिया व्यवस्था खत्म करने की भी मांग रखी गई। कर्मचारियों ने यह भी मांग की कि उनका वेतन हर माह की 7 तारीख तक अनिवार्य रूप से दिया जाए और वेतन पर्ची भी उपलब्ध कराई जाए। अनुभव के आधार पर वेतन वृद्धि, संविदा और नियमित भर्ती में प्राथमिकता देने की नीति बनाने की भी मांग की गई। प्रदर्शन में शामिल कर्मचारियों ने बिना जांच के सेवा समाप्त करने की प्रथा पर भी कड़ा विरोध जताया। उन्होंने कहा कि किसी भी कर्मचारी को बिना ठोस कारण और उच्च स्तरीय जांच के नौकरी से न निकाला जाए। साथ ही सेवा समाप्ति के मामलों में अपील के लिए विभागीय स्तर पर समिति गठित करने की मांग की गई। सामाजिक सुरक्षा को लेकर भी कर्मचारियों ने कई अहम मांगें रखीं, जिनमें ईएसआई, ईपीएफ, बीमा सुविधाएं और दुर्घटना बीमा राशि 20 लाख रुपये तक करने की मांग शामिल है। इसके अलावा नियमित कार्यों में लगे आउटसोर्स कर्मचारियों को 62 वर्ष की आयु तक सेवा में बनाए रखने और समान काम के लिए समान वेतन के सिद्धांत को लागू करने की मांग भी प्रमुख रही। व्यावसायिक प्रशिक्षकों ने विशेष रूप से बताया कि वर्ष 2023-24 में उनका वेतन 22 हजार रुपये किया गया था, लेकिन 2024-25 में इसे घटाकर 20 हजार रुपये कर दिया गया, जो पूरी तरह अनुचित है। उन्होंने वेतन कटौती को वापस लेने, शासकीय कर्मचारियों के समान सुविधाएं देने और सेवा सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। साथ ही व्यावसायिक शिक्षा प्रशिक्षक निगम के गठन की भी मांग उठाई गई। कर्मचारियों ने स्पष्ट किया कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई, तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

मामा के घर आए 8 वर्षीय बालक की नाले में डूबने से मौत

पदमेश न्यूज। बालाघाट। ग्रामीण थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम दूगलई में मामा के घर शादी में आए 8 वर्षीय बालक की नाले में डूबने से मौत हो गई। मृतक बालक दिव्यांश पिता मोहन सिंह इनवाती 8 वर्ष ग्राम टाकाबर्रा थाना लामता निवासी है। 20 अप्रैल की शाम यह घटना उस समय हुई जब यह बालक मोहल्ले के बच्चों के साथ अपने मामा के घर के समीप नाल तरफ नहाने के लिए चला गया था। ग्रामीण पुलिस ने इस बालक का शव जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। बालक दिव्यांश अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था जिसकी एक बड़ी बहन है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम टाकाबर्रा निवासी मोहनसिंह इनवाती खेती किसानी करते हैं जिसके परिवार में पत्नी एक बेटी और एक बेटा दिव्यांश है। 15 अप्रैल को दिव्यांश मेरे माता-पिता और बड़ी बहन के साथ ग्राम दूगलईअपने मामा की बेटी की शादी में आया था। शादी का कार्यक्रम समाप्त होने दिव्यांश के माता-पिता अपने गांव टाकाबर्रा लौट गये थे और दिव्यांश मामा गांव में ही रह गया था। और वह मोहल्ले के बच्चों के साथ बकरी चराने के लिए जाता था 20 अप्रैल की शाम को दिव्यांग सहित तीन बालक बकरी चराने गए थे तभी शाम 5 बजे करीब एक बालक बकरी की ओर चला गया और दिव्यांश एक बालक के साथ नाले में नहाने लगे। तभी दिव्यांश गहरे पानी में चला गया ।दिव्यांश के दिखाई नहीं दे रहा था। दिव्यांश के दिखाई नहीं देने पर यह बालक घर पहुंचा और दिव्यांश के नाले में डूब के संबंध में बताया तभी परिजन पहुंचे और दिव्यांश को नाले से बाहर निकाले । तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। सूचना मिलने पर ग्रामीण पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्यवाही के पश्चात् शव बरामद कर जिला अस्पताल के फ्रीजर में रखा गया। 21 अप्रैल की सुबह 10 बजे करीब शव का पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया गया है।

पल्सर मोटरसाइकिल की ठोकर से एक व्यक्ति घायल

पदमेश न्यूज। बालाघाट। कोतवाली क्षेत्र में आने वाले ग्राम खैरी में पल्सर मोटरसाइकिल की ठोकर से एक व्यक्ति घायल हो गया घायल व्यक्ति सुरेंद्र पिता कालू लाल बघेले 60 वर्ष ग्राम खैरी निवासी है। जिनका इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुरेंद्र बघेले सब्जी भाजी का धंधा करते हैं। 21 अप्रैल को सुबह 8:30 बजे सुरेंद्र बालाघाट से सब्जी खरीद कर मोटरसाइकिल से अपने घर खैरी पहुंचे और मोटरसाइकिल खड़ी करके सब्जी उतार रहे थे तभी तेज रफ्तार पल्सर मोटरसाइकिल ने पीछे से ठोस मार दिए ।पल्सर की ठोकर से सुरेंद्र बघेले घायल हो गए। जिन्हें उनके छोटे भाई दशरत बघेले ने मोटरसाइकिल से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये।

उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य के लिए कलेक्टर श्री मीना को दिया गया प्रशस्ति पत्र

पदमेश न्यूज। बालाघाट। राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण, राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल द्वारा संचालित 'उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम' के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने पर राज्य शिक्षा केंद्र के संचालक श्री हरजिंदर सिंह द्वारा बालाघाट कलेक्टर एवं जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण के अध्यक्ष मृणाल मीना को प्रशस्ति पत्र एवं शील्ड प्रदान किया गया है। सर्व शिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयक जीपी बर्मन एवं जिला सह-समन्वयक साक्षरता श्री दिनेश गौतम ने 21 अप्रैल को कलेक्टर श्री मीना को यह प्रशस्ति पत्र व शील्ड सौंपी। कलेक्टर श्री मीना के नेतृत्व में जिले में 15 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के असाक्षरों को बुनियादी साक्षरता उपलब्ध कराने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किए गए हैं। 14 मार्च 2026 को आयोजित बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मकता मूल्यांकन परीक्षा में जिले ने 25 हजार के लक्ष्य के विरुद्ध 102.81 प्रतिशत उपलब्धि हासिल कर प्रदेश स्तर पर सराहनीय प्रदर्शन किया। कलेक्टर श्री मीना द्वारा साक्षरता एवं सामाजिक सरोकार के क्षेत्र में निष्ठा, लगन और समर्पण के साथ किए गए कार्यों से मध्यप्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर गौरव प्राप्त हुआ है। इसी उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया। जिले में साक्षरता अभियान की सफलता को प्रशासनिक दक्षता, सतत प्रयास और जनभागीदारी का परिणाम माना जा रहा है।

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा कॉलेज ऑफ
इंजीनियरिंग एण्ड पॉलिटेक्निक
बी.टेक. पॉलिटेक्निक
JOB SAHi
• कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
• माईनिंग इंजीनियरिंग
• सिविल इंजीनियरिंग
• मैकेनिकल इंजीनियरिंग
• इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
ADMISSION OPEN
नई शिक्षा नीति के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा उत्तीर्ण छात्रों का Lateral Entry द्वारा बी.टेक. के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा-बालाघाट
6262604111, 9425836824 www.satpudaengineeringcollege.com

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट